Centre of Excellence

GOVT. COLLEGE SANJAULI SHIMLA – 171006, H.P. (India)
Co-Educational Institution
Affiliated to Himachal Pradesh University Shimla – 5

Website: www.gcsanjauli.edu.in
E-Mail: principalsanjauli@gmail.com

DVV Clarification

Supporting Document for 3.3.2.1

3.3.2.1: Number of books and chapters in edited volumes/books published and papers published in national/ international conference proceedings per teacher during last five years

TABLE OF CONTENTS

Sr. No	Author Name	Title of the Book/Paper/Chapter	Page no
		2021-22	
1.	Dr. Satya Narain Snehi	Takniki Yug me Bhasha aur Sahitya	**4-5**
2.	Dr. Satya Narain Snehi	Bohal Shodh Manjusha	**6-8**
3.	Dr. Anita Rathour Chauhan	Methods of Sociological Enquiry	**9-11**
4.	Dr. Anita Rathour Chauhan	Techniques of Social Research	**12-14**
5.	Dr. Anita Rathour Chauhan	Marriage, Family and Kinship	**15-17**
6.	Dr. Meenakshi Sharma	Animal Physology and Biochemistry	**18-20**
7.	Dr. Ram Lal	Arthik , samajeek samrasta aur bharat ka sanghiya dhancha	**21**
8.	Dr. Ram Lal	Vishav guru ke roop main Bharat aur nayi sadi	**22**
9.	Dr. Ram Lal	Impact of lock down and challeges of Covid 19 on Indian economy	**23**
10.	Dr Aditya Dulta	Breaking the Fetters and Taking Charge: A Reading of an Aboriginal Woman's Memoir	**24**

11.	Dr Aditya Dulta	Critiquing Cultural Constructs & Articulating the Self: A Reading of a Mother-daughter duo's Memoir	**25**
		2020-21	
12.	Rajesh Dhorta	Fundamentals of Financial Management	**26-27**
13.	Rajesh Dhorta	Vitiya Prabandh Ke Mool Tatva	**28-29**
14.	Dr. Ram Lal	Atal Bihari Bhajpai ji ke arthik drishtikon	**30**
15.	Dr. Gian Chand	kala Samvadan	**31-33**
16.	Dr. Gian Chand	Madhu Naad	**34-36**
17.	Dr. Ravinder Chauhan	Social startification	**37**
18.	Dr. Ravinder Chauhan	Theory and practice of development	**38**
19.	Dr. Ravinder Chauhan	Population studies	**39**
		2019-20	
20.	Dr. Kamayani	Year book-Indian poetry in English/The Witch must Die	**40-43**
21.	Dr. Pooja Dulta	Postmodren voices in Indian English Literature	**44-46**
22.	Dr. Meenakshi Sharma	Applied Zoology	**47-48**
23.	Dr. Meenakshi Sharma	Medical Diogonistic	**49-50**
24.	Dr. Meenakshi Sharma	Genetics and evolutionary Biology	**51-52**
25.	Dr. Inder Thakur	Pandit Deendayal Upadhaya Vyakti aur Wangmaya	**53-54**
26.	Dr. Inder Thakur	Pandit Deendayal Upadhaya Jeeevan Darshan	**55**
27.	Dr. Inder Thakur	Pradhan Mantri Ki Mann Ki Baat	**56-57**
28.	Dr. Inder Thakur	Atal to Atal hai	**58-59**
29.	Dr. Inder Thakur	utar adhunikta aur hidi sahitya	**60-61**
30.	Dr. Gian Chand	Swaranjan	**62-65**
31.	Dr. Sandeep Chauhan	Organic Chemistry	**66-67**
32.	Dr. Satya Narain Snehi	Internet par mera gaon	**68-69**
		2018-19	
33.	Dr. Kamayani	The Witch must Die	**70-71**
34.	Dr. Kamayani	Conifers call/A tap on the key pad, Standing at the gate of memory	**72-73**
35.	Dr. Pawan Kumar	First Principle studies of Si clustrers	**74-75**
36.	Dr. Sandeep Chauhan	Ploymer Chemistry	**76-77**

37.	Dr. R. L Sharma	Bharat Ratan Atal Bihari Bhajpai Jeevan Vayaktitav	**78-79**
38.	Dr. R. L Sharma(Ed)	Water: Culture, Economy &Science	**80-81**
39.	Dr. Anil Thakur(Ed)	Water: Culture, Economy &Science	**82-83**
40.	Dr C B Mehta (Principal)	Jal-Sansadhan aur Prabandhan	**84-85**
41.	Dr. Inder Thakur(Ed)	Bharat Ratna A.B. Vajpayee jivant vyaktitv avamAtal Chintan	**86-87**
42.	Dr Pooja Dulta	Postmodren perspactives in Enlish Language and Literature	**88-91**
43.	Dr. Ajay Kumar	E-Commerce	**92-94**
		2017-18	
44.	Dr. Gian Chand	Sangeet Asanjan"	**95-97**
45.	Dr. Gian Chand	Naad Niketan: Sangeetani	**98-100**
46.	Dr. Meenakshi Sharma	Animal Diversity	**101-102**
47.	Dr. Meenakshi Sharma	Comparative Anatomy and Development Biology of Vertebrates	**103-104**
48.	Dr. Inder Thakur	Adhunik Kavita Ke vibhin aayam	**105-106**
49.	Dr. Inder Thakur	utar adhunilta va ikisvi sadi ki kavita	**107-108**
50.	Dr. Anjana Sharma	Matrices	**109**
51.	Dr. Anil Thakur	Ethnobotany	**110**
52.	Dr. Anil Thakur	Floriculture	**111**
53.	Dr. Anil Thakur	Characteristics & Systematics of Seed Plants	**112**
54.	Dr. Anil Thakur	Plant Anatomy and Embryology	**113**
55.	Dr. Anil Thakur	Plant Physiology and Metabolism	**114**
56.	Dr. Anil Thakur	Biofertilizers	**115**
57.	Dr. Pawan Kumar Sharma	Waves and optics	**116**

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Satya Narain Snehi

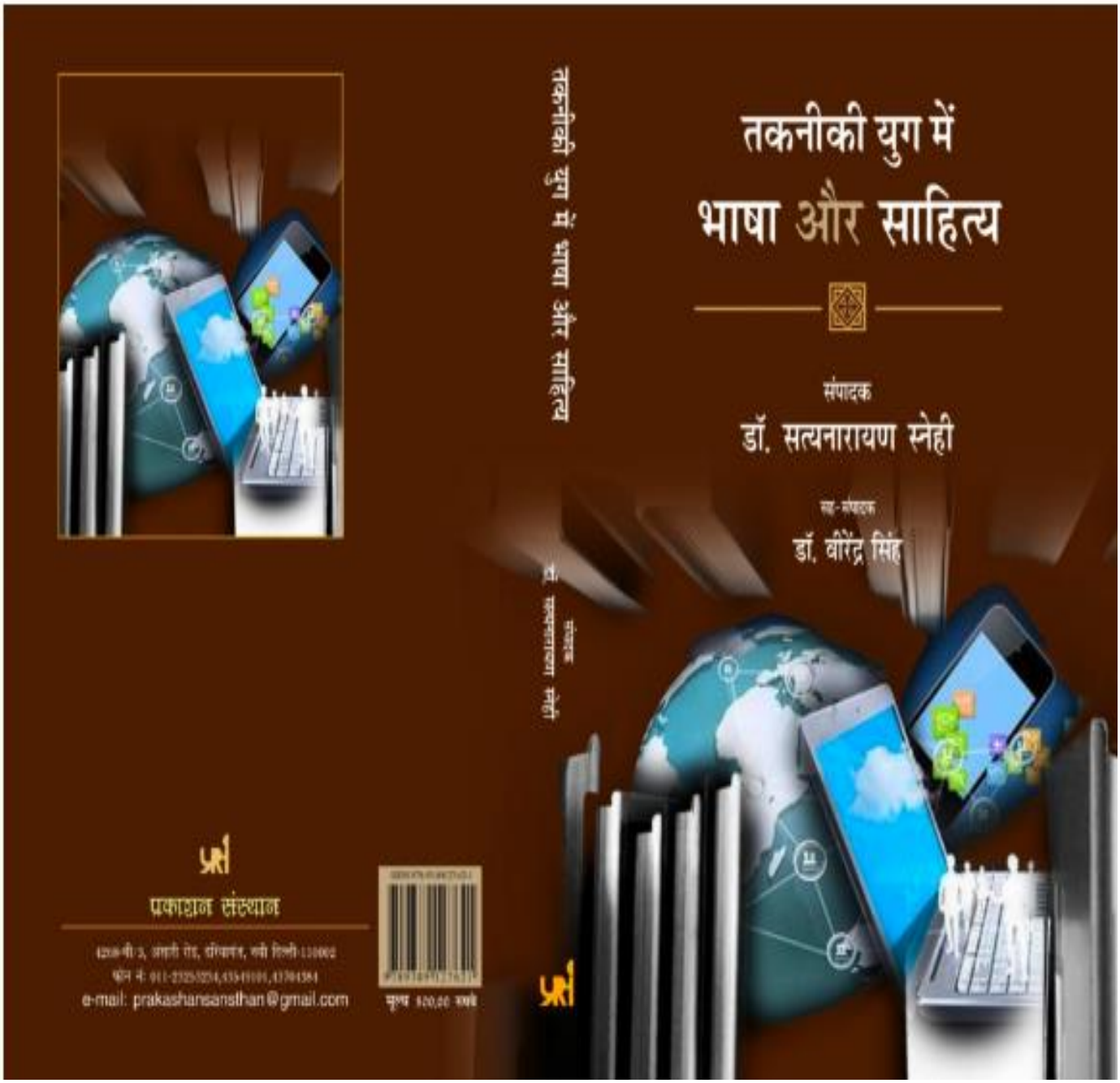

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

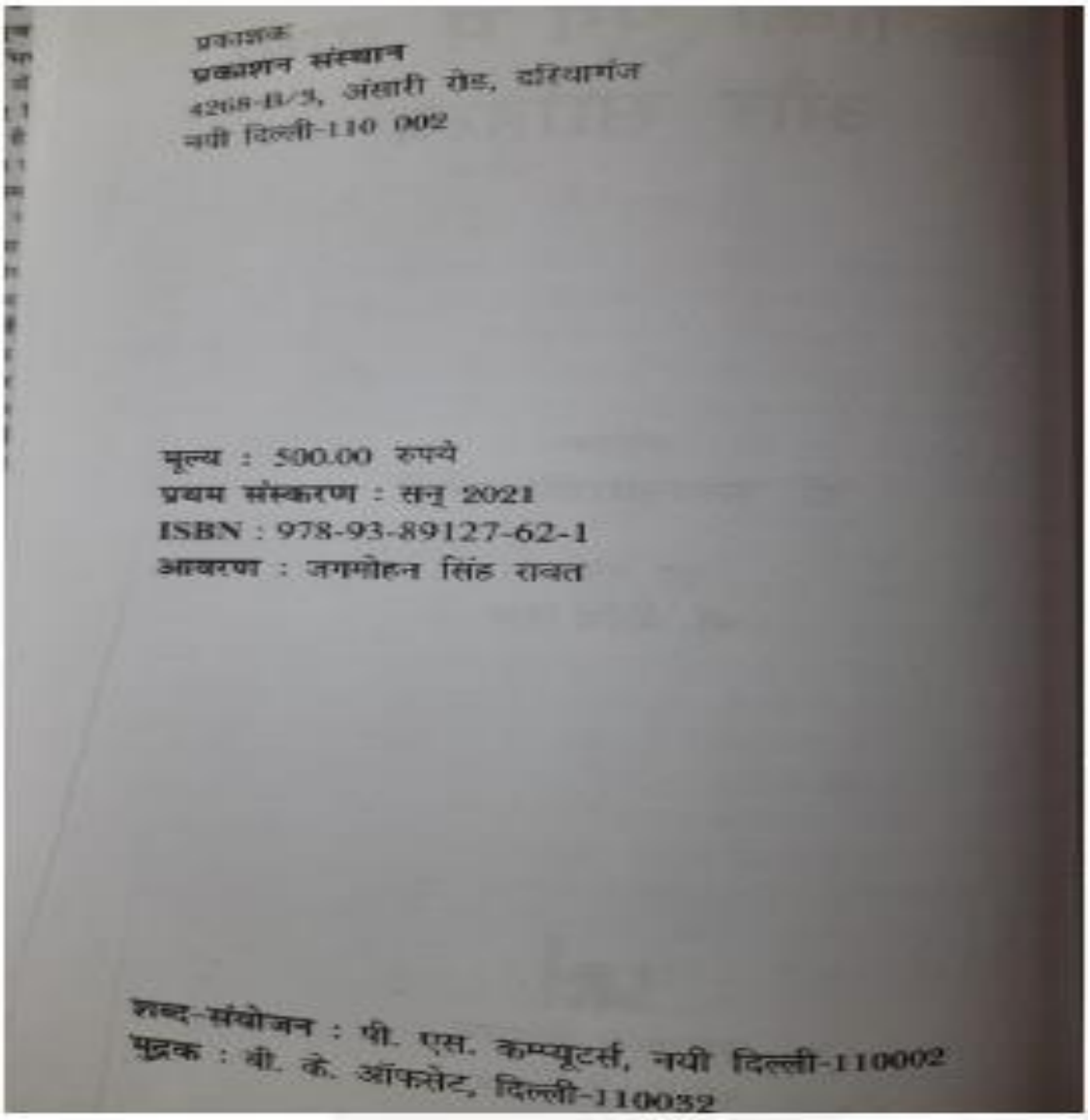

प्रकाशक
प्रकाशन संस्थान
4268-B/3, अंसारी रोड, दरियागंज
नयी दिल्ली-110 002

मूल्य : 500.00 रुपये
प्रथम संस्करण : सन् 2021
ISBN : 978-93-89127-62-1
आवरण : जगमोहन सिंह रावत

शब्द-संयोजन : पी. एस. कम्प्यूटर्स, नयी दिल्ली-110002
मुद्रक : बी. के. ऑफसेट, दिल्ली-110032

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Satya Narain Snehi

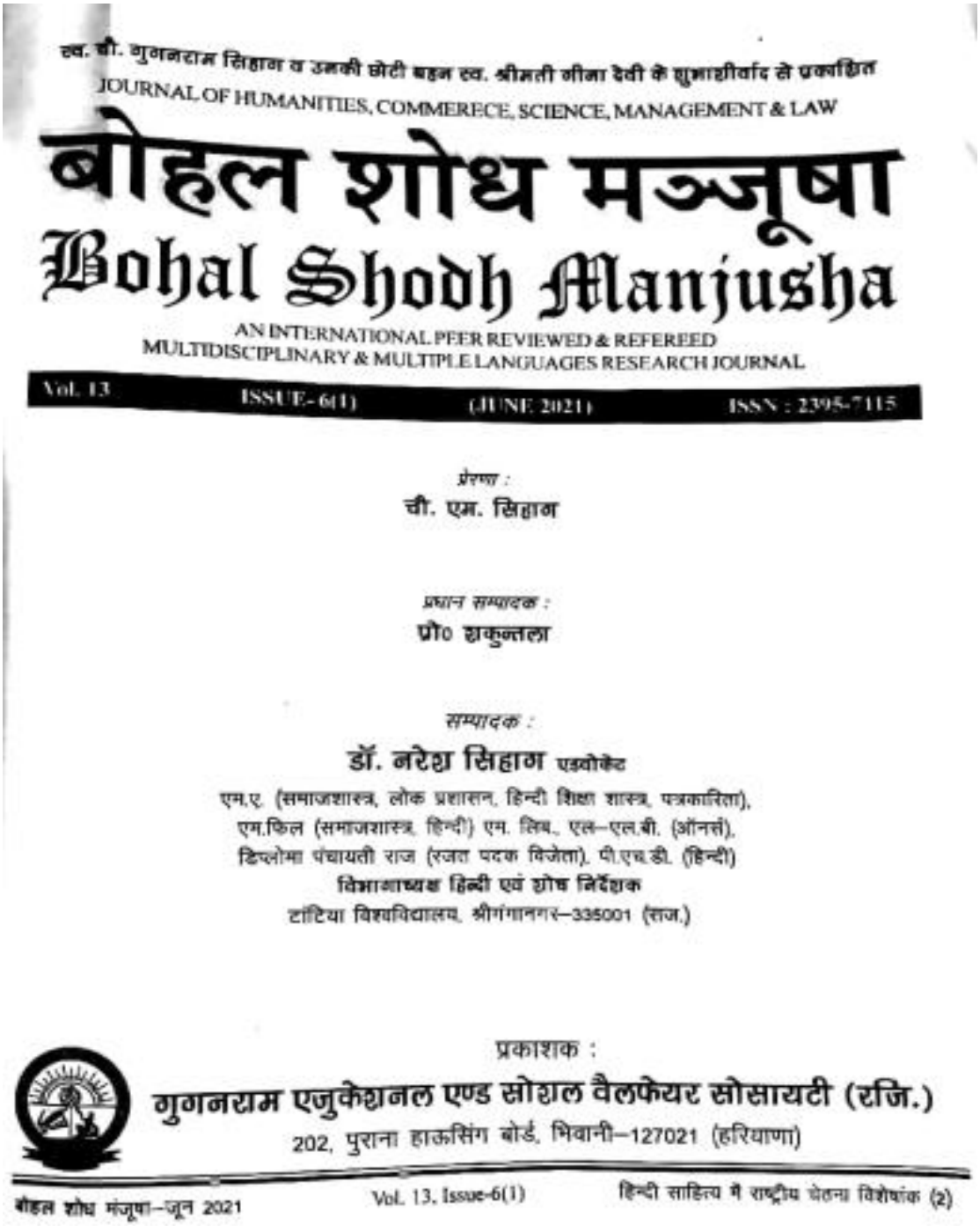

स्व. चौ. गुगनराम सिहाग व उनकी छोटी बहन स्व. श्रीमती गीना देवी के शुभाशीर्वाद से प्रकाशित

JOURNAL OF HUMANITIES, COMMERECE, SCIENCE, MANAGEMENT & LAW

बोहल शोध मञ्जूषा

Bohal Shodh Manjusha

AN INTERNATIONAL PEER REVIEWED & REFEREED
MULTIDISCIPLINARY & MULTIPLE LANGUAGES RESEARCH JOURNAL

Vol. 13 ISSUE- 6(1) (JUNE 2021) ISSN : 2395-7115

प्रेरणा :
चौ. एम. सिहाग

प्रधान सम्पादक :
प्रो० शकुन्तला

सम्पादक :
डॉ. नरेश सिहाग एडवोकेट
एम.ए. (समाजशास्त्र, लोक प्रशासन, हिन्दी शिक्षा शास्त्र, पत्रकारिता),
एम.फिल (समाजशास्त्र, हिन्दी) एम. लिब., एल–एल.बी. (ऑनर्स),
डिप्लोमा पंचायती राज (रजत पदक विजेता), पी.एच.डी. (हिन्दी)
विभागाध्यक्ष हिन्दी एवं शोध निर्देशक
टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर–335001 (राज.)

प्रकाशक :
गुगनराम एजुकेशनल एण्ड सोशल वैलफेयर सोसायटी (रजि.)
202, पुराना हाऊसिंग बोर्ड, भिवानी–127021 (हरियाणा)

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

www.bohalsm.blogspot.com
Impact Factor : 3.811

Bohal Shodh Manjusha
JUNE 2021

ISSN : 2395-71
Page No. : 63-6

AN INTERNATIONAL PEER REVIEWED & REFEREED
MULTIDISCIPLINARY & MULTIPLE LANGUAGES RESEARCH JOURNAL

हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के संवाहक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

-डॉ. सत्यनारायण स्नेही

सहायक प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, उत्कृष्ट शिक्षा केन्द्र,
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सन्जौली, शिमला-6, हि. प्र.-171006

भारतीय चिंतन में 'राष्ट्र' शब्द का प्रयोग वैदिक काल से होता रहा है। यजुर्वेद में 'राष्ट्र मे देहि' और अथर्ववेद में 'त्वा राष्ट्र भृत्याय' में राष्ट्र शब्द समाज के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। मानव की सहज सामुदायिक भावना ने समूह को जन्म दिया, जो कालान्तर में राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ। राष्ट्र एक समुच्चय है, कुलक है और राष्ट्रीयता एक विशिष्ट भावना है। साहित्य का मनुष्य से शाश्वत संबंध है। साहित्य सामुदायिक विकास में सहायक होता है और सामुदायिक भावना राष्ट्रीय चेतना का अंग है। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारतीय मनीषियों का सूक्ष्म चिंतन और उदात्त विचार था। उन्होंने 'वसुदेव कुटुंबकम' मंत्र से अंतरराष्ट्रीयता का सूत्रपात किया था। शौर्य, पराक्रम, बुद्धि, विवेक और तेज से समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने का प्रयास किया था। समाज का राष्ट्र से सीधा संबंध है। किसी भी संस्कारित समाज की विशिष्ट जीवन शैली होती है जो राष्ट्र के रूप में दूसरे समाज को प्रभावित करती है। रूढ़ियों और विकृत परंपराओं से जर्जर समाज राष्ट्र को पतन की ओर ले जाता है। समसामयिक और विकासोन्मुखी सोच राष्ट्र को प्रगति के पथ पर ले जाती है। कवि मोहनिद्रा में डूबे राष्ट्र को जागृति के गान गाकर संघर्ष के लिये प्रेरित करता है। राष्ट्रीयता जैसी उदात्त प्रवृतियों का पोषण और उन्नयन साहित्यकार तद्नुरूप साहित्य सर्जन से करता है।

हिन्दी साहित्य में भारतेंदु हरिश्चंद्र का अभ्युदय जिस परिवेश में हुआ, उस समय हिन्दी कविता में भक्ति और रीति के संस्कारों की प्रधानता थी और वह मध्यकालीन भावबोध में जकड़ी हुई थी। 1857 में शुरू हुई क्रांति के प्रभाव से पूरे देश में राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिस्थितियों में परिवर्तन हुआ। इसके फलस्वरूप राष्ट्रवाद की चेतना का विकास हुआ, जिसका प्रभाव समाज पर भी पड़ा और साहित्य पर भी। इस राष्ट्रीयता की भावना से भारतेंदु हरिश्चंद्र भी अछूते न रहे। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से इस राष्ट्रवादी चेतना को न केवल रूपायित किया, बल्कि आमजन को प्रेरित भी किया। भाषा साहित्य, समाज, राष्ट्र धर्म, कला, संस्कृति के समग्र आन्दोलन को भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने कई स्तरों पर कई कार्यों से सम्पन्न किया।

रामविलास शर्मा के मतानुसार 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का यह एक युगान्तकारी महत्त्व है कि उन्होंने अपने प्रदेश की सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पहचाना। उन्होंने साहित्यिक हिन्दी को संवारा, साहित्य के साथ हिन्दी के नये आन्दोलन को जन्म दिया, हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय एवं जनवादी तत्त्वों को प्रतिष्ठित किया।' भारतेन्दु के काव्य की प्रमुख विशेषता राष्ट्रीय भावना की अभिव्यक्ति है। इसके लिए वे कहीं व्यंजना का सहारा लेते हैं तो कहीं लक्षणा का तो कहीं कहीं अपनी बात सपाट शब्दों में भी कहते थे। भारतेंदु के समय देश विषम परिस्थितियों से गुज़र रहा था एक तरफ़ राजनीतिक दासता थी दूसरी ओर सामाजिक अधोपतन। वह काल था जबकि अंग्रेजों की दमनकारी नीतियां पूरे देश में पांव पसार चुकी थीं। इससे पूर्व साहित्य में राजप्रशस्तियां होती थी, साहित्य पतनशील सामंती अस्कृति का पोषक बन कर रह गया था अतः

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना विशेषांक

क्र.	विषय	लेखक	पृष्ठ
1.	सम्पादकीय	प्रो० शकुन्तला	08–09
2.	नयी कविता में राष्ट्रीय चेतना	रीना कुमारी	10–15
3.	भारतेन्दु युग में राष्ट्रीय चेतना के तत्व	डॉ० सुधीर कुमार विश्वकर्मा	16–20
4.	आधुनिक हिंदी काव्य में राष्ट्रीयता के विविध सोपान	डॉ० निशा वालिया	21–24
5.	प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय चेतना	पीयूष कुमार	25–29
6.	भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मैथिलीशरण गुप्त का योगदान ('भारत-भारती' काव्यकृति के संदर्भ में)	सिस्टर० बिसमलिल	30–32
7.	राष्ट्रीयता का अर्थ – परिभाषा	डॉ० पंडित बन्ने	33–36
8.	जयशंकर प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय चेतना	शिर्षाट अर्चना महादेवराव	37–41
9.	स्वातंत्र्योत्तर राष्ट्रीय परिदृश्य और रेणु का कविकर्म	डॉ० सुभाषचन्द्र गुप्त	42–49
10.	कबीर वाणी में राष्ट्रीय चेतना	डॉ० प्रीति के	50–53
11.	जयशंकर प्रसाद के साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	डॉ० मनोज कुमार सिंह	54–57
12.	भारतीय पत्रकारिता में राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति	डॉ० हिमानी सिंह	58–62
13.	हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के संवाहक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	डॉ० सत्यनारायण सोढ़ी	63–67
14.	प्रसाद की राष्ट्रीय चेतना	डॉ० सी० मोहना	68–71
15.	भारत माता के अमर यश गायक और स्वतंत्रता के महत्वाकांक्षी श्री मैथिलीशरणगुप्त	डॉ० शोभना कोक्काडन, डॉ० बी० अनिरुद्धन	72–77
16.	आदिवासी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना 'जो इतिहास में नहीं है' के विशेष संदर्भ में	डॉ० हर्षलता पी० शाह	78–80
17.	भक्तिकालीन हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना (सन्त काव्य के विशेष संदर्भ में)	डॉ० मुनीश कुमार	81–84
18.	डॉ. कैलाशचंद्र शर्मा शंकी के कथा साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	प्रिंस विनायक, डॉ० नरेश कुमार सिहाग	85–87

बोहल शोध मंजूषा–जून 2021 Vol. 13, Issue-6(1) हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना विशेषांक (6)

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Anita Rathour Chauhan

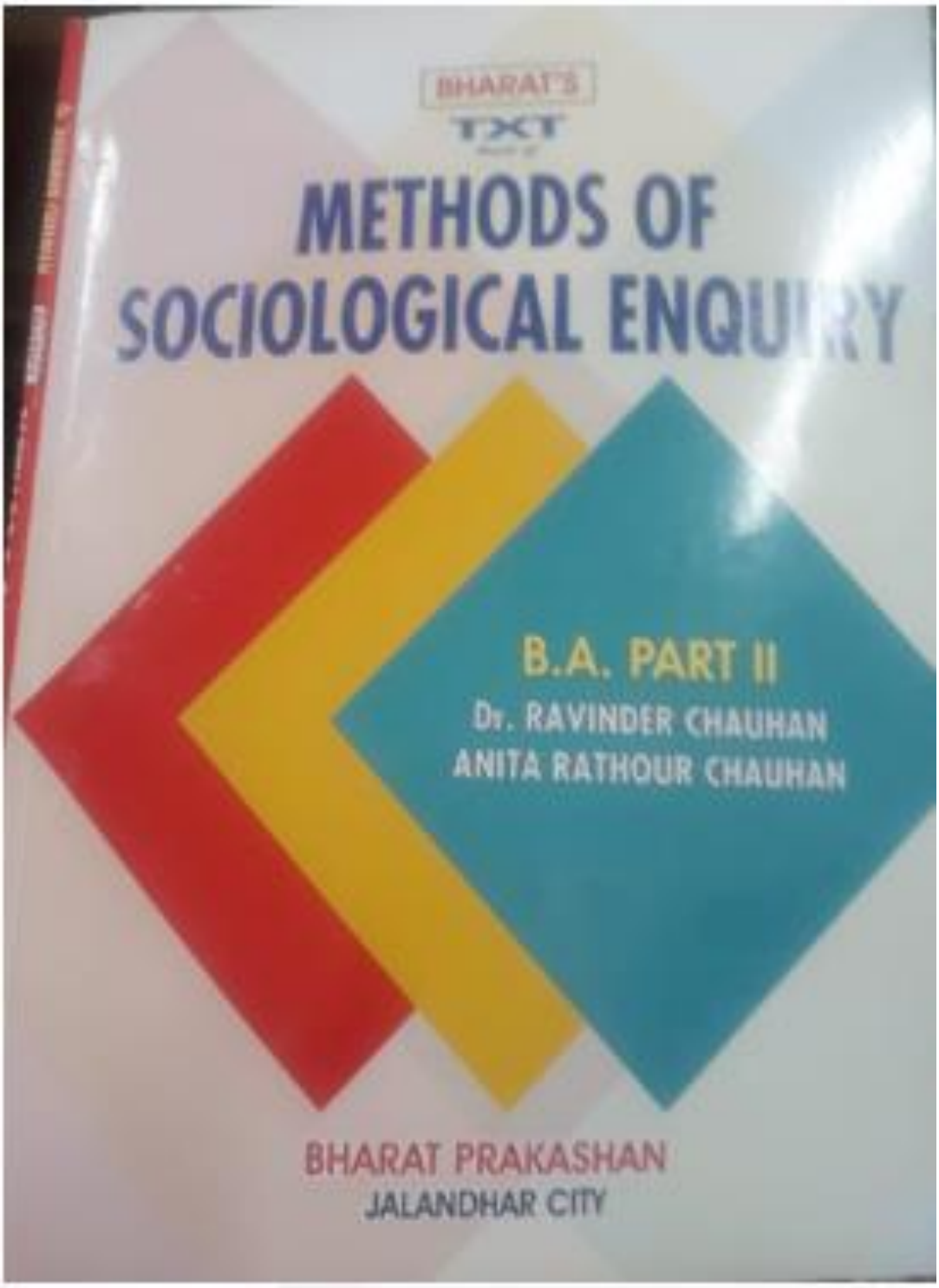

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

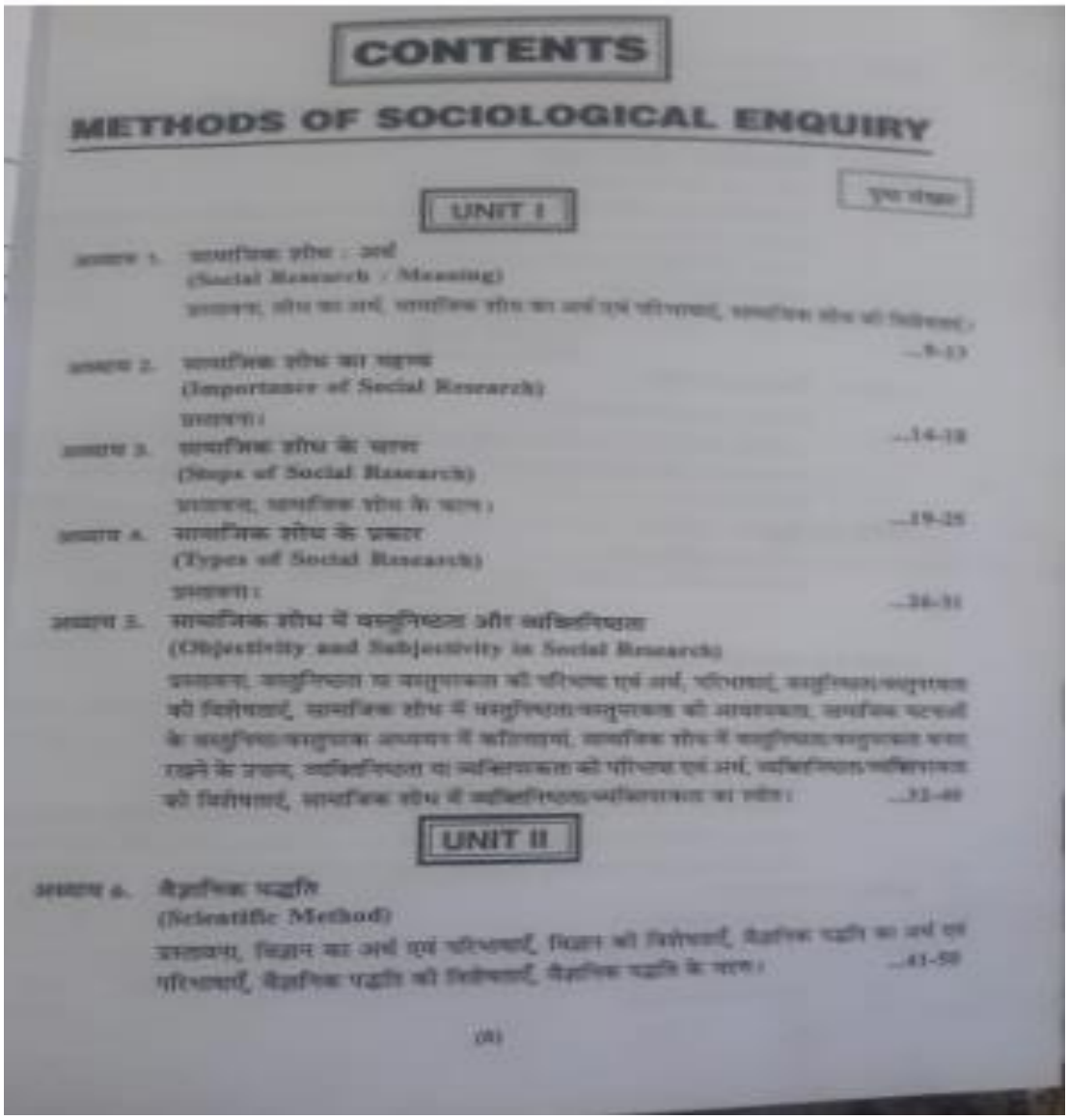

CONTENTS

METHODS OF SOCIOLOGICAL ENQUIRY

पृष्ठ संख्या

UNIT I

अध्याय 1. सामाजिक शोध : अर्थ
(Social Research : Meaning)
प्रस्तावना, शोध का अर्थ, सामाजिक शोध का अर्थ एवं परिभाषाएँ, सामाजिक शोध की विशेषताएँ। ...9-13

अध्याय 2. सामाजिक शोध का महत्त्व
(Importance of Social Research)
प्रस्तावना। ...14-18

अध्याय 3. सामाजिक शोध के चरण
(Steps of Social Research)
प्रस्तावना, सामाजिक शोध के चरण। ...19-25

अध्याय 4. सामाजिक शोध के प्रकार
(Types of Social Research)
प्रस्तावना। ...26-31

अध्याय 5. सामाजिक शोध में वस्तुनिष्ठता और व्यक्तिनिष्ठता
(Objectivity and Subjectivity in Social Research)
प्रस्तावना, वस्तुनिष्ठता या वस्तुपरकता की परिभाषा एवं अर्थ, परिभाषाएँ, वस्तुनिष्ठता/वस्तुपरकता की विशेषताएँ, सामाजिक शोध में वस्तुनिष्ठता/वस्तुपरकता की आवश्यकता, सामाजिक घटनाओं के वस्तुनिष्ठ/वस्तुपरक अध्ययन में कठिनाइयां, सामाजिक शोध में वस्तुनिष्ठता/वस्तुपरकता बनाए रखने के उपाय, व्यक्तिनिष्ठता या व्यक्तिपरकता की परिभाषा एवं अर्थ, व्यक्तिनिष्ठता/व्यक्तिपरकता की विशेषताएँ, सामाजिक शोध में व्यक्तिनिष्ठता/व्यक्तिपरकता का स्थान। ...32-40

UNIT II

अध्याय 6. वैज्ञानिक पद्धति
(Scientific Method)
प्रस्तावना, विज्ञान का अर्थ एवं परिभाषाएँ, विज्ञान की विशेषताएँ, वैज्ञानिक पद्धति का अर्थ एवं परिभाषाएँ, वैज्ञानिक पद्धति की विशेषताएँ, वैज्ञानिक पद्धति के चरण। ...41-50

(8)

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

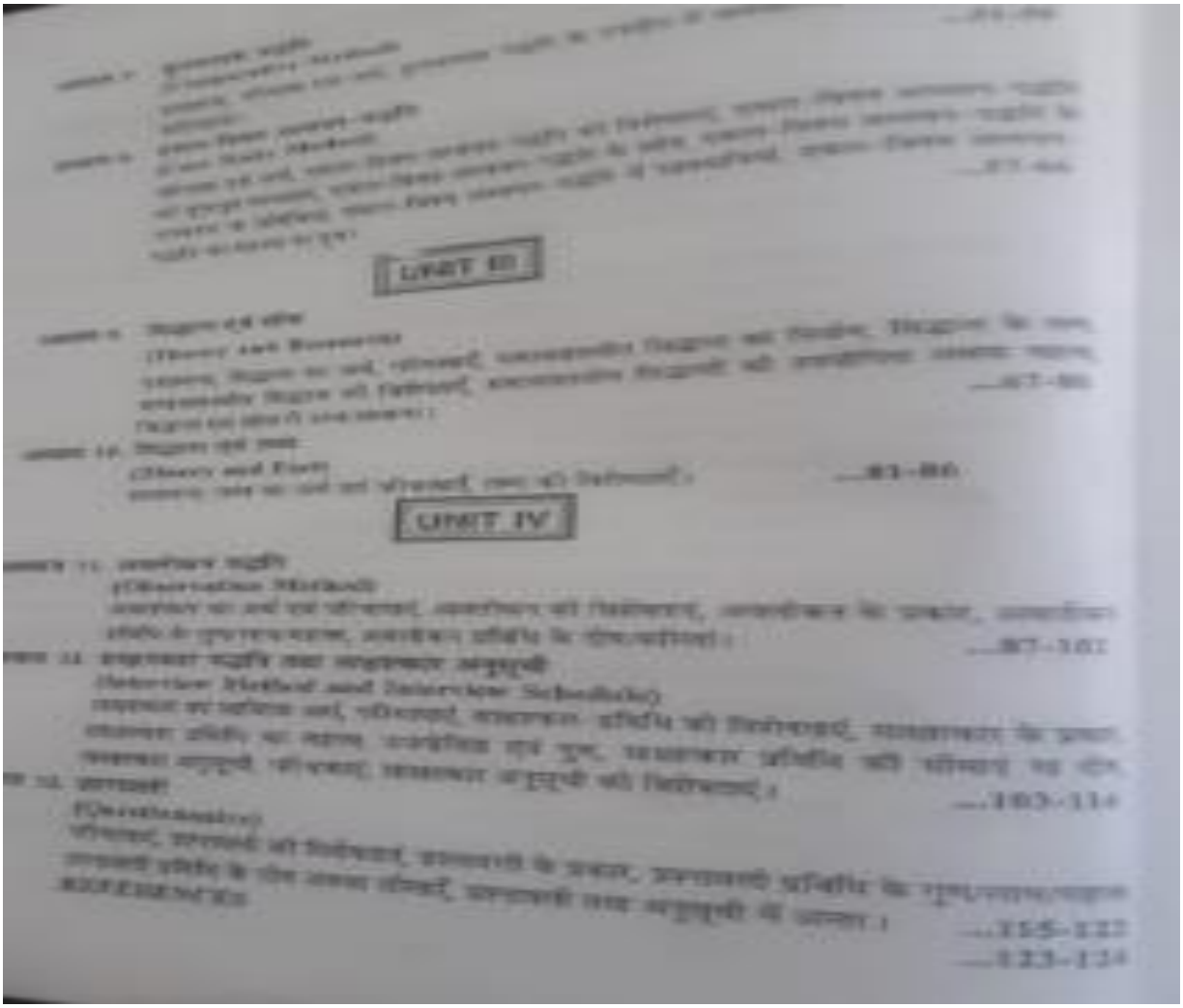

UNIT III

UNIT IV

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Anita Rathour Chauhan

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

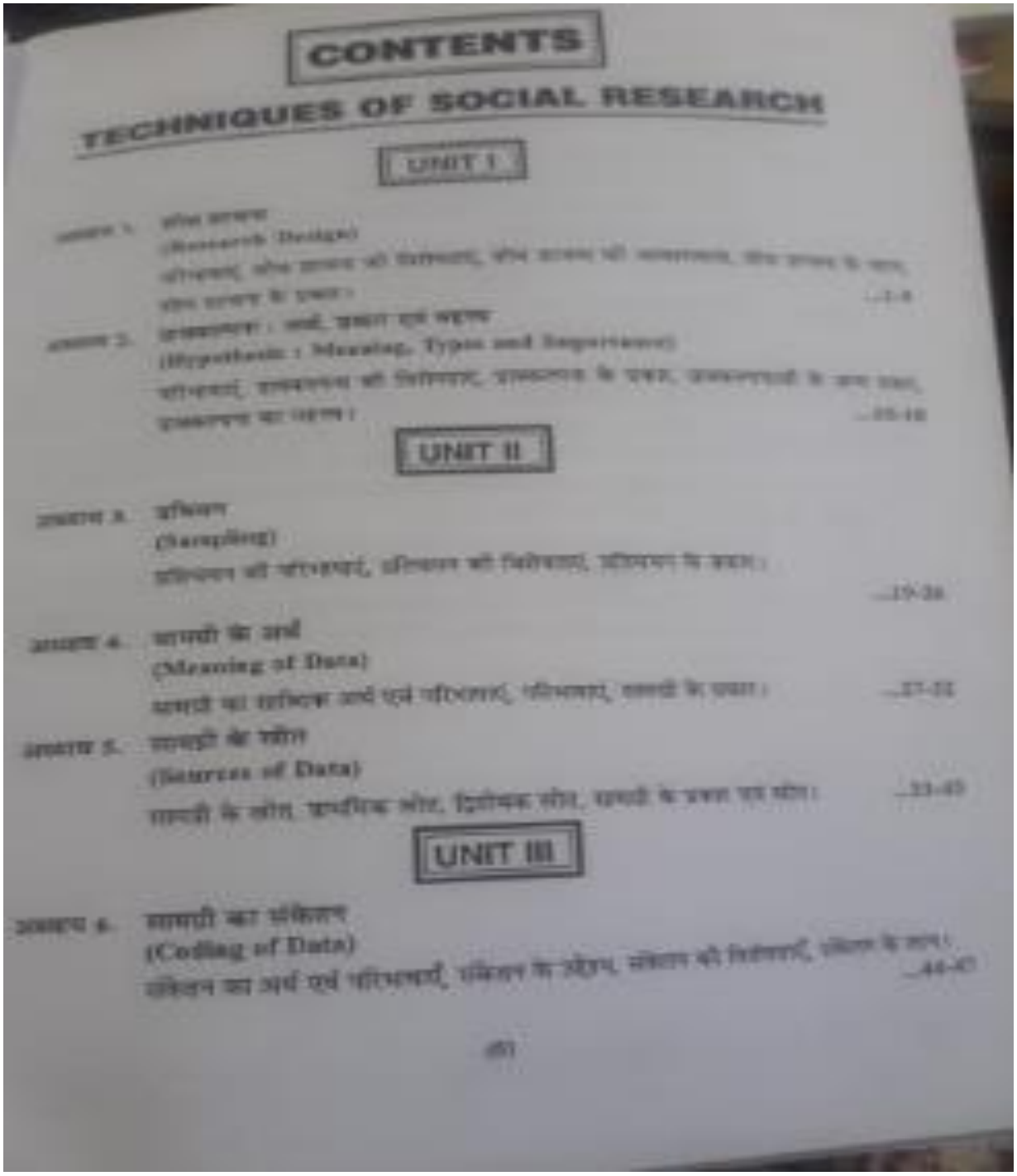

CONTENTS

TECHNIQUES OF SOCIAL RESEARCH

UNIT I

अध्याय 1. शोध प्रारूप
(Research Design)
[illegible] ...1-8

अध्याय 2. उपकल्पना : अर्थ, प्रकार एवं महत्व
(Hypothesis : Meaning, Types and Importance)
[illegible] ...[illegible]

UNIT II

अध्याय 3. प्रतिचयन
(Sampling)
[illegible] ...19-26

अध्याय 4. सामग्री के अर्थ
(Meaning of Data)
[illegible] ...27-32

अध्याय 5. सामग्री के स्रोत
(Sources of Data)
[illegible] ...33-43

UNIT III

अध्याय 6. सामग्री का संकेतन
(Coding of Data)
[illegible] ...44-47

(5)

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal, COE, Govt. College Sanjauli, Shimla-6

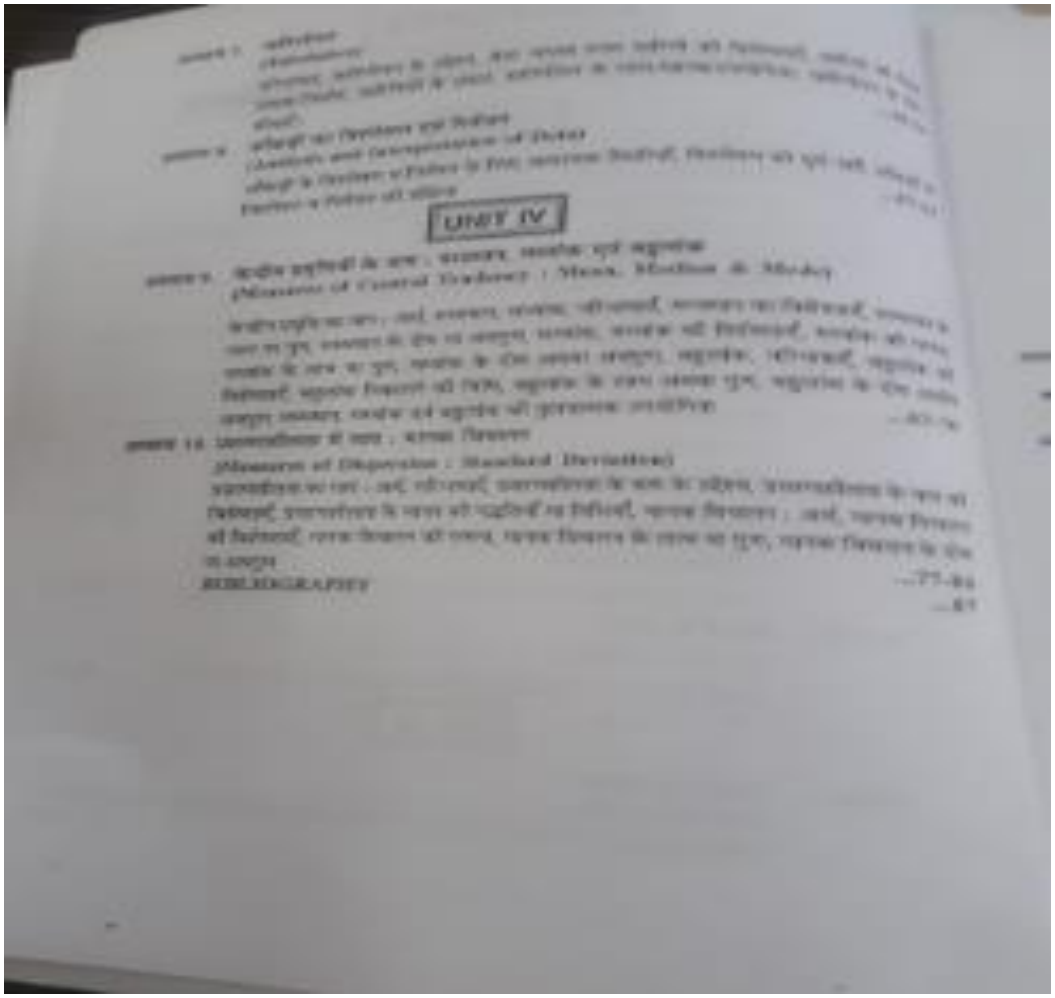

UNIT IV

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Anita Rathour Chauhan

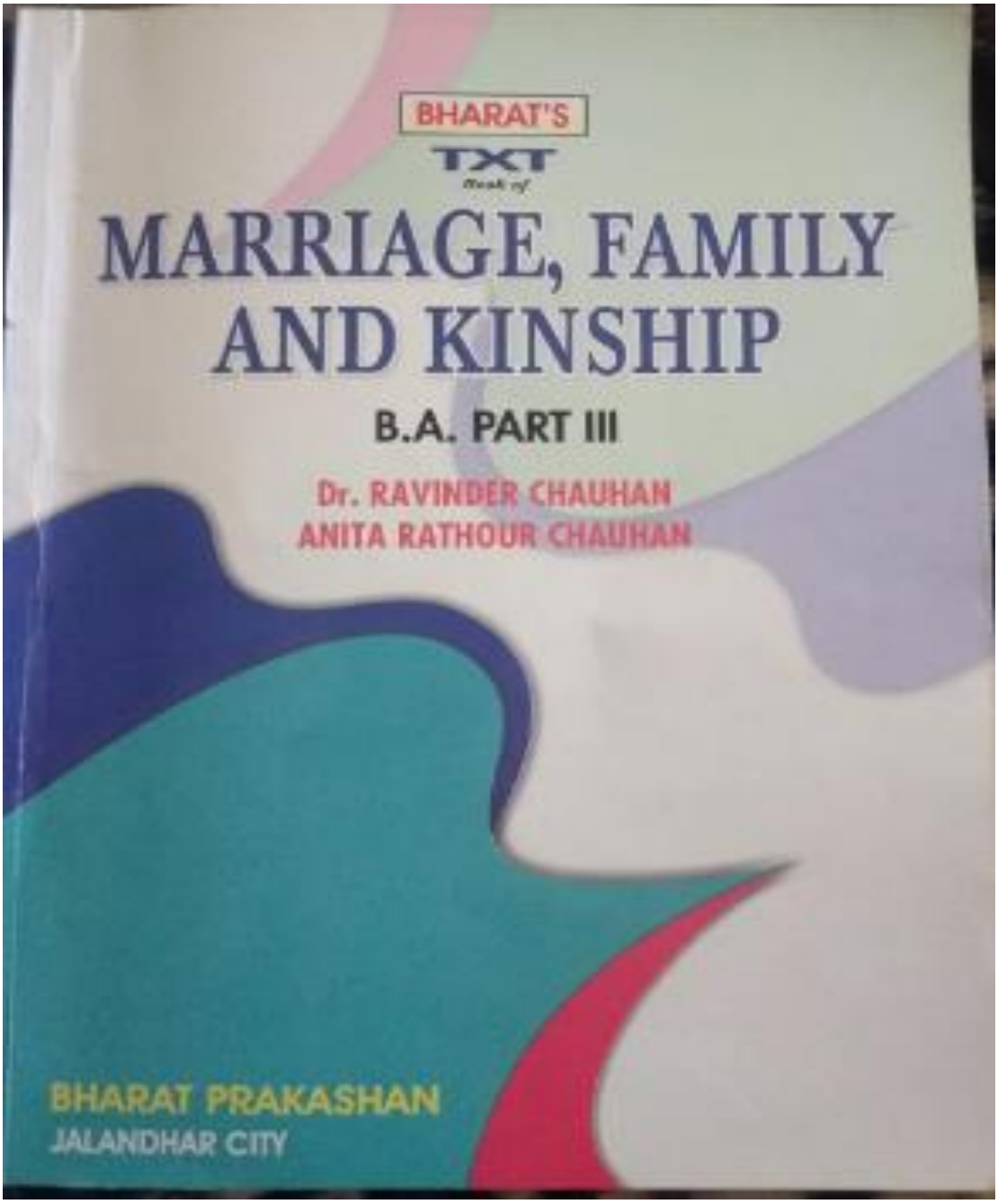

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

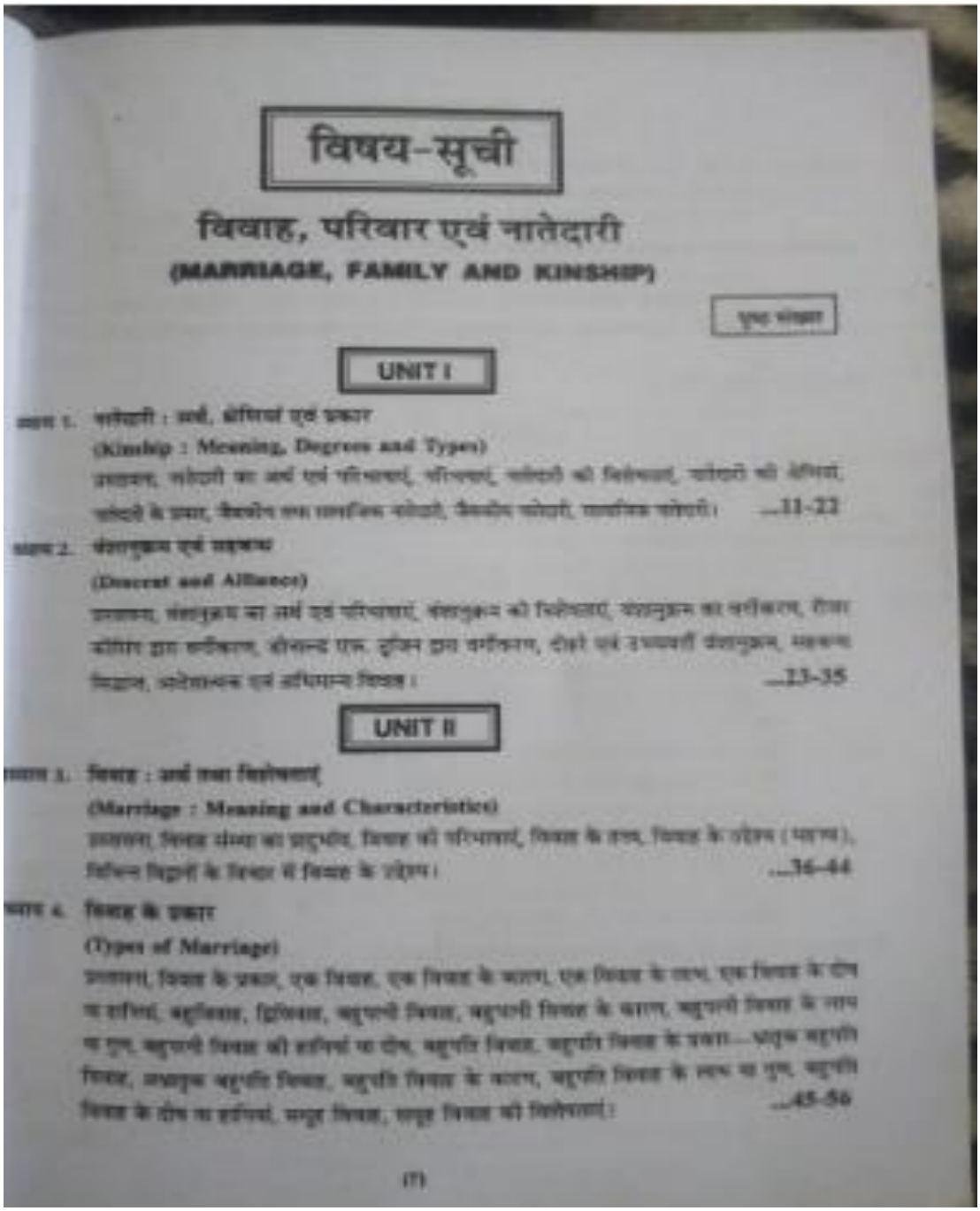

विषय-सूची

विवाह, परिवार एवं नातेदारी

(MARRIAGE, FAMILY AND KINSHIP)

पृष्ठ संख्या

UNIT I

अध्याय 1. नातेदारी : अर्थ, श्रेणियां एवं प्रकार
(Kinship : Meaning, Degrees and Types)
प्रस्तावना, नातेदारी का अर्थ एवं परिभाषाएं, परिभाषाएं, नातेदारी की विशेषताएं, नातेदारी की श्रेणियां, नातेदारी के प्रकार, वैवाहिक तथा रक्तसम्बन्धी नातेदारी, वैवाहिक नातेदारी, रक्तसम्बन्धी नातेदारी। ...11-22

अध्याय 2. वंशानुक्रम एवं सहबन्ध
(Descent and Alliance)
प्रस्तावना, वंशानुक्रम का अर्थ एवं परिभाषाएं, वंशानुक्रम की विशेषताएं, वंशानुक्रम का वर्गीकरण, रिवर्स द्वारा वर्गीकरण, रेडक्लिफ ब्राउन द्वारा वर्गीकरण, एकरेखीय एवं उभयवर्ती वंशानुक्रम, सहबन्ध सिद्धान्त, अधिमान्य एवं अधिमान्य विवाह। ...23-35

UNIT II

अध्याय 3. विवाह : अर्थ तथा विशेषताएं
(Marriage : Meaning and Characteristics)
प्रस्तावना, विवाह संस्था का प्रादुर्भाव, विवाह की परिभाषाएं, विवाह के तत्व, विवाह के उद्देश्य (महत्व), विभिन्न विद्वानों के विचार में विवाह के उद्देश्य। ...36-44

अध्याय 4. विवाह के प्रकार
(Types of Marriage)
प्रस्तावना, विवाह के प्रकार, एक विवाह, एक विवाह के कारण, एक विवाह के लाभ, एक विवाह के दोष या हानियां, बहुविवाह, द्विविवाह, बहुपत्नी विवाह, बहुपत्नी विवाह के कारण, बहुपत्नी विवाह के लाभ या गुण, बहुपत्नी विवाह की हानियां या दोष, बहुपति विवाह, बहुपति विवाह के प्रकार—भ्रातृक बहुपति विवाह, अभ्रातृक बहुपति विवाह, बहुपति विवाह के कारण, बहुपति विवाह के लाभ या गुण, बहुपति विवाह के दोष या हानियां, समूह विवाह, समूह विवाह की विशेषताएं। ...45-56

(7)

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

(8)

UNIT III

अध्याय 5. परिवार : अर्थ, परिभाषाएं एवं विशेषताएं
(Family : Meaning, Definitions and Characteristics)
उद्देश्य, प्रस्तावना, परिवार का शाब्दिक अर्थ, परिवार की परिभाषाएं, परिवार की विशेषताएं। ...57-64

अध्याय 6. परिवार के प्रकार : केन्द्रकीय एवं संयुक्त
(Types of Family : Nuclear and Joint)
उद्देश्य, प्रस्तावना, प्रमुख विद्वानों द्वारा वर्णित परिवार के प्रकार, केन्द्रकीय परिवार, केन्द्रकीय परिवार की विशेषताएं, संयुक्त परिवार, संयुक्त परिवार की विशेषताएं, केन्द्रकीय तथा संयुक्त परिवार में अन्तर। ...65-80

अध्याय 7. परिवार एवं घर
(Family and Household)
उद्देश्य, प्रस्तावना, घर का अर्थ, परिवार एवं घर में अन्तर, परिवार की पुनःपरिभाषा ([illegible] ...81-88

UNIT IV

अध्याय 8. भारत में उभरते परिवार प्रतिमान
(Emerging Family Patterns in India)
उद्देश्य, प्रस्तावना, भारतीय परिवार में महत्वपूर्ण परिवर्तन तथा उसमें उभरते प्रतिमान—[illegible] परिवर्तन, पारिवारिक सत्ता एवं नियन्त्रण में कमी, परिवार का घटता आकार, स्त्रियों की आर्थिक आत्मनिर्भरता, स्त्री की प्रस्थिति में परिवर्तन, [illegible] की ओर, परिवार के धार्मिक पक्ष में परिवर्तन, आवश्यकताओं में वृद्धि, [illegible] का अभाव, स्त्रियों की उच्च शिक्षा, पुरुषों की सत्ता में गिरावट, विवाह के महत्व में कमी, माँ का कार्यकारी होना, युवकों के अधिकारों में अभूतपूर्व वृद्धि, सम-समतात्मक परिवार का उदय। ...89-95

अध्याय 9. भारत में उभरते विवाह प्रतिमान
(Emerging Marriage Patterns in India)
उद्देश्य, प्रस्तावना, भारत में उभरते विवाह प्रतिमान—विवाह के उद्देश्य में परिवर्तन, विवाह के संस्कारीय रूप में परिवर्तन, विवाह के स्वरूपों में परिवर्तन, जीवन साथी के चयन की प्रक्रिया में परिवर्तन, विवाह के समय आयु में परिवर्तन, विवाह के अनुष्ठानों एवं रीति-रिवाजों में परिवर्तन, अन्तर्जातीय विवाहों की संख्या में वृद्धि, विधवा पुनर्विवाह निषेध में शिथिलता, विवाह-विच्छेद की मान्यता की प्राप्ति, व्यक्तिगत सम्बन्ध की ओर, व्यावसायिक रूप। ...96-101

अध्याय 10. नातेदारी की संज्ञाएं, रीतियाँ तथा वर्तमान प्रवृत्तियां
(Terms, Usages and Recent Trends of Kinship)
उद्देश्य, प्रस्तावना, नातेदारी की संज्ञाएं—वर्गीकृत नातेदारी संज्ञाएं, विशिष्टात्मक नातेदारी संज्ञाएं, सन्दर्भ संज्ञा, सम्बोधन संज्ञा, वर्गीकृत तथा विशिष्टात्मक नातेदारी संज्ञाओं में अन्तर, नातेदारी की रीतियाँ, परिहार या विमुखता सम्बन्ध, परिहास या हँसी-मजाक के सम्बन्ध, माध्यमिक सम्बोधन, मातुलेय, पितृस्वेय या पितृश्वसा या पितृस्वसेय, सह-प्रसविता या सहकष्टी, नातेदारी में वर्तमान प्रवृत्तियां। ...102-110

BIBLIOGRAPHY ...111-112

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr Meenakshi Sharma

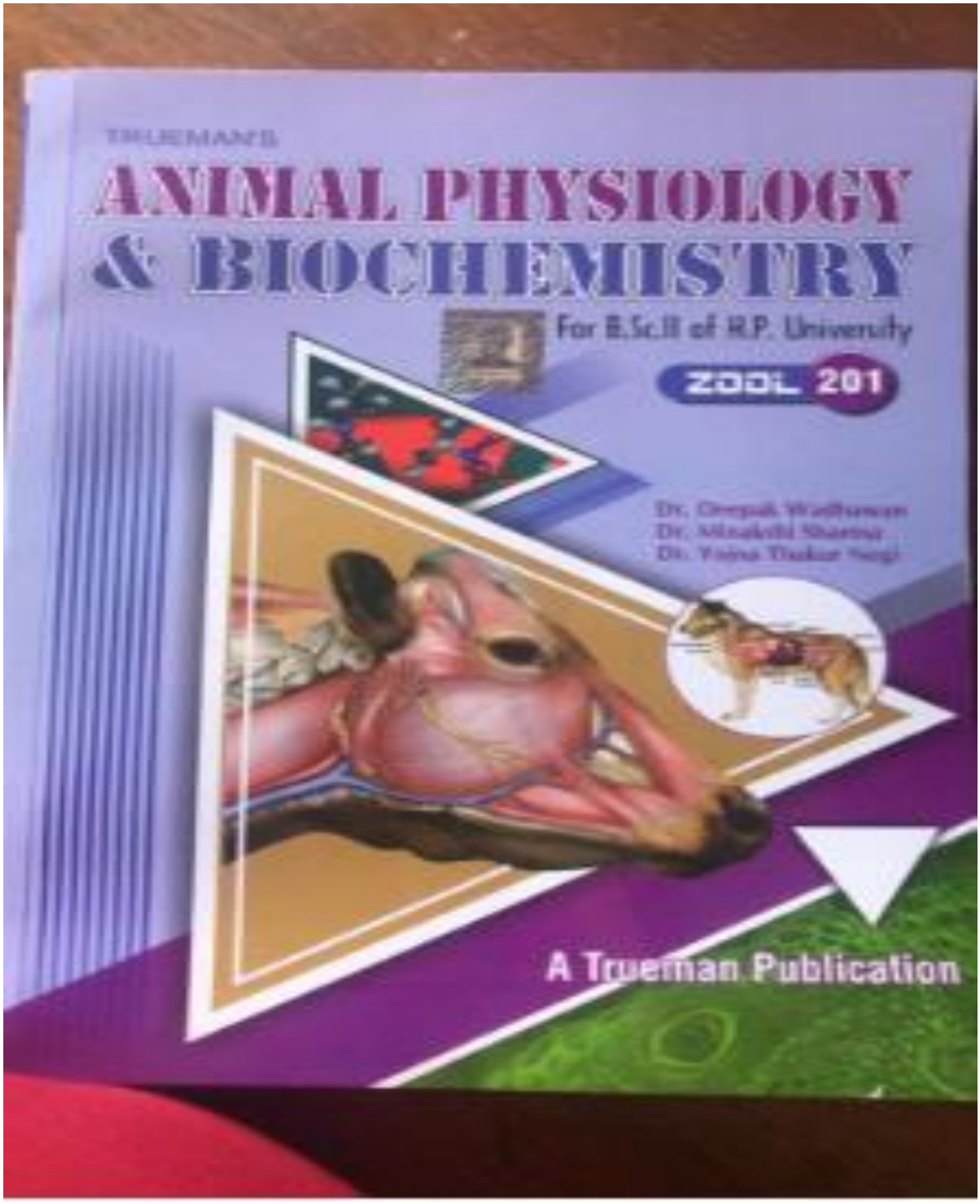

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

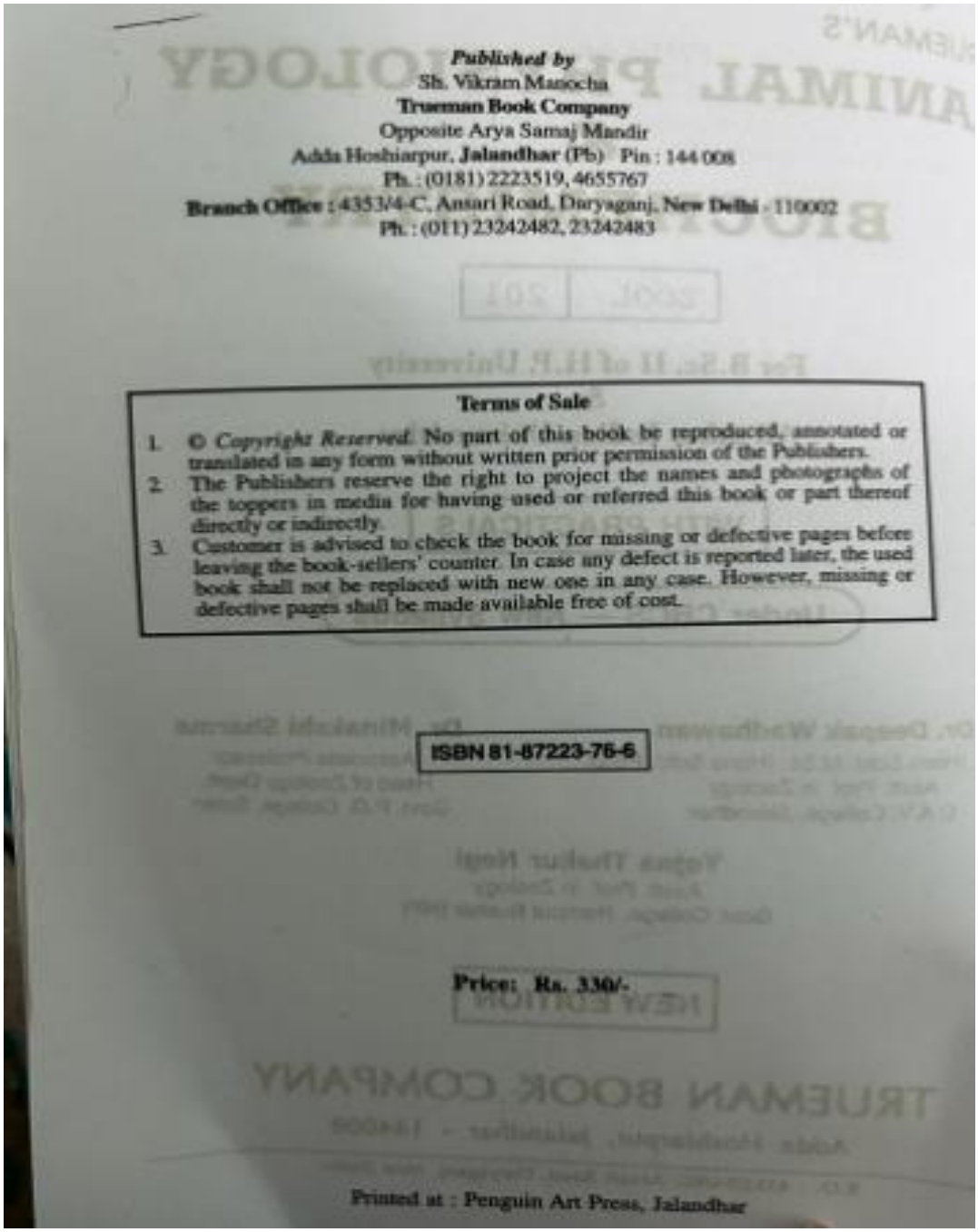

Published by
Sh. Vikram Manocha
Trueman Book Company
Opposite Arya Samaj Mandir
Adda Hoshiarpur, **Jalandhar** (Pb) Pin : 144 008
Ph. : (0181) 2223519, 4655767
Branch Office : 4353/4-C, Ansari Road, Daryaganj, **New Delhi** - 110002
Ph. : (011) 23242482, 23242483

Terms of Sale

1. © *Copyright Reserved.* No part of this book be reproduced, annotated or translated in any form without written prior permission of the Publishers.
2. The Publishers reserve the right to project the names and photographs of the toppers in media for having used or referred this book or part thereof directly or indirectly.
3. Customer is advised to check the book for missing or defective pages before leaving the book-sellers' counter. In case any defect is reported later, the used book shall not be replaced with new one in any case. However, missing or defective pages shall be made available free of cost.

ISBN 81-87223-76-6

Price: Rs. 330/-

Printed at : Penguin Art Press, Jalandhar

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

CONTENTS

ANIMAL PHYSIOLOGY
ZOOL301TH

1.	Nutrition, Digestion and Absorption	1
2.	Circulatory System	23
3.	Respiratory System	53
4.	Excretory System	79
5.	Muscles	102
6.	Neural Integration	116
7.	Endocrine System	137

BIOCHEMISTRY

1.	Carbohydrate Metabolism	1
2.	Lipid Metabolism	38
3.	Protein Metabolism	50
4.	Enzymes	67

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Ram Lal Sharma

Certificate of Publication

ISSN 2230-7850

RNI: MAHMUL 2011/38595

Indian Streams Research Journal

International Recognized Multidisciplinary Research Journal

This is to certify that our review board accepted research paper of Dr. /Shri. Smt.: डॉ. रामलाल शर्मा *Topic:-*आर्थिक, सामाजिक समरसता और भारत का संघीय ढाँचा *College :* असोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, CEO गवर्मेन्ट कालेज, संजोली, शिमला. *The research paper is origin[illegible] novative. It is done double blind peer reviewed. Your article is published in the month of July Year 2021.*

Laxmi Book Publication
258/34, Raviwar Peth, Solapur-413005 Maharashtra India
Contact Detail: +91-0217-2372010 / 9595-359-435
e-Mail: ayisrj2011@gmail.com
Website: www.lbp.world

Authorised Signature

H.N. Jagtap
Editor-in-Chief

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Ram Lal Sharma

Certificate of Publication

International Recognition Multidisciplinary Research Journal

ISSN 2249-894X

Impact Factor : 5.7631(UIF)

Review of Research

This is to certify that our review board accepted research paper of

Dr./Shri./Smt.: डॉ. रामलाल शर्मा *Topic:-* विश्वगुरु के रूप में भारत और नई सदी ।

College: असोसिएट प्रोफेसर, अर्थ[illegible]भाग, CEO गवर्मेन्ट कालेज संजोली, शिमला.

The research paper is original & innovative. it is Done Double Blind Peer Reviewed. Your article is published in the month of July 2021

Laxmi Book Publication

258/34, Raviwar Peth, Solapur-413005 Maharashtra India
Contact Detail: +91-0217-2372010 / 9595-359-435
E-mail: ayisrj2011@gmail.com
Website: www.lbp.world

Authorised Signature

Ashok Yakkaldevi
Editor-in-Chief

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal, COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Ram Lal Sharma

veethika.2021.07.01.002

VEETHIKA- An International
Interdisciplinary Research Journal
E-ISSN: 2454-342x
Double Blind Peer Reviewed Journal
URL: http://veethika.qtanalytics.in

Research Article

Impact of Lockdown and Challenges of Covid-19 on the Indian Economy

R. L. Sharma

Department of Economics, Government College, Shimla (H. P.)
Email: rlsharma2008@rediffmail.com

ABSTRACT

In recent years Indian economy was passing through the recession and economic slowdown now the corona virus has impacted the economy massively through the lockdown. The nationwide lockdown called in the wake of COVID-19 pandemic had taken a serious toll on the fiscal positions of the central and state government. The corona virus is spreading quickly around the globe. India is now facing its greatest crisis since its independence. In the wake of global slowdown growth of the Indian economy, the fiscal situation in the financial year is supposed to remain subdued and challenging. Indian government took the lesson from the developed countries like USA, UK and Germany and on the basis of the experiences of China and Korea to tackle this pandemic took the path of lockdown the country to save from community spread. The World Health Organization (WHO) has already declared it as world pandemic. More than 100 years later, we are witnessing the spectacle of a virus. after Spanish flew forcing nations to shut down for weeks at a time. That is why economists across the world believe that the global economy is in for its biggest recession in nearly two decades. Due to this lockdown almost every sector of the economy has been affected. The countrywide lockdown put the Indian economy into troubled waters. We have many challenges in this corona pandemic before the economy, these are revival of economy, rebuilding of confidence among the migratory labour, employment generation and control of pandemic.

KEY WORDS

Lockdown, covid-19, pandemic, gross value added, migrant labour, workforce, non-performing asset, trickledown effect, (MPLADS), MSMEs MGNREGA, fiscal deficit, GDP, unemployment

Introduction

In recent years Indian economy was passing through the recession and economic slowdown now the corona virus has impacted the economy massively through the lockdown. The corona virus is spreading quickly around the globe. India is now facing its greatest crisis since its independence. The Prime Minister of India announced complete lockdown for 21-days and subsequently 19 days lockdown to enforce self-distancing to prevent the spread of COVID-19 and flatten its growth curve. There is no remedy of this virus except the social distancing. Many developed countries including USA, UK, Spain, France and many more countries have lost thousands of their citizens after its outbreak in China. These countries took it lightly in the beginning and it lead to community spread in these countries. These countries failed to tackle it at the initial stage through social distancing, since there is no vaccination and treatment of the pandemic except social distancing. Indian government took the lesson from these countries and on the basis of the experiences of China and Korea to tackle this pandemic took the path of lockdown the country to save from community spread. The World Health Organization (WHO) has already declared it as world pandemic. It is natural that in the process, the economy is on complete bed rest. Governments, businesses and families respond to the pandemic in unprecedented ways, massively and necessarily disrupting the economy in the process. Karl Marx once wrote that a nation which ceased to work not say for a year, but even for a few weeks, would perish. The Prime Minister sh. Narinder Modi in his national address showed his concern about this lockdown. He categorically stated that this can give big jolt to our economy, if we would not follow the strict instructions of lockdown and we may go behind 21 years back. More than 100 years later, we are witnessing the spectacle of a virus, after Spanish flew forcing nations to shut down

Sharma, R. L. (2021). Impact of lockdown and Challenges of Covid-19on the Indian Economy. *Veethika-An International Interdisciplinary Research journal*, 7(1), 8-12. https://doi.org/10.48001/veethika.2021.07.01.002

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr Aditya Dulta

Infogain Publications

International Journal of English Literature and Social Sciences

E-ISSN: 2456-7620

www.ijels.com | DOI: 10.22161/ijels

Certificate of Publication

The editor-in-chief of *International Journal of English Literature and Social Sciences* is awarding this certificate of publication to ***Aditya Singh Dulta*** in recognition of his/her paper entitled below which was published in ***International Journal of English Literature and Social Sciences (IJELS)(ISSN: 2456-7620):*** **Vol-7, Issue-2, Pg.: 325-329, March 2022.** This Journal is a refereed, double-blind and peer-reviewed research journal published bi-monthly by *Infogain Publications*.

Paper Title: ***"Breaking the Fetters and Taking Charge: A Reading of an Aboriginal Woman's Memoir"***

Author(s): ***Aditya Singh Dulta***

DOI: 10.22161/ijels.72.46

Date of Certificate Generation: 01-May-2022

Editor-In-Chief

International Journal of English Literature and Social Sciences (IJELS)
www.ijels.com
editor@ijels.com,infogain.ijels@gmail.com

International Journal of English Literature and Social Sciences(IJELS)
www.ijels.com ; editor@ijels.com

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr Aditya Dulta

Professor Neelima Kanwar
Director
Tel: (O) 0177-2830831
(R) 0177-2801111
Email:
Directorcanz.hpu@gmail.com

HIMACHAL PRADESH UNIVERSITY
(NAAC Accredited "A" Grade University)

Summer Hill, Shimla-171005, India
Centre for Australian & New Zealand Studies

Ref.: HPU/CANZ/IJAS-2019 **Dated:** 12.08.2021

TO WHOM IT MAY CONCERN

This is to certify that the paper titled "Critiquing Cultural Constructs & Articulating the Self: A Reading of a Mother-daughter duo's Memoir" by Aditya Singh Dulta, Assistant Professor in the Department of English at Centre of Excellence, Govt College Sanjauli, Shimla, has been published in the 2019 issue of *HPU Indian Journal of Australian Studies*, Volume 10, which is a Peer-Reviewed and Interdisciplinary Journal with ISSN No. 2229-7863. It is further certified that the journal has been published in July 2021.

Professor Neelima Kanwar
Director
Centre for Australian and New Zealand Studies
Himachal Pradesh University, Shimla &
Editor
HPU Indian Journal of Australian Studies

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Rajesh Dhorta

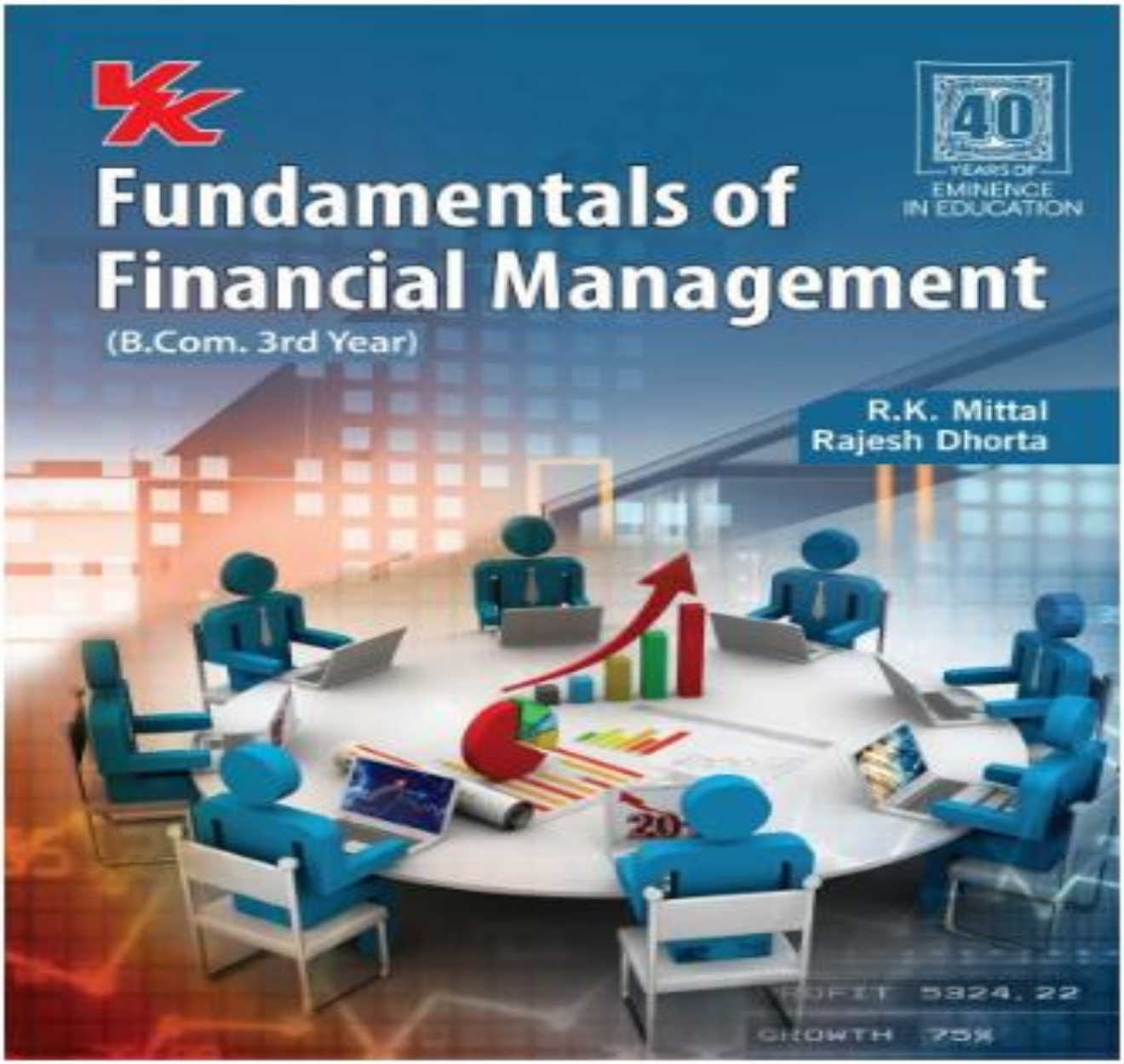

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Save Extra with 3 offers

No Cost EMI: Avail No Cost EMI on select cards for orders above ₹3000 | Details

Bank Offer: 5% Instant Discount up to INR 250 on HSBC Cashback Card Credit Card Transactions. Minimum purchase value INR 1000 | Details

See 1 more

10 days Replacement | Amazon Delivered | Secure transaction

Reading books is a kind of enjoyment. Reading books is a good habit. We bring you a different kinds of books. You can carry this book where ever you want. It is easy to carry. It can be an ideal gift to yourself and to your loved ones. Care instruction keep away from fire.

ISBN-10	ISBN-13	Edition	Publisher
9387958302	978-9387958302	2020th	VK Global Publications Pvt Ltd

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Rajesh Dhorta

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Bank Offer: 5% Instant Discount up to INR 250 on HSBC Cashback Card Credit Card Transactions. Minimum purchase value INR 1000 | Details

See 1 more

10 days Replacement | Amazon Delivered | Secure transaction

Reading books is a kind of enjoyment. Reading books is a good habit. We bring you a different kinds of books. You can carry this book where ever you want. It is easy to carry. It can be an ideal gift to yourself and to your loved ones. Care instruction keep away from fire.

ISBN-10	ISBN-13	Edition	Publisher
9387958582	978-9387958586	2020th	VK Global Publications Pvt Ltd

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

VEETHIKA - वीथिका Vol.6, No 3, Jul-Sep, 2020

अटल बिहारी वाजपेयी जी के आर्थिक दृष्टिकोण

डॉ आर एल शर्मा

एसोसिएट प्रोफेसर अर्थशास्त्र, सीओई गवर्नमेंट कॉलेज, शिमला

अटल जी का आर्थिक चिन्तन एवम् दृष्टिकोण गव्यात्मक एवम् समकालीन सार्थक होता था। विपक्ष मे रहते हुए उन्होने सरकार की आर्थिक नीतियो का विश्लेषण समय की कसौटी पर बखूबी किया। हर एक विषय को उन्होने सदन मे तथा सदन के बाहर बहुत बेबाकी के साथ रखा। कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक बिन्दूओ पर सदन मे रखे विश्लेषण उनकी आर्थिक दृष्टि को स्पष्ट करते है।

कृषि :– भारत एक कृषि प्रधान देश है और कृषि को सही दिशा देने के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता भूमि सुधार की है। देश को अनाज की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनना हमारी सबसे पहली आवश्यकता है। भूमि सुधार मे सबसे महत्वपूर्ण कदम जमीदारी उन्मूलनए जोत की अधिकतम सीमा का निर्धारण एवम् भूमि का नालिकाना हक कृषक को देना होगा। भूमि सुधार केवल मात्र कानून बनाने से क्रियान्वित नही होगें। उन पर प्रभावी आचरण बहुत आवश्यक है। विपक्ष मे रहते उन्होने इस विषय को सदन मे प्रमुखता एवम् प्रभावी ढग से उठाया और इस पर सटीक चर्चा की। उनका मानना था यदि भूमि सुधार लागू करने की ईमानदारी से इच्छा नही की गई तो कोई कानून सरकार की ठीक मंशा होने के बाद भी उद्देश्य को पूरा नही कर सकेगा। भूमि सुधारो की अधिक चर्चा करने से बुराई उत्पन्न होती है, किसान के मन मे एक अनिश्चितता जाग जाती है। उन्होने भारत मे कृषि उत्पादकता मे कमी को भूमि सुधारों की अनिश्चितता एवम चर्चा को एक महत्वपूर्ण कारण बताया है। भूमि सुधार मे दूसरा महत्वपूर्ण विषय है कि भूमिहीनो को भूमि मिले। अधिकाश हरिजन एवम् वनवासीयो के लिए भूमि परमावश्यक है जिससे एक स्वस्थ वर्ग हीन समाज का निर्माण किया जा सके। इसके लिए इन्हें केवल भूमि देने से काम नही होगा बल्कि उन्होने खेती के लिए भूमि के साथ–साथ औजार एवम् अन्य आदानो को उपलब्ध करवाने के लिए कर्ज भी देना होगा। वाजपेयी जी का मानना था कि भूमिहीनो को भूमि देकर सहकारी समिति बना कर खेती करने के साधन उपलब्ध करवा कर मिलजुल कर खेती करने के पक्षधर भी थे। अगर कोई व्यक्तिगत रूप से खेती करना चाहता है, तो वह खेती कर सकता है, लेकिन केवल जमीन देने से समस्या हल नही होगी। भूमि पर अधिक चर्चा करके हमने भूमि की भूख जगा दी है, मगर इस भूख को संतुष्ट करने के लिए हमारे पास पर्याप्त भूमि नही है। भूमि की माग उसकी पूर्ति से बहुत अधिक है इसके समाधान के लिए हमे भूमि की माग को कम कर भूमि से हटाकर लोगो को उद्योगो की ओर प्रेरित करना चाहिए। इस समस्या को वह जापान के साथ जोडकर देखते थे और जापान का उदाहरण देकर नई व्यवस्था के पक्षधार थे। वह हर खेत को कारखाने के साथ जोडना चाहते थे।

खाद्य संकट :– खाद्य स्थिति के सम्बन्ध मे समय–समय पर सरकार की प्रकाशित समीक्षा पर संसद के अन्दर और बाहर अपने विचार से समस्या को न केवल उजागर किया बल्कि समाधान का भी प्रयास किया।

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Gian Chand

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

नाम : डॉ. ज्ञान चन्द

जन्म : जमोगा, त. ठियोग, जिला शिमला (हि.प्र.)

शिक्षा : एम.ए. संगीत (स्वर्ण पदक प्राप्त), पी.एच.डी. नैट, स्लैट, यू.जी.सी., जे.आर.एफ.।

विशेष : सितार वादन की अनेकों प्रस्तुतियां, अनेकों गीत एवं संगीत रचनाएं, अनेक लोक [illegible] में गीत रचनाएं व संगीत निर्देशन।

प्रकाशन : पुस्तकों, शोध पत्रों एवं लेखों का निरंतर प्रकाशन

प्रमुख पुस्तकें : स्वर भारती, संगीत लहर, ज्ञानांजली, हिन्दुस्तानी संगीत में कैशिक संगीत कलादर्श, संगीत विचयन, संगीत प्रवाह-1, संगीत प्रवाह-2, कला वाहिनी, राग संचयिता, संगीत प्रबोधिका, संगीत निधि, नाद कंचन, संगीत सागरिका, संगीत आरंजन, स्वरंजन, मधुनाद

सम्प्रति : राजकीय महाविद्यालय संजौली, जिला शिमला (हि.प्र.) में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत।

वर्ष २०१३ से भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित/ प्रायोजित RUSA मासिक प्रणाली (Semester System) को हि. प्र. विश्वविद्यालय से सम्बंधित सभी महाविद्यालयों में पूर्णरूपेण संचालित किया गया जो काफी हद तक एक सफल निर्णय रहा लेकिन कुछ भौगोलिक व तकनिकी आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा सत्र २०१८-१९ से स्नातक स्तर की परीक्षा प्रणाली को पुनः वार्षिक किया गया। प्रस्तुत पुस्तक में इसी प्रणाली के स्नातक द्वितीय वर्ष के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का समावेश किया गया है। शास्त्रपक्ष के अतिरिक्त क्रियात्मक सम्बन्धी बहुमूल्य जानकारी से विद्यार्थी अवश्य लाभान्वित होंगे ऐसा विश्वास किया जाता है। पुस्तक की भाषा को सरल एवं सारगर्भित रखने का प्रयास किया गया है जिससे विद्यार्थियों को सामग्री ग्रहण करने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

प्रासंगिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
4663/21, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
दूरभाष : +91 9868380244
E-mail: prasangik@gmail.com

ISBN 978-93-81129-31-9

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

अनुक्रमणिका

आमुख viii

पुरोवाक् ix

1. सांगीतिक शब्दावली 1-8
   ख़्याल, मसीतख़ानी गत, रज़ाख़ानी गत, ध्रुपद, तराना, मींड, सूत, मुर्की, कण, खटका, कृंतन, मेलोडी, हारमोनी
2. स्वरलिपि पद्धति 9-16
   स्वरलिपि की आवश्यकता व महत्व, हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति में स्वरांकन का विकासक्रम, उन्नीस का दशक स्वरलिपि का स्वर्णिम, पं. विष्णुदिगम्बर पलुसकर की स्वरलिपि, पं. विष्णुनारायण भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति, पं. विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति और पं. विष्णुदिगम्बर पलुसकर की स्वरलिपि पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन
3. राग - ताल चर्चा 17-20
   राग मारुविहाग परिचय, राग मालकौंस परिचय, राग वृंदावनी सारंग परिचय, चारताल, धमार, रूपक, झपताल
4. शास्त्रीय और सुगम संगीत 21-24
   शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, शास्त्रीय संगीत और सुगम संगीत का विश्लेषण, लोकप्रियता, प्रदर्शन, समन्वय
5. प्राचीन सांगीतिक ग्रंथ 25-28
   नाट्यशास्त्र, संगीत रत्नाकर, बृहदेशी
6. संगीत रत्न 29-32
   पं. विष्णुदिगम्बर पलुस्कर, शार्ङ्गदेव, त्यागराज.
7. राग रचनाएं 33-40
   राग मालकौंस: परिचय व रचनाएं, राग मारू बिहाग: परिचय व रचनाएं, राग वृन्दावनी सारंग: परिचय व रचनाएं

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Gian Chand

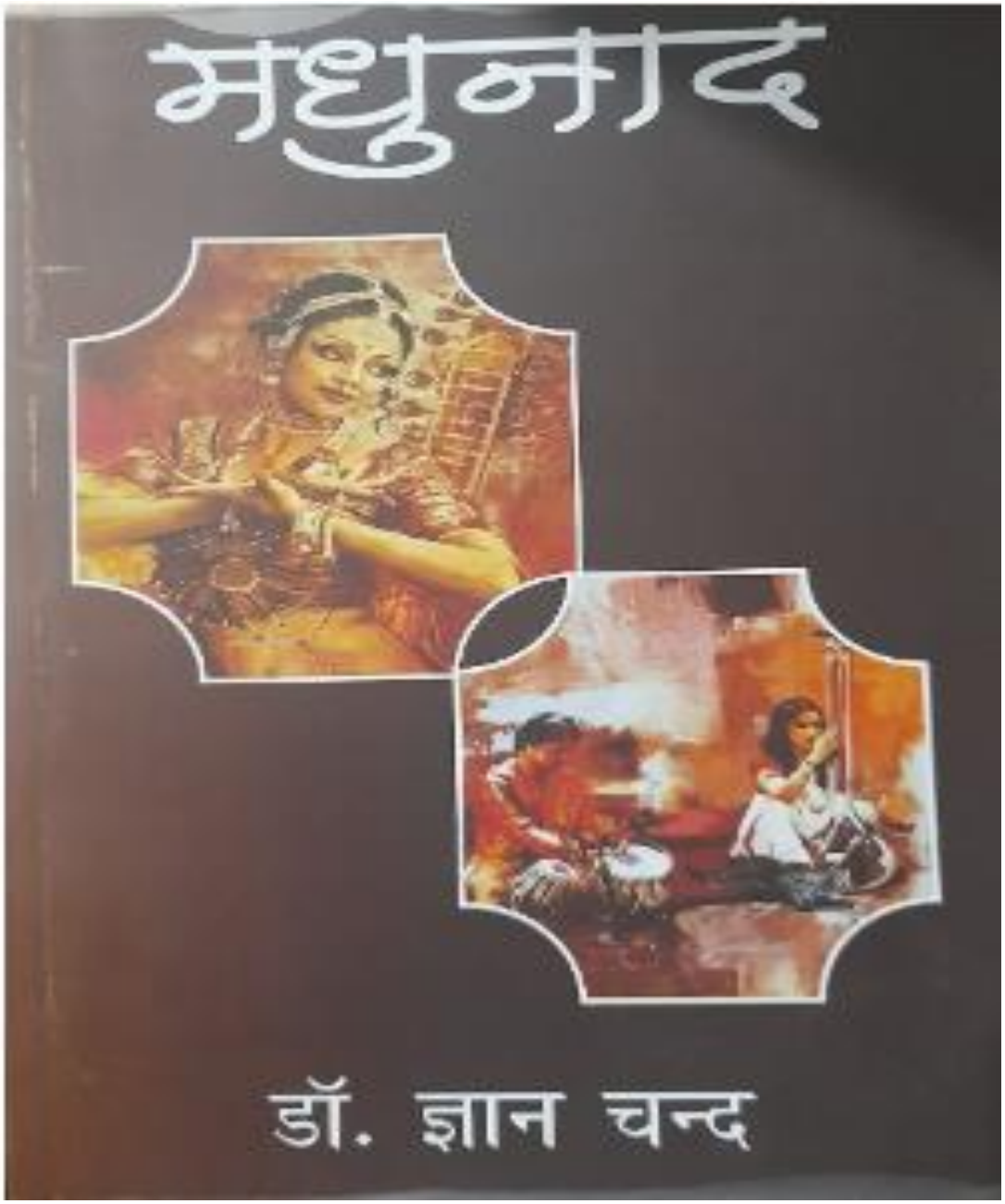

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

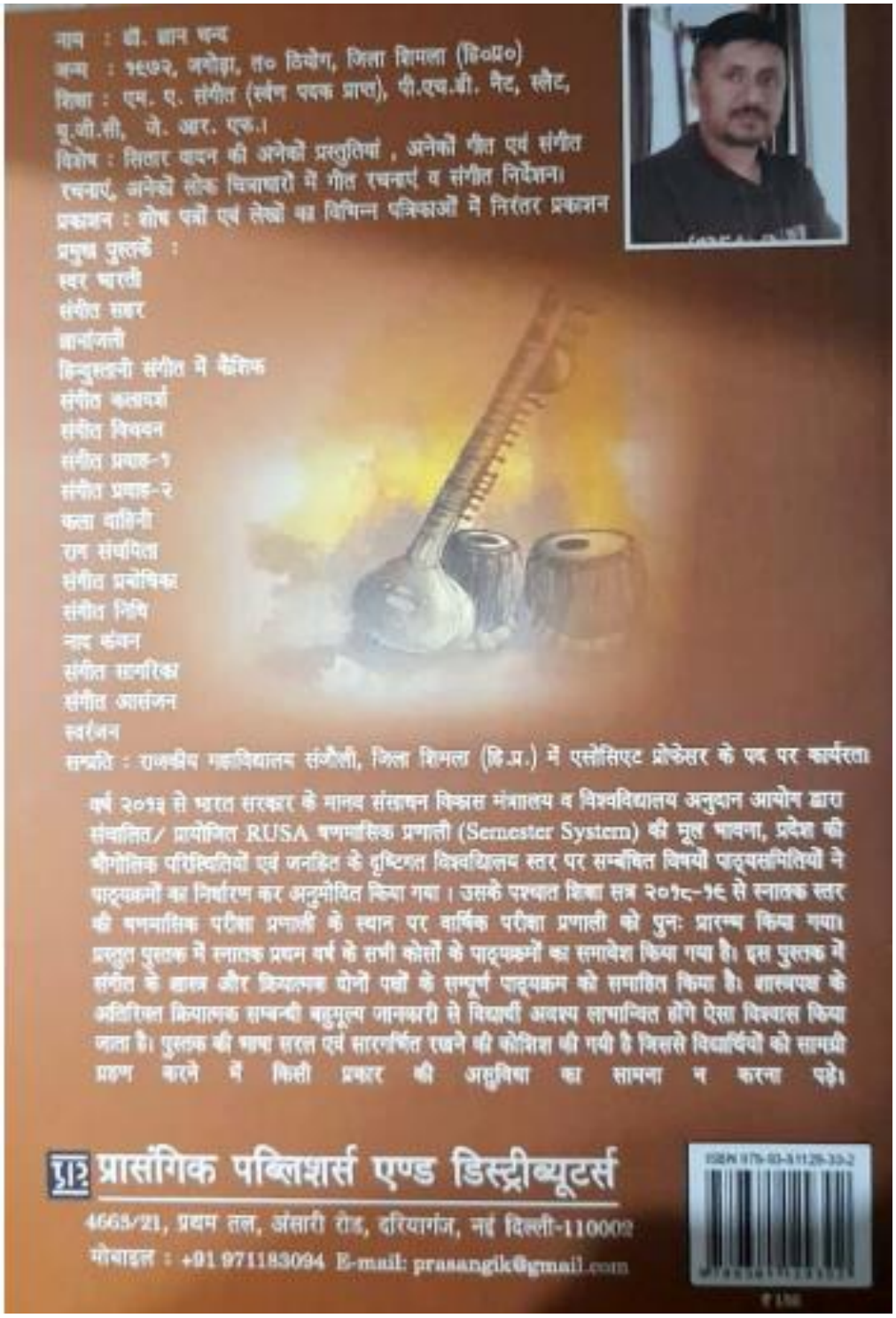

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना 1-12

1. **सांगीतिक शब्दावली:**

संगीत, स्वर शुद्ध या प्राकृत स्वर, चल और अचल स्वर, कोमल विकृत , तीव्र विकृत, सप्तक, लय, कुआड़ी, आड़ी, बिआड़ी, राग, वर्ण, राग की जाति, सम्पूर्ण, षाड़व, औड़व, नाद, तारता, तीव्रता, नाद का गुण, आरोह, अवरोह पकड़।

2. **वाद्य यंत्रों का ज्ञानः** 13-32

तानपूरा, तानपूरे का अंग परक वर्णन, सितार की उत्पति विकास एवं अगंपरक वर्णन, हारमोयिम का इतिहास एवं विकासक्रम, हारमोनियम का अंगपरक वर्णन, तवला, वनावट एवं अंग परक वर्णन।

3. **जीवन वृतांतः** 33-40

तानसेन, उस्ताद शाहिद परवेज़ उस्ताद ज़ाकिर हुसेन, उस्ताद अमीर खां।

4. **राग व ताल ज्ञानः** 41-44

परिचय राग अल्हैया बिलावल, राग काफी, राग भैरव, तालः

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Ravinder Chauhan

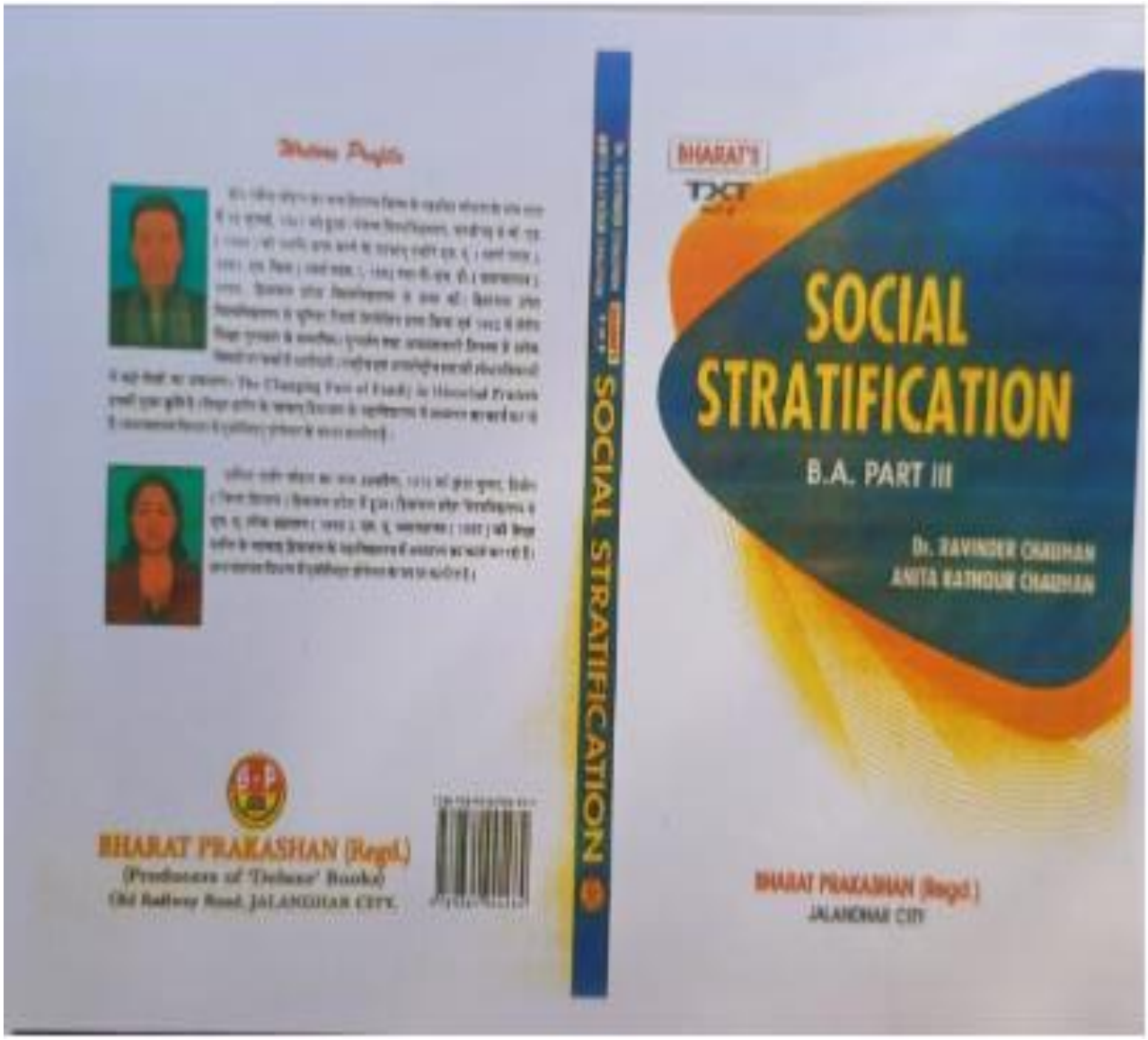

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Ravinder Chauhan

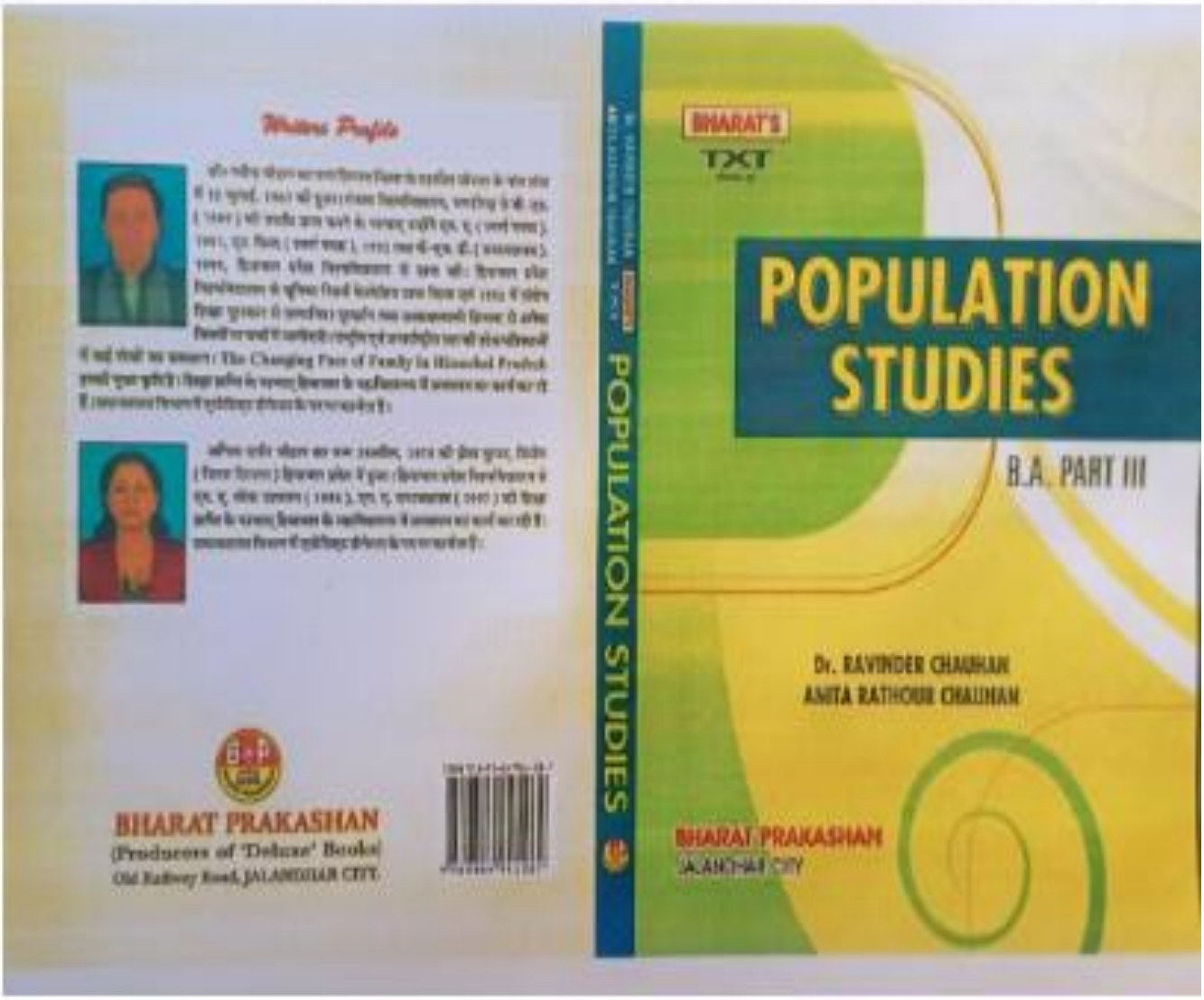

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Ravinder Chauhan

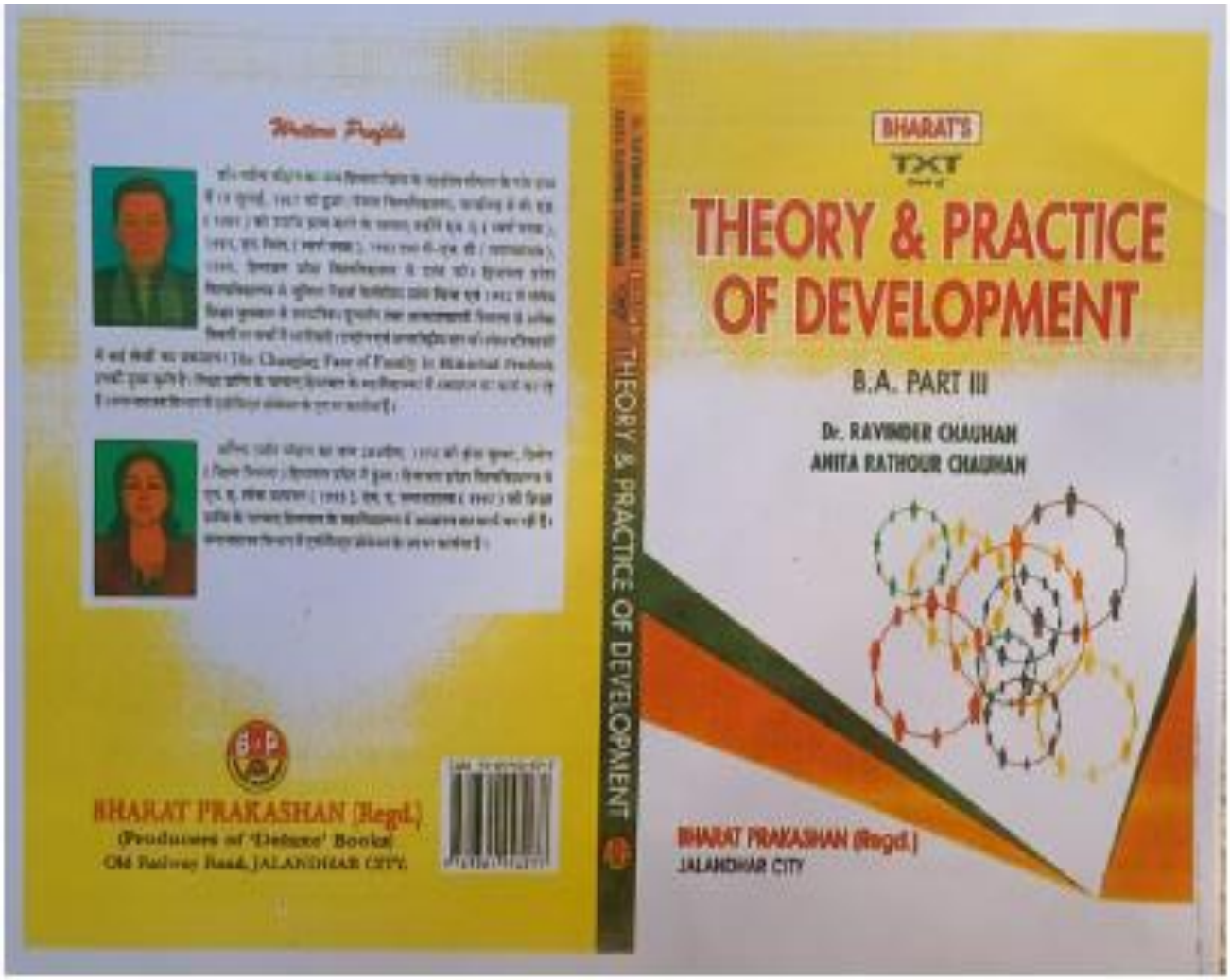

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Kamayani

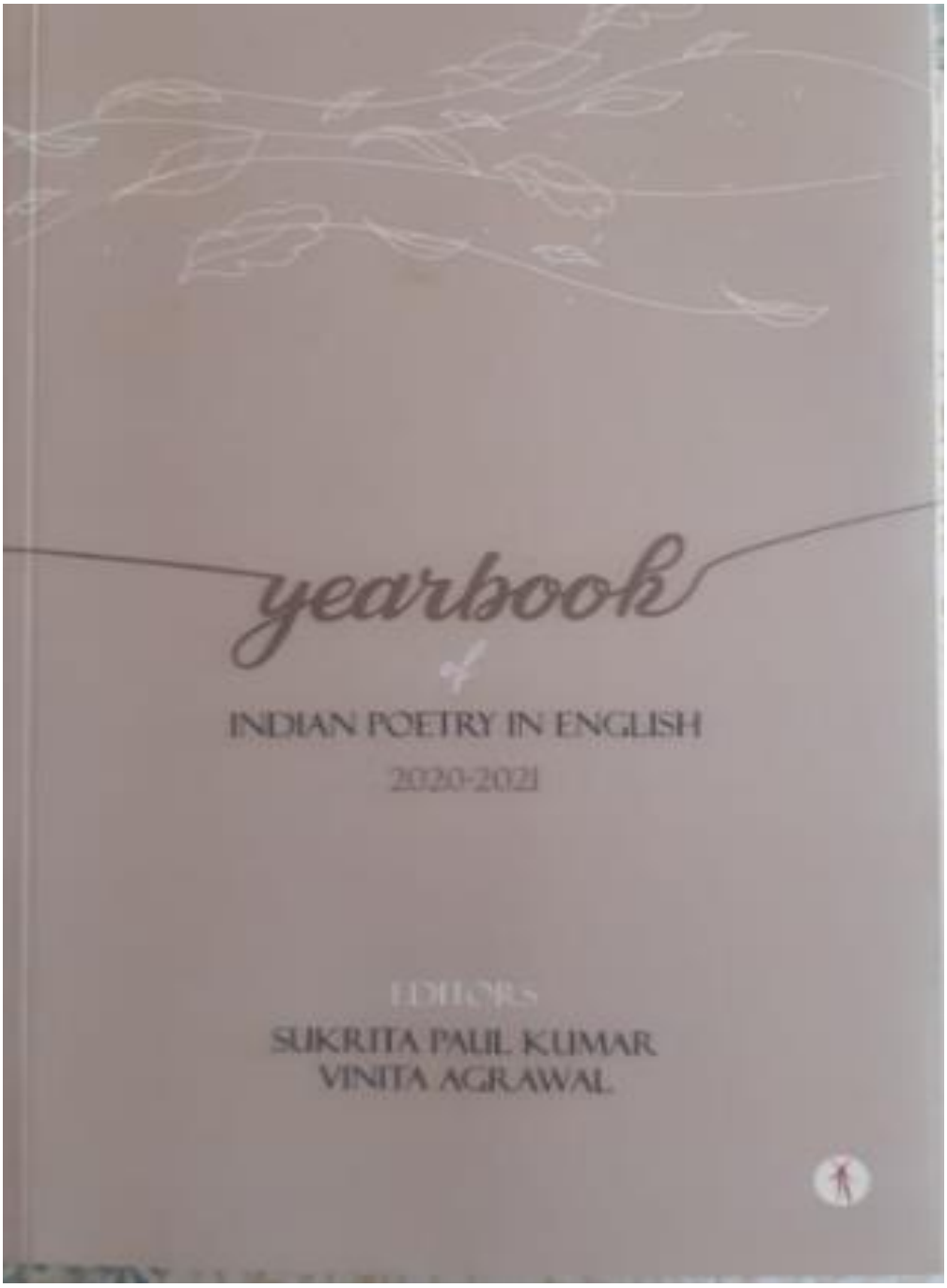

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

The inaugural volume of the *Yearbook* proudly launches the idea of celebrating quality poetry in English published by Indian poets. The collection is bound to create a critical consciousness ngst the readers to observe the ever-evolving aesthetics of poetry in lish by Indian poets. The Yearbook triggers some pertinent :tions to ponder: What are the benchmarks being set? How and why this genre of writing flourished in recent decades? How does one :w the diversity of thematic concerns? How will the critic analyse the tive use of the English language that is different from the English l elsewhere?

The editors, Sukrita Paul Kumar and Vinita Agrawal, have iculously defined the process of selecting poems for this volume with rtain clarity of purpose. What lies between the covers of this volume ıe fruit of that collective effort. While this is essentially an annual ection of remarkable poetry from India — an assortment of about · poems — it is also the ideal way to catch up with the latest poetry of h established and emerging Indian poets writing in English. The king of this *Yearbook of Indian Poetry in English* (2020-21), despite gloom of pandemic times, marks a ray of hope and offers energy for ling and creativity for the future.

WAKAL
blishers

INR 600

Poetry

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Durga Prasad Panda 65
Falling Apart
Gayatri Lakhiani Chawla 67
Hunger
Geetha Ravichandran 68
A Lesson-Corinthians 13
GJV Prasad 69
And Annalakshmi cried
Gopikrishna Kottoor 71
Black Snake
Hemang Desai 73
A poem, pitch-dark | Clockwork
Huzaifa Pandit 79
We Were Two
Inam Hussain Mullick 81
A Libidinous Cat Eats The Night Clouds...
Ishmeet Nagpal 83
Limbo
Jagari Mukherjee 85
Denial
Jayanta Mahapatra 87
The Hour
Jayshree Misra Tripathi 88
The Outsider's Cherub
Jhilam Chattaraj 89
Edible Stain
Jhilmil Breckenridge 91
Kabul Memory, Number 99 |
he Girl In The Pink Raincoat
Jonaki Ray 94
Verdigris
Kamayani Vashisht 95
The Witch Must Die

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

HAWAKAL
New Delhi | Calcutta

HAWAKAL PUBLISHERS
70 B/9 Amritpuri, East of Kailash, New Delhi 65
33/1/2 K B Sarani, Mall Road, Calcutta 80

info@hawakal.com
www.hawakal.com

Cover designed by Bitan Chakraborty

First edition (paperback) June 2021

Copyright (The *Yearbook*) 2021© Editors
Copyright (Poems) 2021 © Respective Poets

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced or transmitted (other than for purposes of review/critique) in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording, or any information storage and retrieval system without prior permission in writing from the publisher and/or editors, where applicable.

ISBN: 978-81-952401-0-4

Price: INR 600 | USD 25.99

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Pooja Dulta

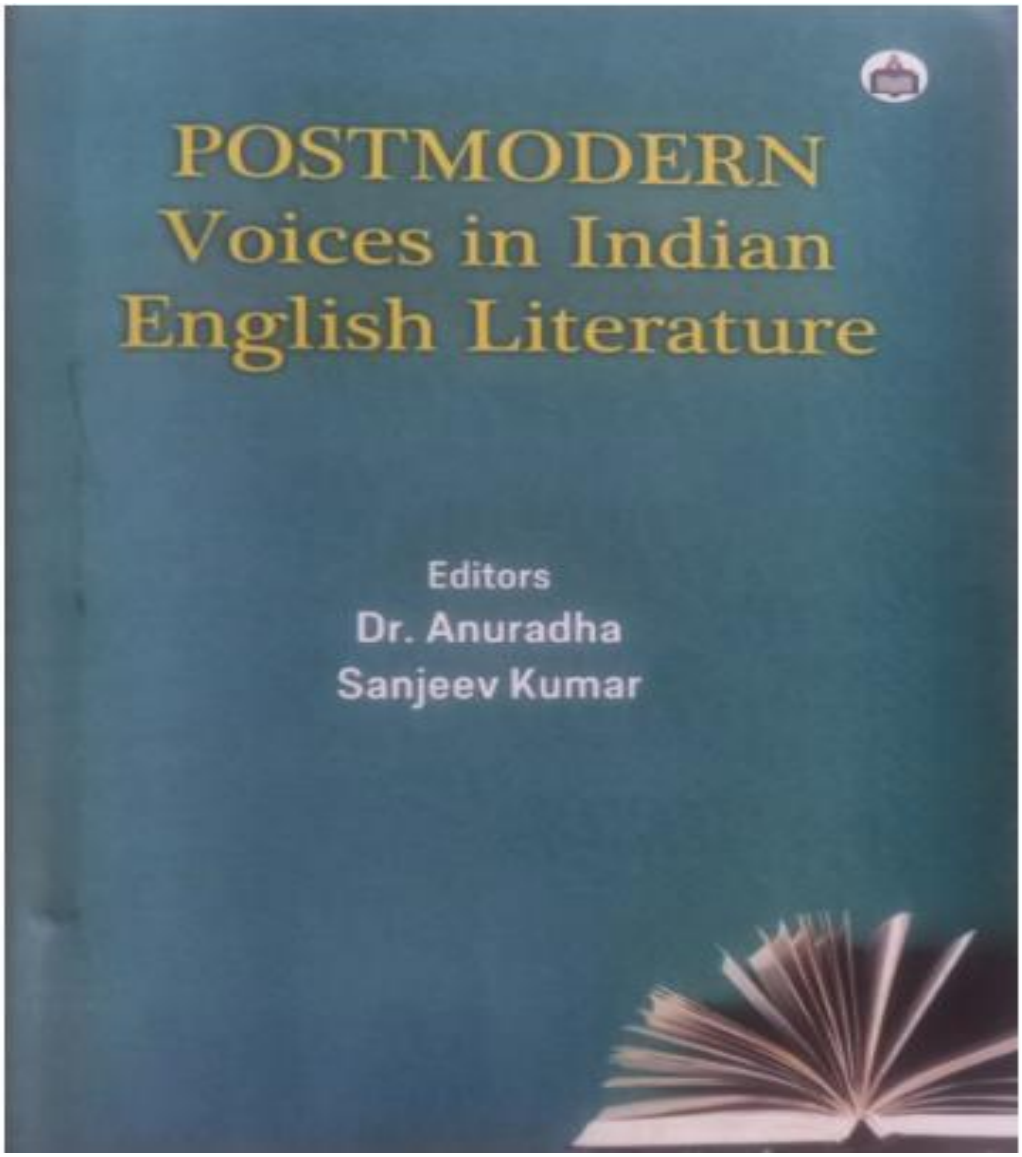

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Contents

	Acknowledgements	7
	Editors' Note	11
	Introduction **Ashok Verma**	21
1.	Demystification of the Grand Narratives of Nationalism and Historiography in Amitav Ghosh's *The Shadow Lines*: A Postmodernist Reading **Shubham** and **Simrat Khurana**	37
2.	Postmodernist Dynamics in the Works of Salman Rushdie **Rashmi Agrawal**	49
3.	Emergence of a New Woman: Polyphony and Dialogism as Narrative Techniques in Anita Nair's *Ladies Coupe* **Thejimol George**	57
4.	Postmodern Feminism as a Rebellion against Patriarchy: An Exploration of Manju Kapur's *Difficult Daughters* and Shobha De's *Socialite Evenings* **Anshuman**	66
5.	Postmodern Women's Consciousness in Shashi Deshpande's *That Long Silence* **Bodavula Syam Sundar Bhagavan**	75
6.	Spiritual Quest as a Tool of Narrative Experimentation in Sujatha Vijayaraghavan's *The Silent One* **Pooja Dulta**	88

Worldwide Circulation through Authorspress Global Network
First Published in 2021
by
Authorspress
Q-2A Hauz Khas Enclave, New Delhi-110 016 (India)
Phone: (0) 9818049852
E-mail: authorspressgroup@gmail.com
Website: www.authorspressbooks.com

Postmodern Voices in Indian English Literature
ISBN 978-93-90588-06-0

Copyright © 2021 Dr. Anuradha & Sanjeev Kumar

Concerned authors are solely responsible for their views, opinions, policies, copyright infringement, legal action, penalty or loss of any kind regarding their articles. Neither the publisher nor the editors will be responsible for any penalty or loss of any kind if claimed in future. Contributing authors have no right to demand any royalty amount for their articles.

Printed in India at Thomson Press (India) Limited

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

6

Spiritual Quest as a Tool of Narrative Experimentation in Sujatha Vijayaraghavan's *The Silent One*

Pooja Dulta

Fiction is the expression of one's creative imagination. It may also be viewed as a space imaginatively created by the author via lending it a sense of locale/ setting and also peopling it with life-like characters. Fictional space is seemingly true as it represents reality; nevertheless fiction writers deliberately create legitimate "untruths" as they seek to demonstrate meaningful insights into the human condition. Hence, fiction can be termed as falsehood in the absolute sense but true in the universal sense: "The author of the fiction invites the reader to engage in a kind of make believe" (Currie 385-386).In order to articulate a lived reality/ experience, a fiction writer frequently manipulates facts, changes dates, invents characters and employs dialogue/ interaction to create different worlds to examine the nature of truth. Fiction communicates a writer's ideas in a clear and straightforward manner. According to M. H. Abrams, "Fiction is any literary narrative whether in prose or verse, which is invented" instead of being an account of factual events (94). Fiction may also be viewed as "a literary work whose content is produced by imagination and is not necessarily based on fact" and "something untrue that is intentionally represented as true by the narrator" (*The Free Dictionary*).

As stated, a work of fiction originates in the creative imagination of the author who uses it as the site of unfolding of plot through interaction of characters. It is an outcome of the

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Meenakshi Sharma

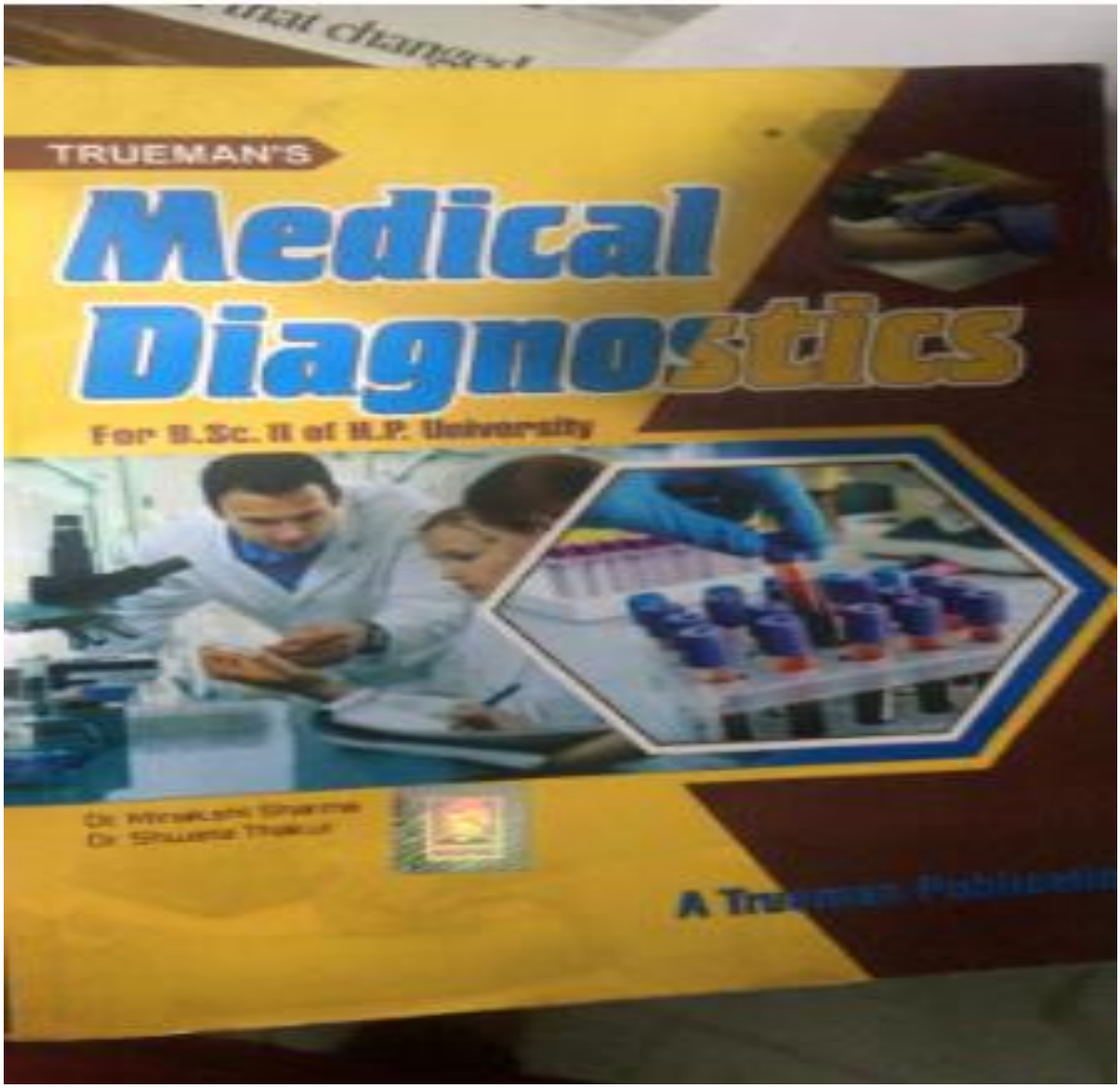

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

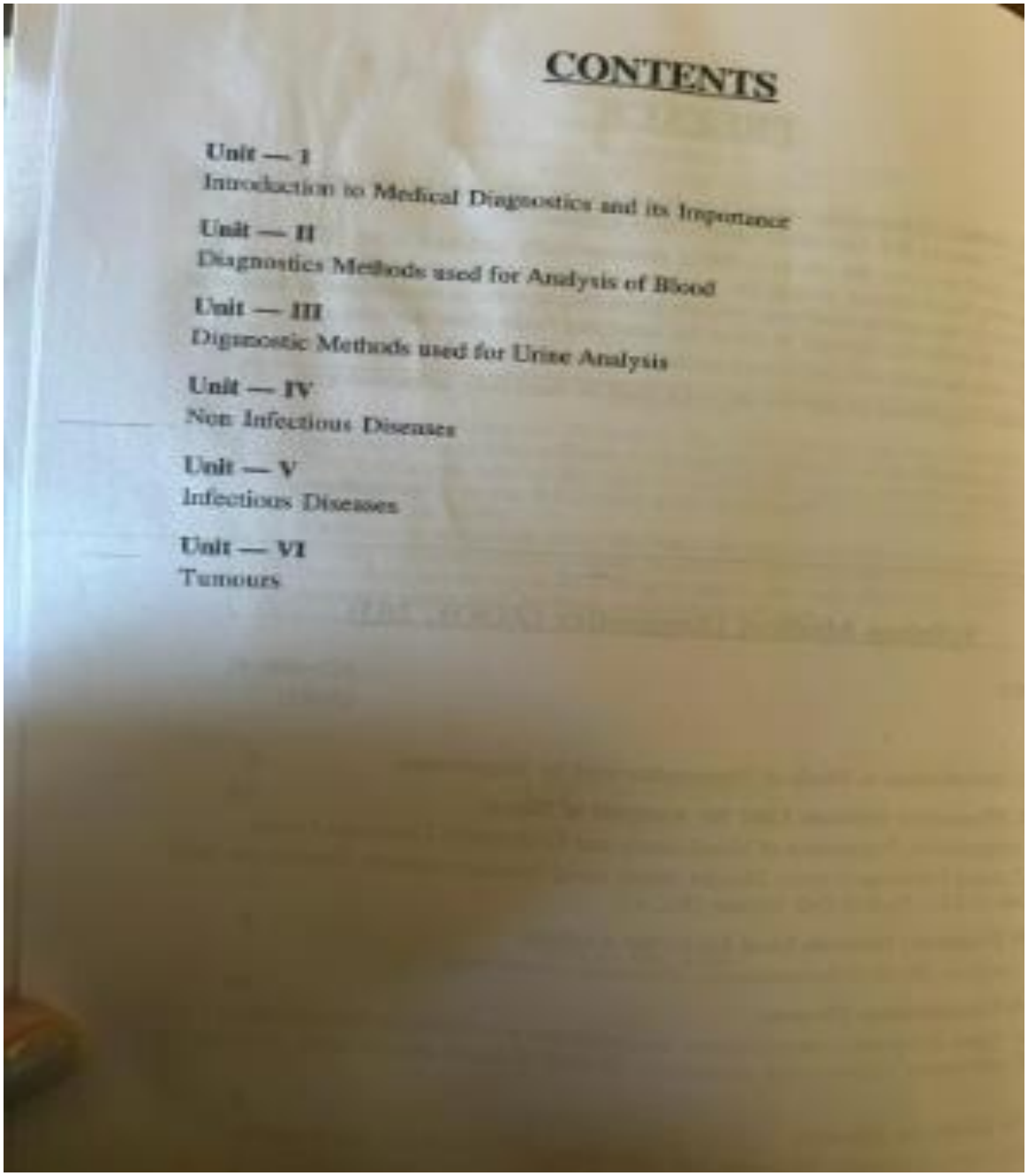

CONTENTS

Unit — I
Introduction to Medical Diagnostics and its Importance

Unit — II
Diagnostics Methods used for Analysis of Blood

Unit — III
Diagnostic Methods used for Urine Analysis

Unit — IV
Non Infectious Diseases

Unit — V
Infectious Diseases

Unit — VI
Tumours

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Meenakshi Sharma

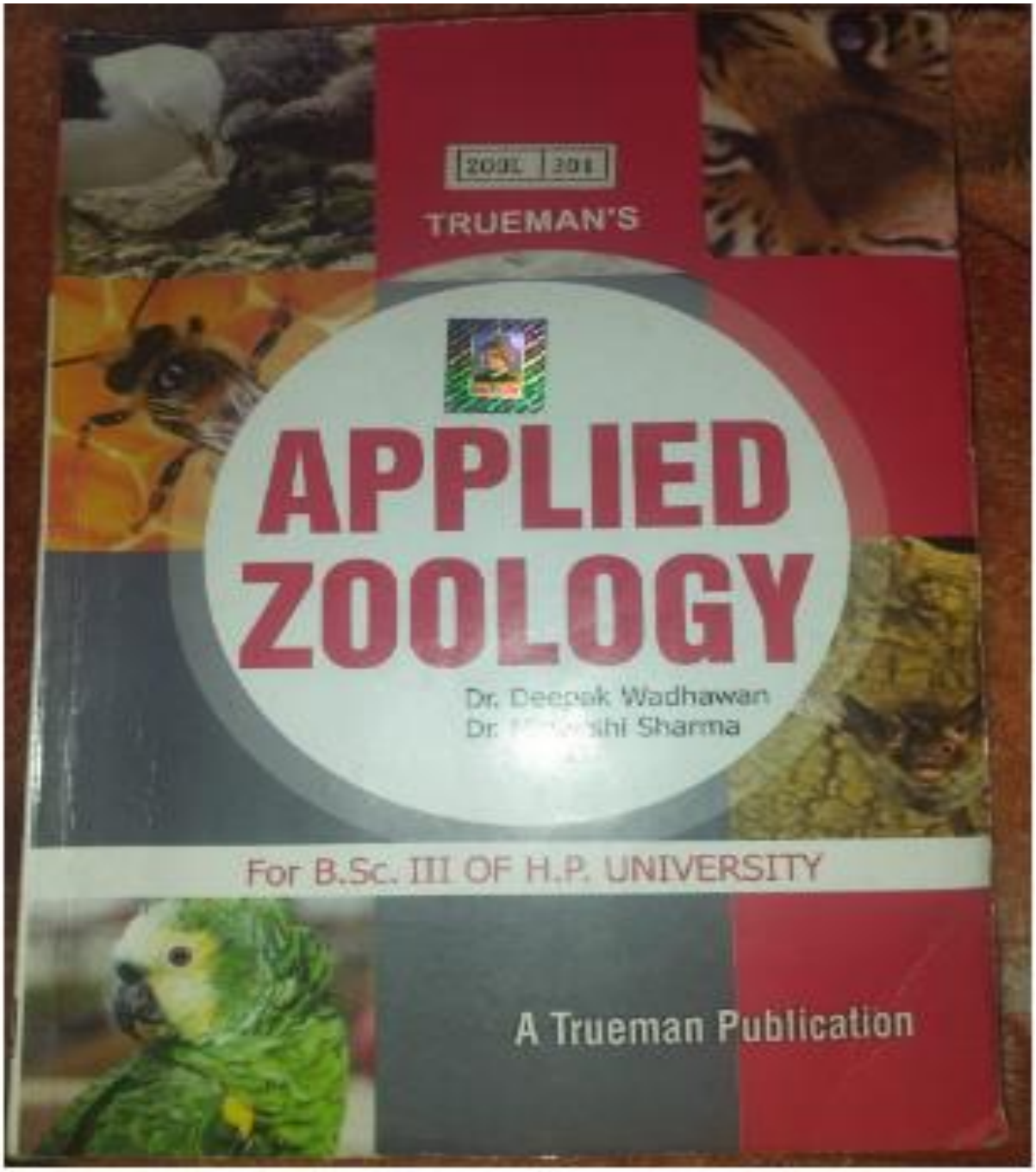

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Contents

Unit -1	Introduction to Host-Parasite Relationship	1—37
Unit -2	Epidemiology of Diseases	38—43
Unit -3	Rickettsiae and Spirochaetes	44—53
Unit- 4	Parasitic Protozoa	54—78
Unit -5	Parasitic Helminthes	79—86
Unit -6	Insects of Economic Importance	87—94
Unit -7	Insects of Medical Importance	95—104
Unit- 8	Animal Husbandry	105—117
Unit -9	Poultry Farming	118—129
Unit -10	Fish Technology	130—142

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Meenakshi Sharma

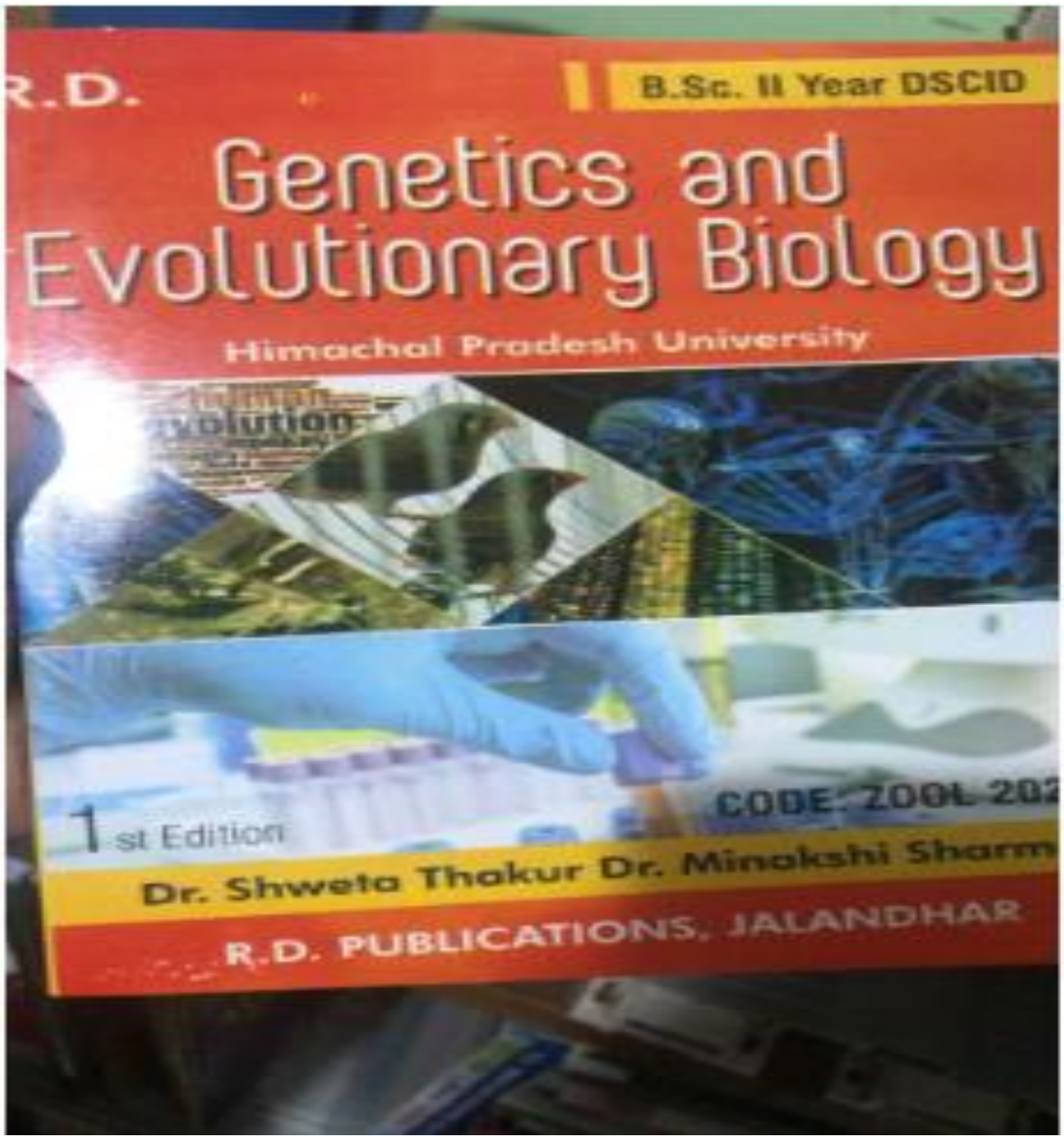

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

CONTENTS

1. Introduction to Genetics 1
2. Mendelian Genetics and Its Extension 19
3. Linkage, Crossing Over and Chromosomal Mapping 5
4. Mutations 80
5. Sex Determination 11
6. History of Life 12
7. Introduction to Evolutionary Theories 14
8. Direct Evidences of Evolution 16
9. Processes of Evolutionary Change 17
10. Species Concept 19
11. Macroevolution 2
12. Extinction 2

Paper 2

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal, COE, Govt. College Sanjauli, Shimla-6

Dr. Inder Thakur

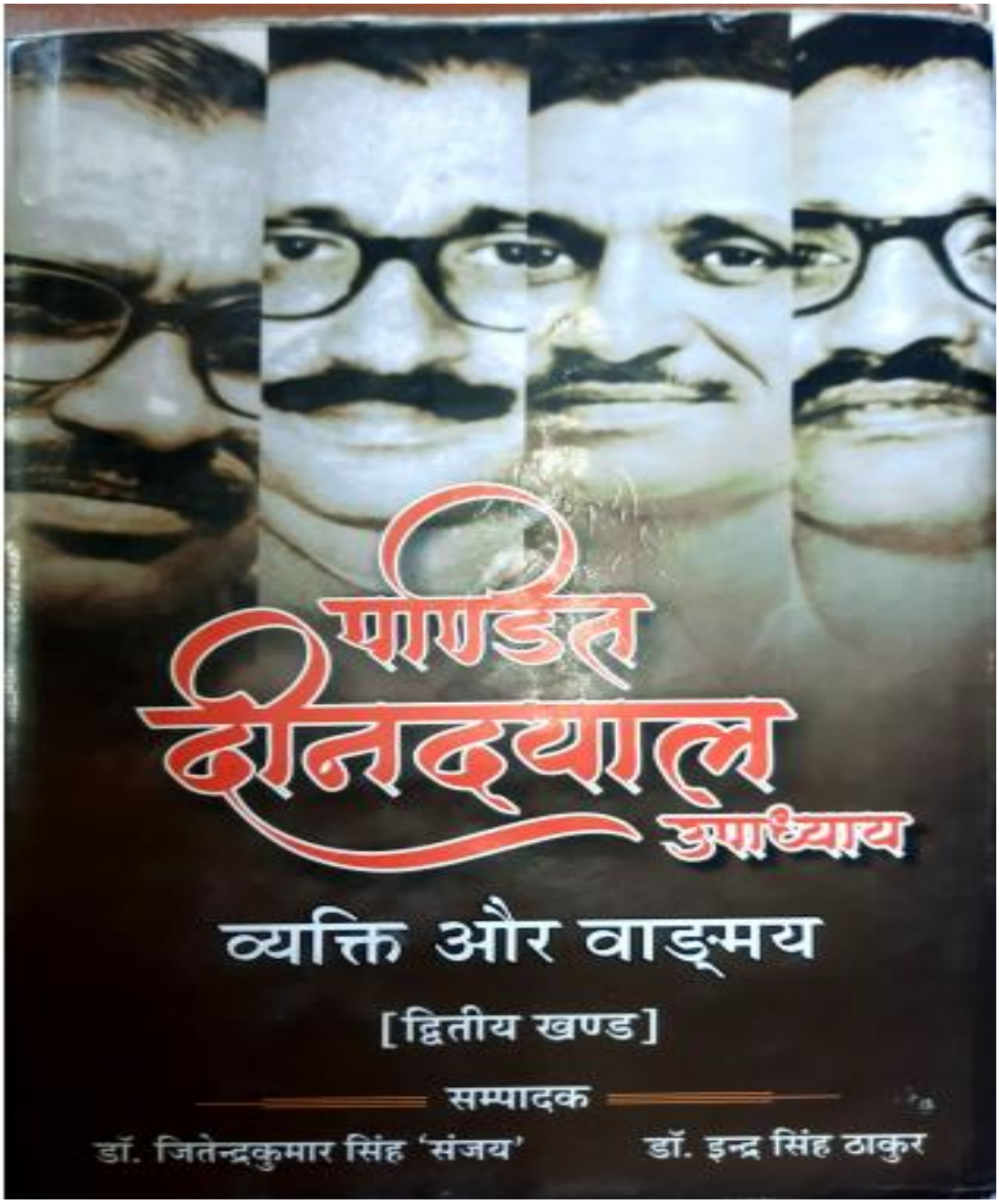

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

दो खण्डों का संयुक्त मूल्य : ₹ 1500.00

दो खण्डों का संयुक्त

ISBN : 978-81-7779-637-7

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय : व्यक्ति और वाङ्मय-2

ISBN : 978-81-7779-636-0

प्रकाशक : साहित्य भंडार

50. चाहचन्द (जीरो रोड), प्रयागराज-211 003

फोन : 9335155792,9415028044

ई-मेल : sahityabhandar50@gmail.com

प्रथम संस्करण : 2019

मूल्य : ₹ 750.00

© : सम्पादक

लेजर टाइपसेटिंग : अमन कम्प्यूटर, बेनीगंज, प्रयागराज

मुद्रक : ग्राफिक क्रियेशन्स प्रा.लि., प्रयागराज

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

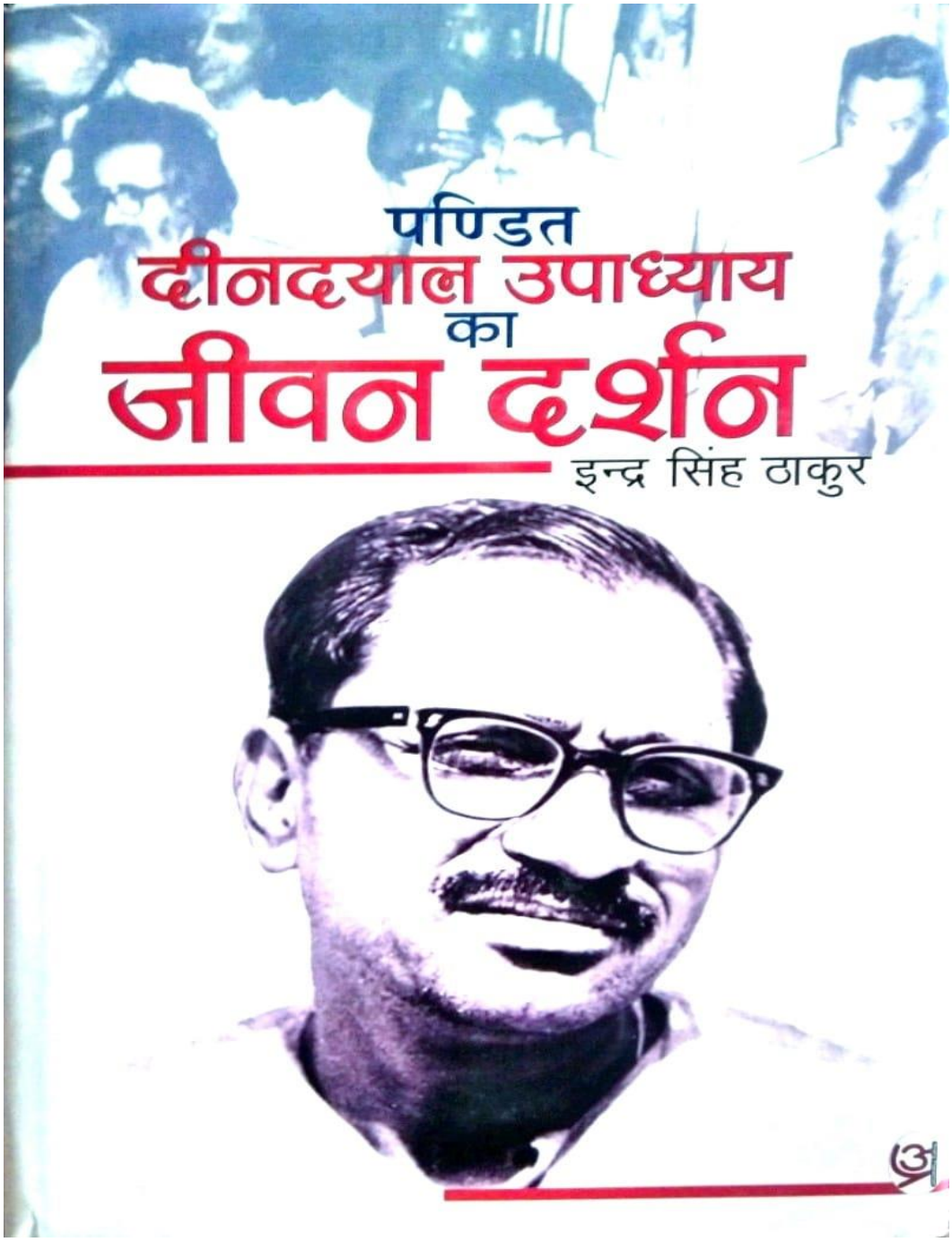

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Inder Thakur

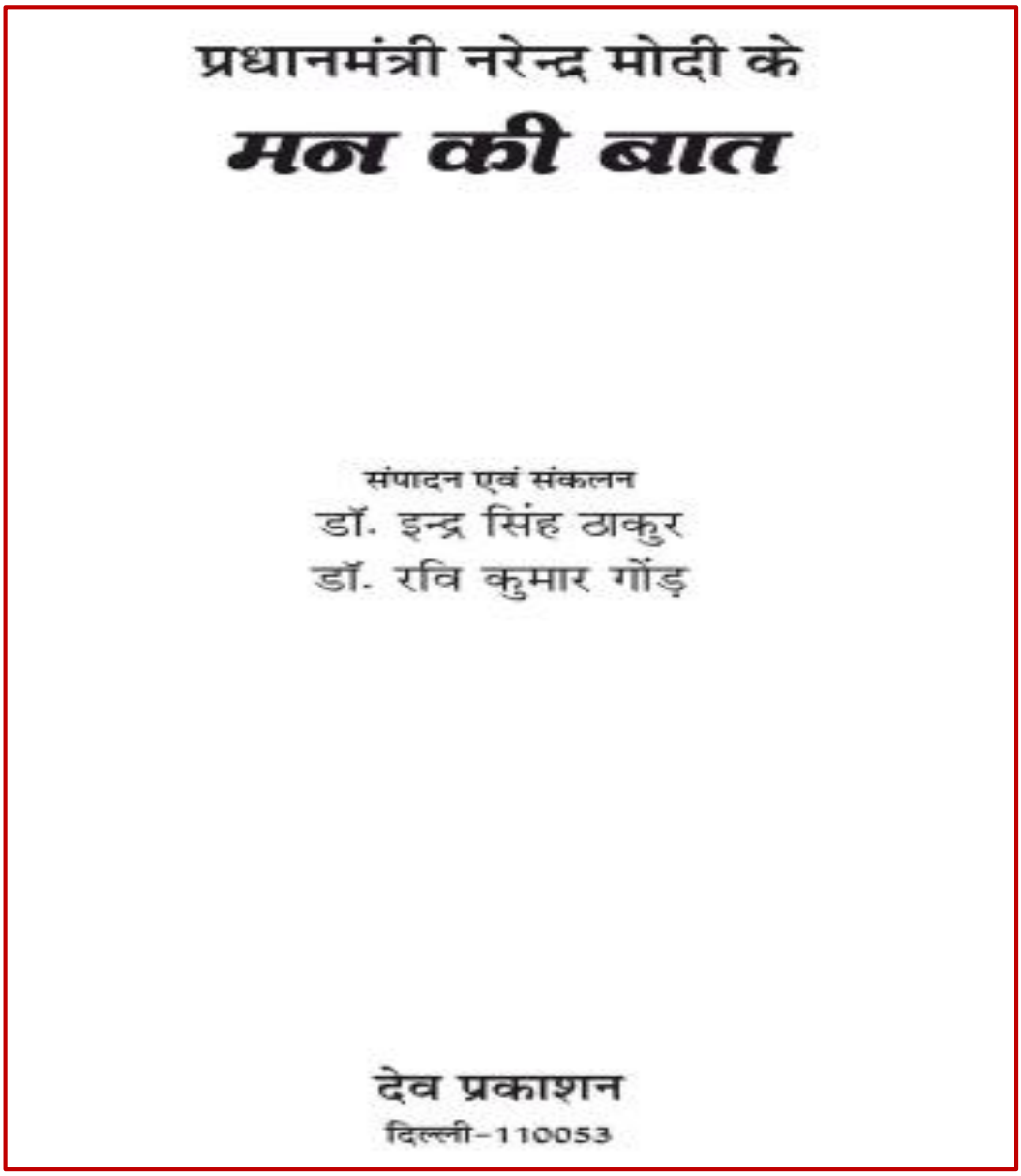

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

ISBN : 978-81-86485-87-3

देव प्रकाशन

फोन नं. 9540176542
सर्वाधिकार : संपादक द्वय
प्रथम संस्करण : 2019

मूल्य : 1595 रुपये

ई-मेल : devprakashan@gmail.com

देव प्रकाशन, बी-202, गली मन्दिर वाली, समीप पीतम धर्मशाला, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-110053, शब्द-संयोजन : एसके इंटरप्राईजेज, दिल्ली- 110053, मुद्रक : राज़ोरिया प्रिन्टर्स, दिल्ली-32 से मुद्रित।

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

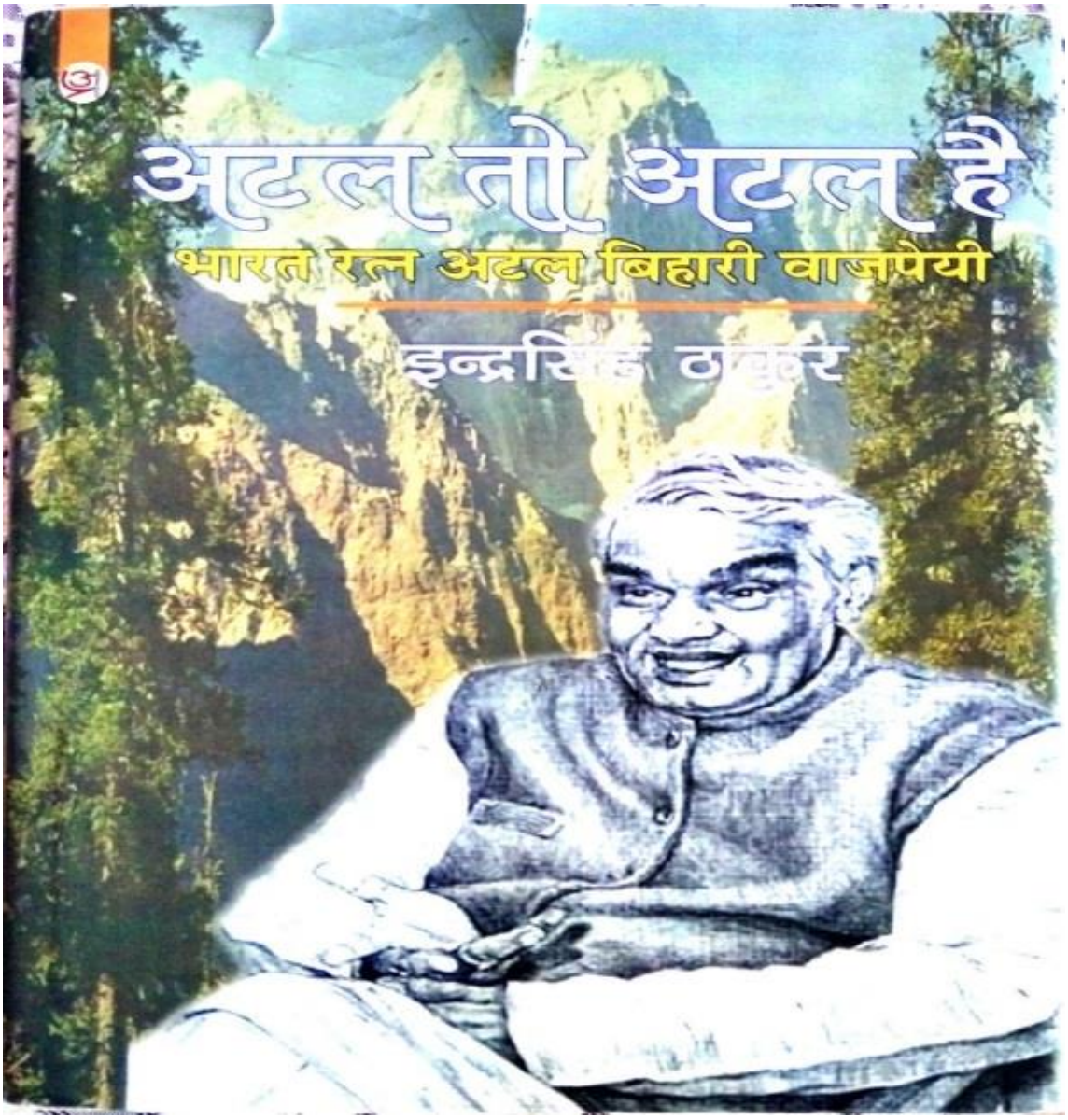

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

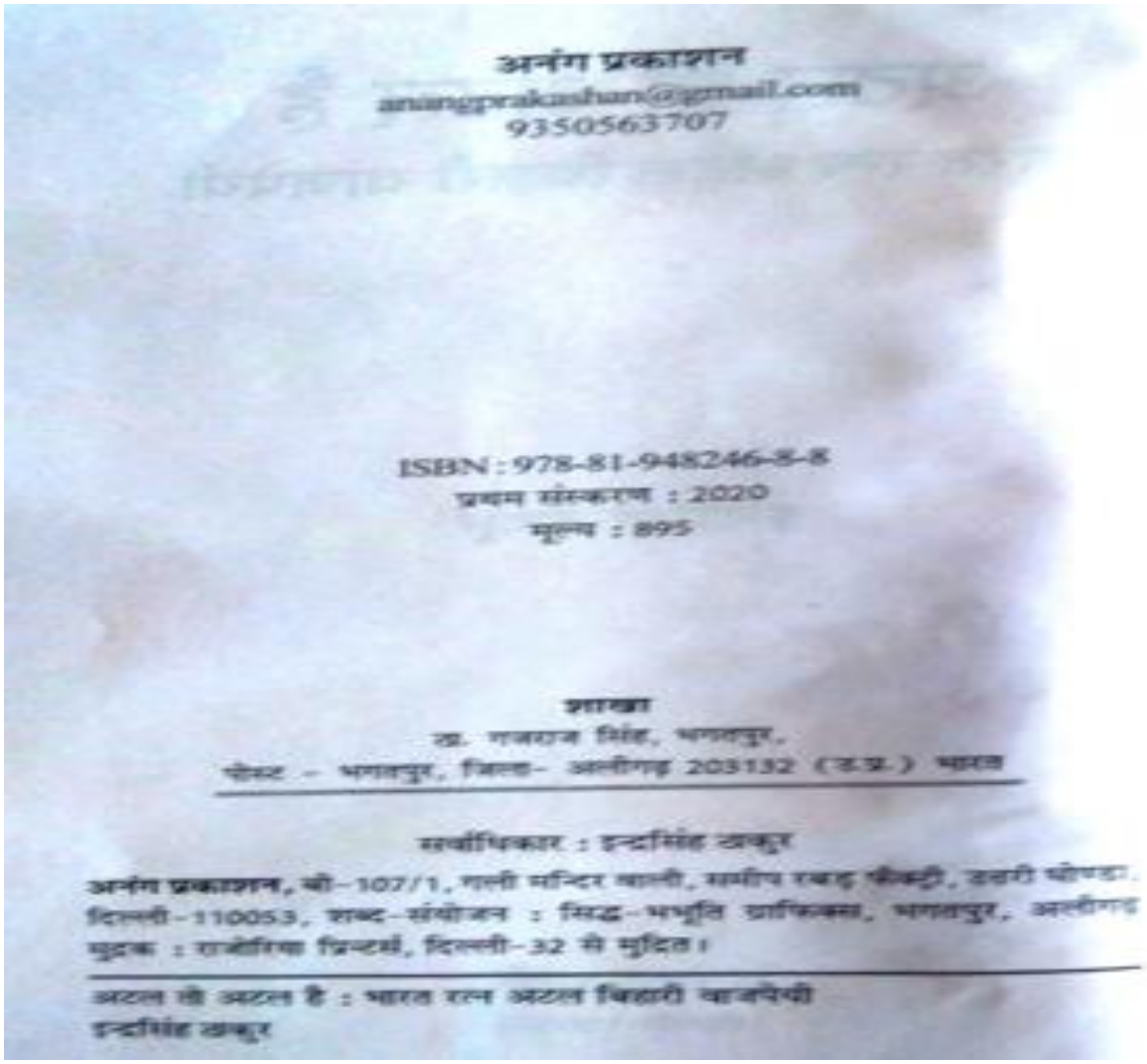

अनंग प्रकाशन
anangprakashan@gmail.com
9350563707

ISBN : 978-81-948246-8-8
प्रथम संस्करण : 2020
मूल्य : 895

शाखा
ग्रा. गजराज सिंह, भगतपुर,
पोस्ट - भगतपुर, जिला- अलीगढ़ 203132 (उ.प्र.) भारत

सर्वाधिकार : इन्द्रसिंह ठाकुर

अनंग प्रकाशन, बी-107/1, गली मन्दिर वाली, समीप रबड़ फैक्ट्री, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली-110053, शब्द-संयोजन : सिद्ध-भभूति ग्राफिक्स, भगतपुर, अलीगढ़ मुद्रक : राजौरिया प्रिन्टर्स, दिल्ली-32 से मुद्रित।

अटल थे अटल है : भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी
इन्द्रसिंह ठाकुर

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Inder Thakur

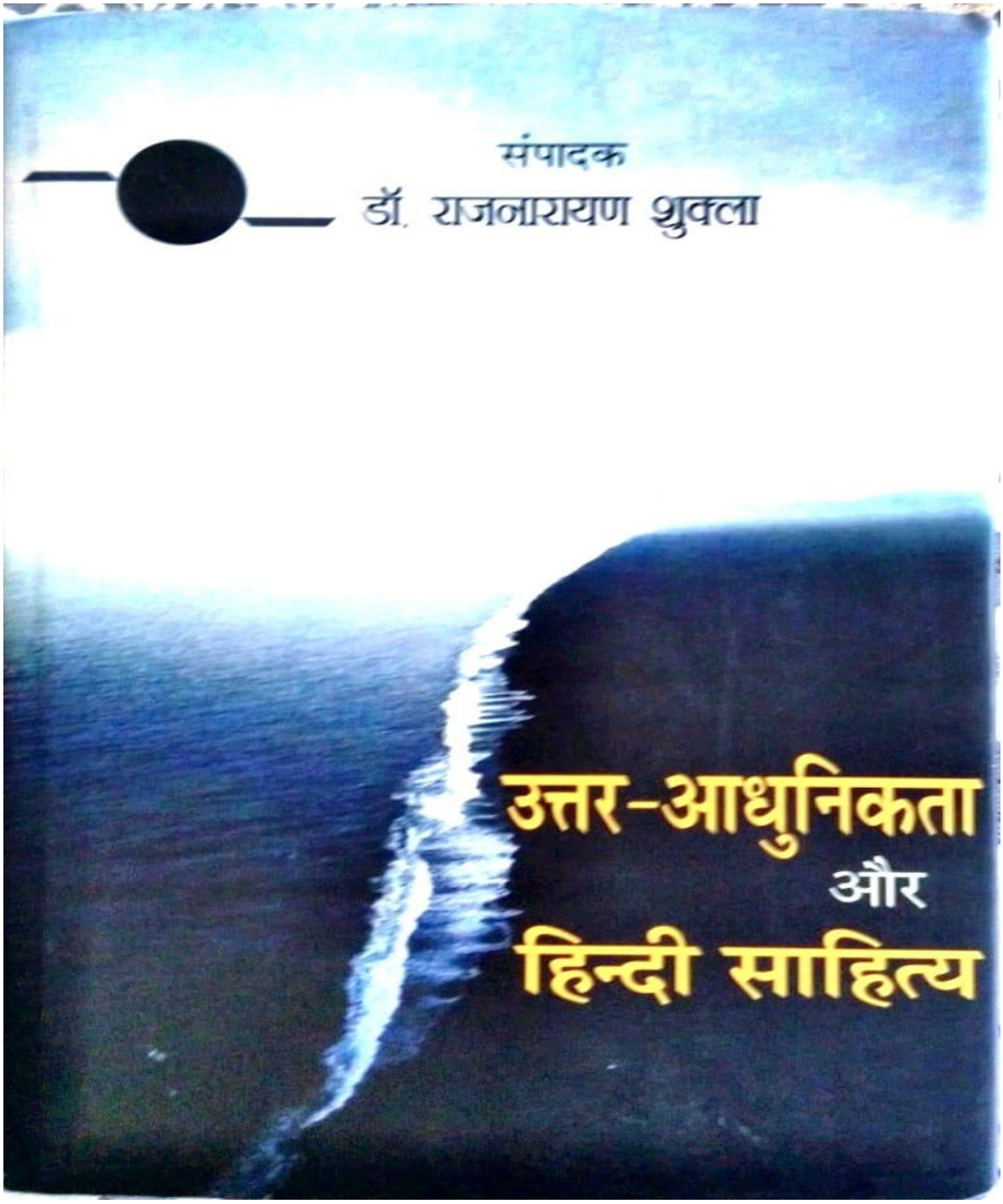

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

अनुक्रम

भूमिका 7

उत्तर आधुनिकता और भारतीय समाज
— डॉ. विमलेश यादव 9

उत्तर आधुनिकता और कथा साहित्य
— डॉ. नीलिमा शर्मा 17

हिन्दी काव्य में उत्तर आधुनिकता
— डॉ. अरुण लता वर्मा 26

हिन्दी कहानी साहित्य में उत्तर–आधुनिकता
— डॉ. अर्चना सिंह 32

उत्तराधुनिकता : एक अवलोकन
— इन्द्र सिंह ठाकुर 38

उत्तर–आधुनिकता बनाम उत्तर संरचना
— रवि कुमार गोंड़ 53

काका के काव्य में उत्तर आधुनिकता
— लक्ष्मी चौहान एवं डॉ. रानी बाला गौड़ 58

वर्तमान हिन्दी कहानी साहित्य में उत्तर–आधुनिकता
— डॉ. नीलम गर्ग 64

उत्तर–आधुनिक सन्दर्भ में भारतीय समाज
— डॉ. अंजू दुबे 76

उत्तर–आधुनिकतावाद : भाषा–सन्दर्भ
— डॉ. (श्रीमती) गीता शर्मा 82

अमृतलाल नागर के उपन्यास–साहित्य में उत्तर–आधुनिकता
— डॉ. साधना तोमर 86

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr Gyan Chand

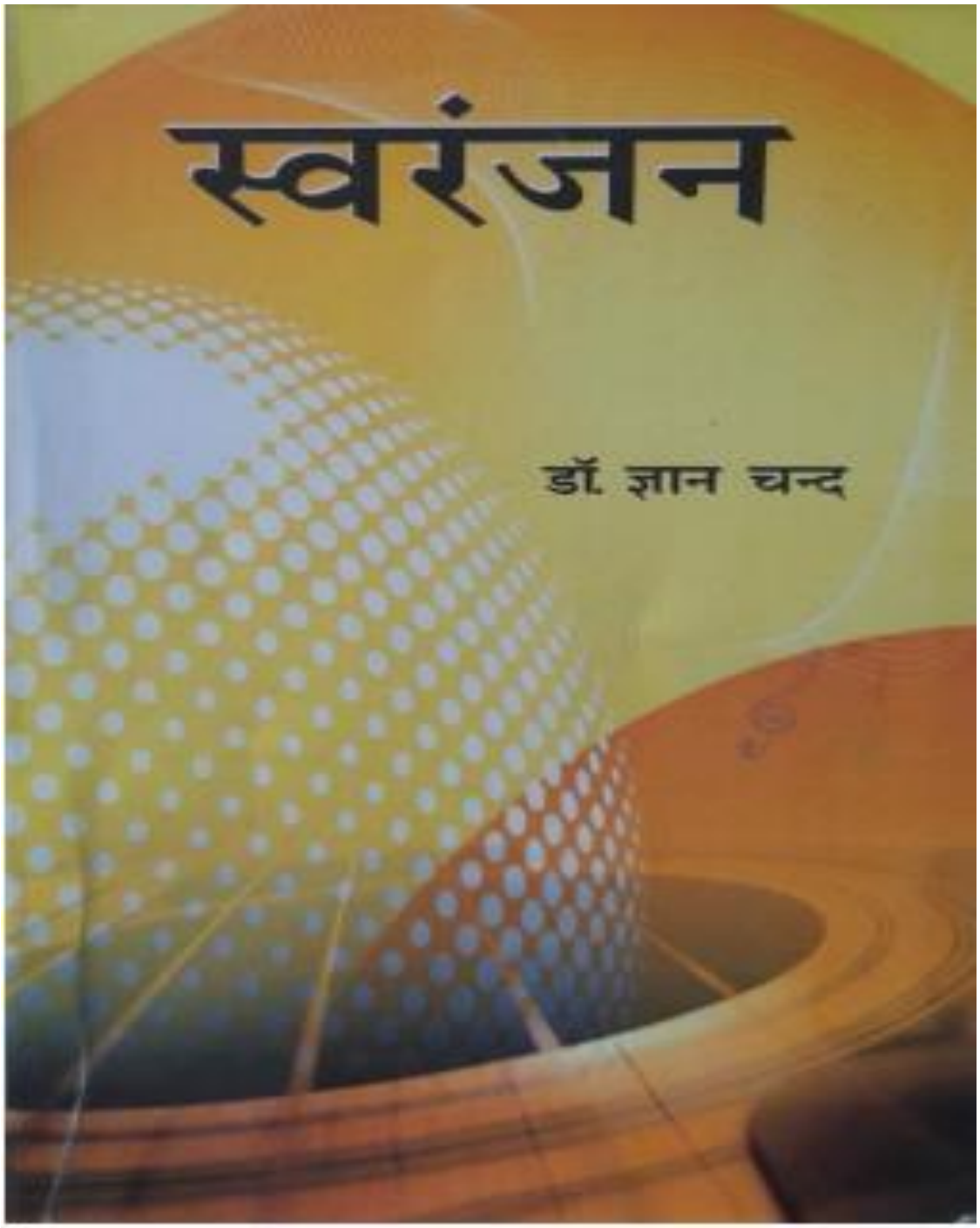

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

नाम : डॉ. ज्ञान चन्द
जन्म : 1972, जलोहा, तहसील-ठियोग, जिला शिमला, हि.प्र.
शिक्षा : एम. ए. संगीत स्वर्ण पदक प्राप्त, पी. एच. डी. नैट, स्लैट यू.जी.सी. जे.आर.एफ.।
विशेष : सितार वादन की प्रस्तुतियां, अनेकों गीत एवं संगीत रचनाएं अनेकों लोक चित्राधारों में संगीत निर्देशन।
प्रकाशन : शोध पत्रों एवं लेखों का विभिन्न पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशन प्रमुख सांगितक रचनाएं व चित्राधार : कसम से, संगम पारलियां धारा, बंगा तेरियां, पहाड़ी महफिल, मुजरा, हिमाचली शोले, बंधन आदि।

प्रमुख पुस्तकें :

1. संगीत विचयन	2. संगीत प्रवाह	3. संगीत प्रवाह 2
4. संगीत कलादर्श	5. संगीत लहर	6. ज्ञानांजली
7. संगीत प्रबोधिका	8. संगीत निधि	9. नाद कंचन
10. संगीत सागरिका	11. कला वाहिनी	12. स्वर भारती
13. संगीत आसंजन	14. राग संचयिता	15. हिन्दुस्तानी संगीत में कौशिक

अध्यापन : गत् 21 वर्षों से हि. प्र. शिक्षा विभाग में प्रवक्ता कॉलेज कॉडर, के पद पर कार्यरत विषय की सेवा कर रहे है।
सम्प्रति : राजकीय महाविद्यालय संजौली, जिला शिमला हि. प्र. में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत।

पुस्तकीय

प्रस्तुत संगीत विषयक पुस्तक हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नवीनतम् पाठ्यक्रम स्नातक पंचम एवं षष्टम् सत्र के पाठ्यक्रमानुसार है। इस कृति में पांचवे और छठे सत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रमों को समाहित किया गया है। पुस्तक में सम्पूर्ण पाठ्यक्रमों की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्य सामग्री को उद्धृत किया गया है। विद्यार्थियों की सुविधा हेतू पुस्तक की विषय सूची को पाठ्यक्रम के क्रमानुसार ही रखा गया है। सुगम, सरल एवं ग्राह्य भाषा इस कृति की विशेषता है। यह कृति प्रभु चरणों में अर्पित है।

प्रासंगिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स
नई दिल्ली

ISBN 978-93-83129-30-2

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

अनुक्रम

प्रस्तावना	*iii*
1. निबन्ध लेखन हिमाचल प्रदेश का लोक संगीत, संगीत की आधुनिक वृत्तियां।	1
2. रागों का समय सिद्धान्त समयानुसार रागों का विभाजन, मध्यम (अध्यदर्शक स्वर) का महत्व	8
3. व्यक्तित्व पं० भीमसेन जोशी, सुश्री लता मंगेशकर	15
4. ग्राम-मूर्च्छना-जाति ग्राम, षड्ज ग्राम, मध्यग्राम, मूर्च्छना, षड्ज ग्राम की मूर्च्छनाएं, मध्यम ग्राम की मूर्च्छनाएं जाति, शुद्ध जातियां, विकृत जातियां, जाति लक्षण, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जातियों का संदर्भ।	20
5. रामायण और महाभारत कालीन संगीत वैदिक काल पौराणिक तथा महाकाव्य काल।	30
6. सामान्य सांगीतिक चर्चा अविभांव-तिरोभाव गायक/वादक के गुण दोष, मार्गी संगीत, मार्गी संगीत और देसी संगीत में अन्तर, ताल व इसके दस प्राण, तीन ताल।	36
7. हिन्दुस्तानी संगीत के तंत्र वाद्य दिलरुबा, इसराज, सारंगी, वायलिन, सितार, सुरबहार, तानपूरा, सुरसिंगार, रबाब, सरोद, स्वरमण्डल।	47
8. सितार व तानपूरा तानपूरा और सितार का सचित्र वर्णन	64
9. राग चर्चा राग दरबारी कान्हड़ा, राग तोड़ी, राग भैरवी।	71

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal, GCE, Govt. College Sanjauli, Shimla-6

10. ताल वर्णन 87

दादरा, कहरवा, तीनताल, एकताल, चारताल, धमार, रूपक

11. सांगीतिक शब्दावली 92

निबद्ध-अनिबद्ध, प्रबन्ध, काकू, स्थाय, वर्ण, वाद्य वृंद, वृंदगान।

12. तबला-पखावज 100

13. हिन्दुस्तानी संगीत के दस थाट 106

बिलावल, कल्याण, खमाज, काफी, भैरव, भैरवी, असावरी, पूर्वी, मारवा, तोड़ी।

14. संगीत में घराना परम्परा 109

गवालियर किराना, आगरा, पटियाला, दिल्ली, जयपुर, सितार के घराने, सोनिया, गौरीपुर, अल्लाउदीन खां परम्परा।

15. गायन शैलियां 125

ठुमरी, टप्पा, दादरा, चतुरंग।

16. लय-ताल 129

एकताल, चारताल, दीपचंदी, धमार

17. निबन्धावली 131

शास्त्रीय और फिल्मी संगीत, संगीत और सौन्दर्य

18. रागदर्शन 140

राग भीमपलासी, राग देस, राग पूरियाकल्याण

19. ताल ज्ञान 159

उत्तर भारतीय संगीत की मुख्य ताले

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

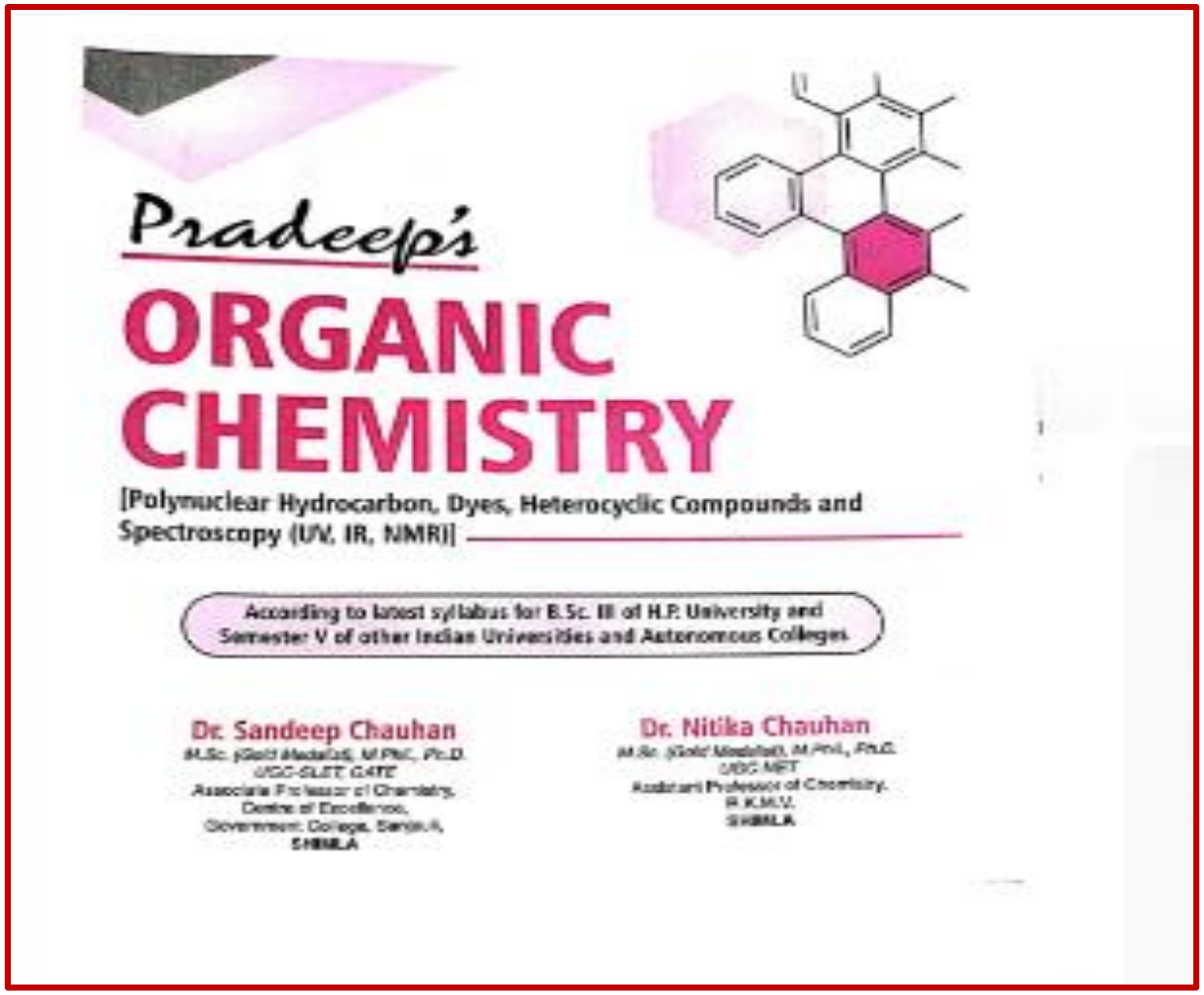

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

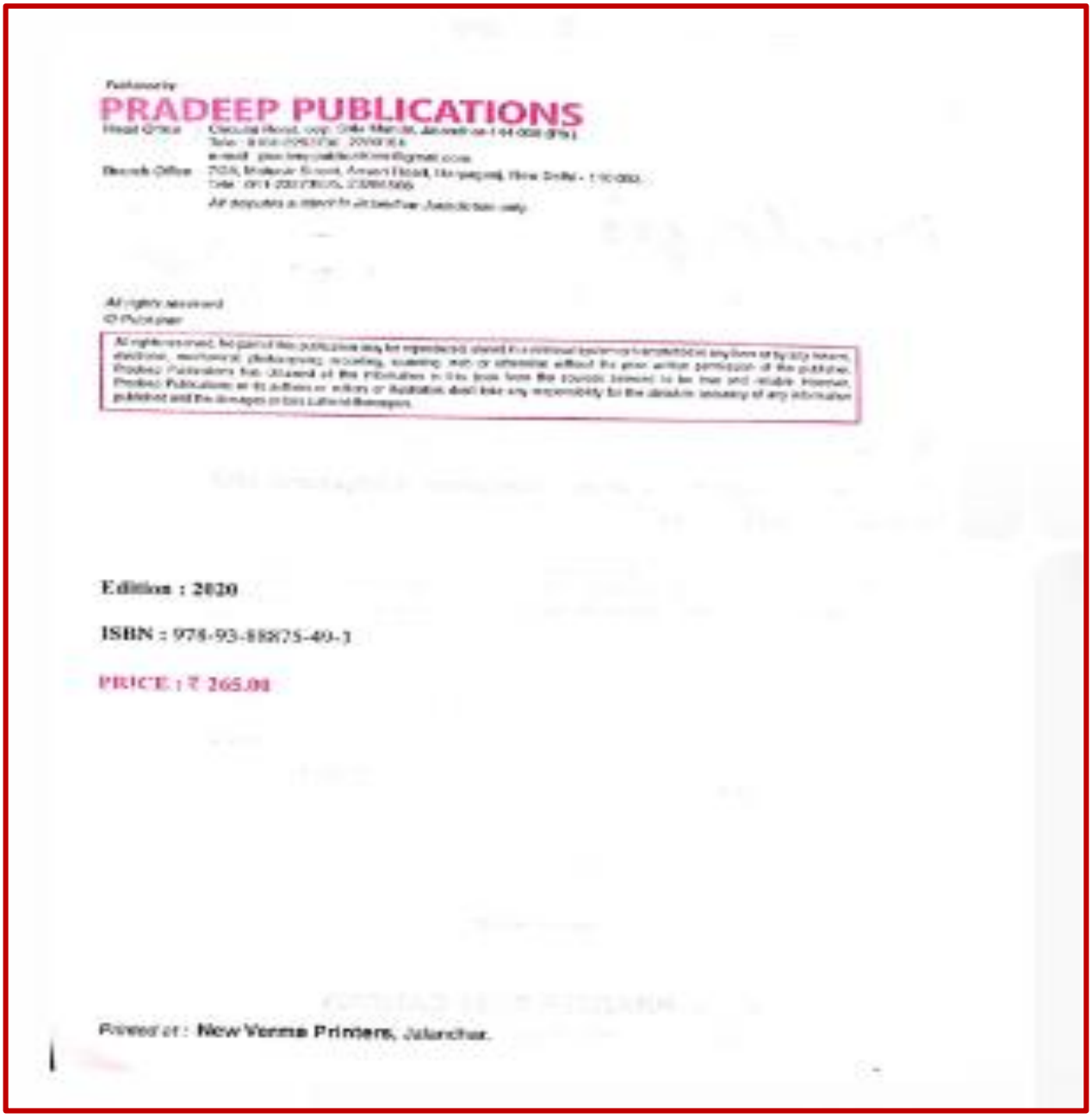

Published by

PRADEEP PUBLICATIONS

Head Office [illegible]

Branch Office [illegible]

All disputes are subject to Jalandhar Jurisdiction only

All rights reserved
© Publisher

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, scanning, web or otherwise without the prior written permission of the publisher. [illegible]

Edition : 2020

ISBN : 978-93-88875-49-3

PRICE : ₹ 265.00

Printed at : **New Verma Printers**, Jalandhar.

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Satya Narain Snehi

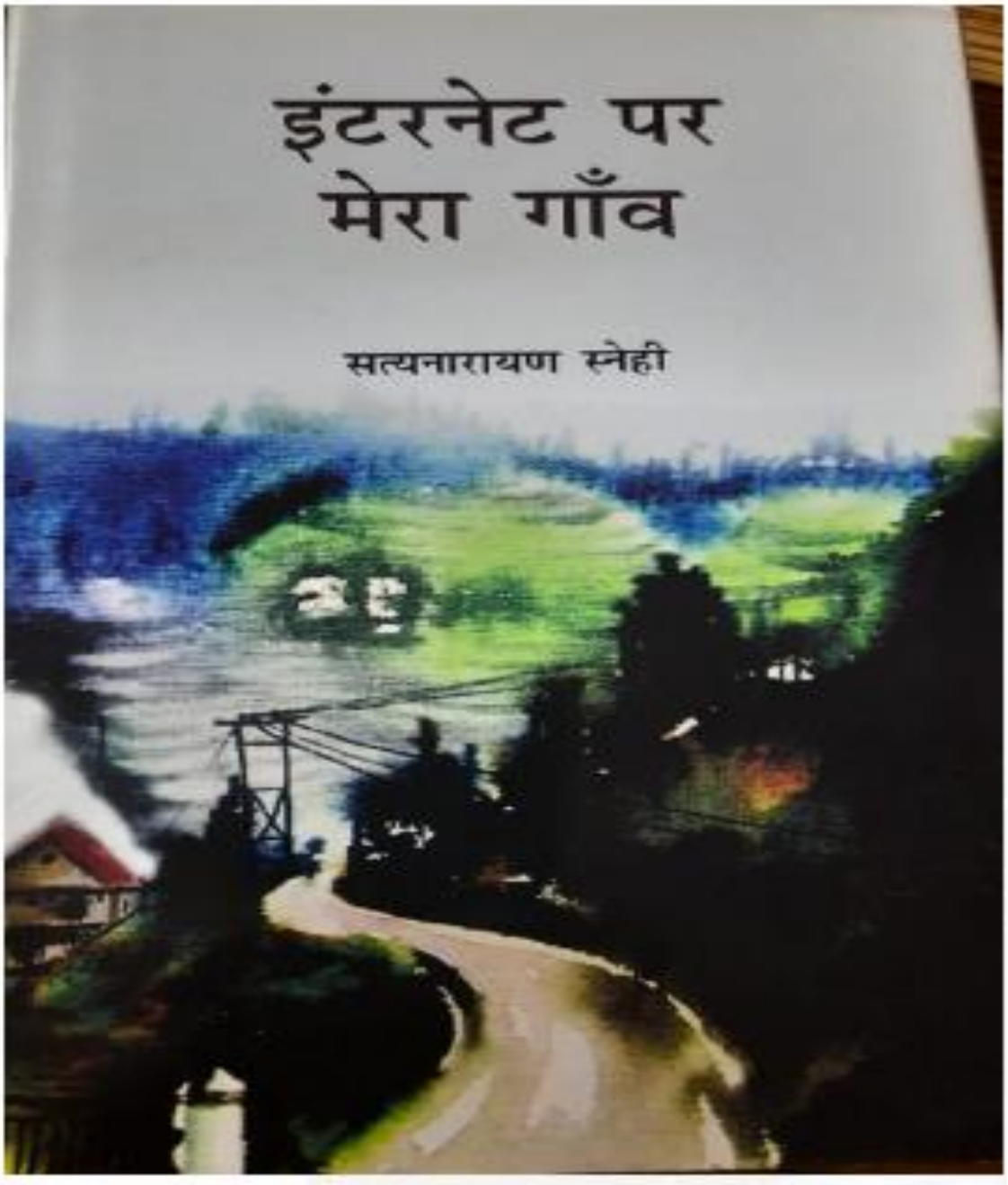

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

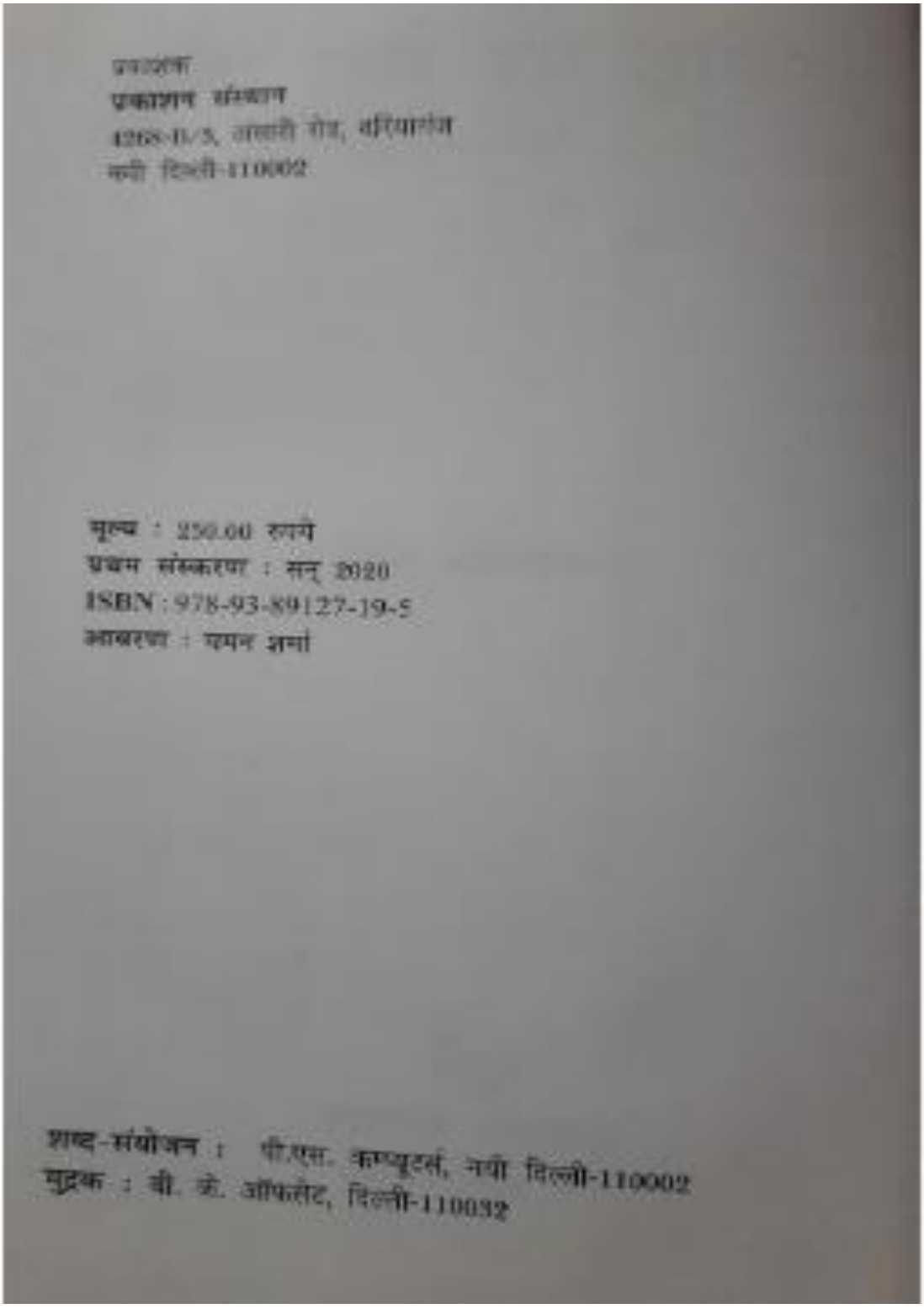

प्रकाशक
प्रकाशन संस्थान
4268-B/3, अंसारी रोड, दरियागंज
नयी दिल्ली-110002

मूल्य : 250.00 रुपये
प्रथम संस्करण : सन् 2020
ISBN : 978-93-89127-19-5
आवरण : चमन शर्मा

शब्द-संयोजन : पी.एस. कम्प्यूटर्स, नयी दिल्ली-110002
मुद्रक : बी. के. ऑफसेट, दिल्ली-110032

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr Kamayani

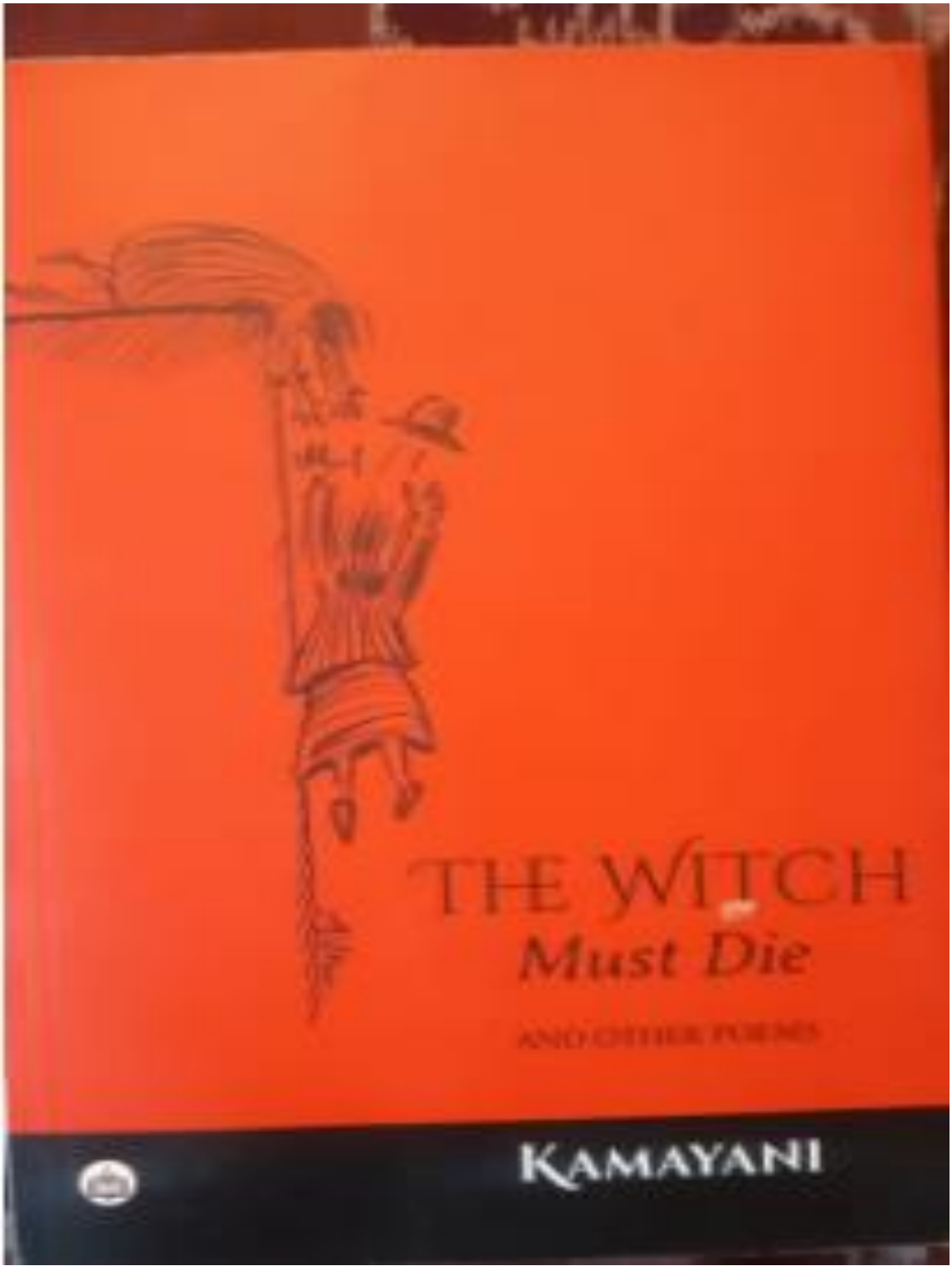

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Kamayani is an Associate Professor who teaches English Literature in Himachal Pradesh. This is her first anthology of Poems. Before this, she has published *Dioramas of Girlhood: The Faerie Recast*. Her interest is in deconstructing the Fantastic woman who both, intrigues and challenges traditional notions of femininity.

AUTHORSPRESS
Publishers of Creative & Scholarly Books

ISBN 978-93-89824-03-2
9 789389 824032
₹ 295 | $ 15

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

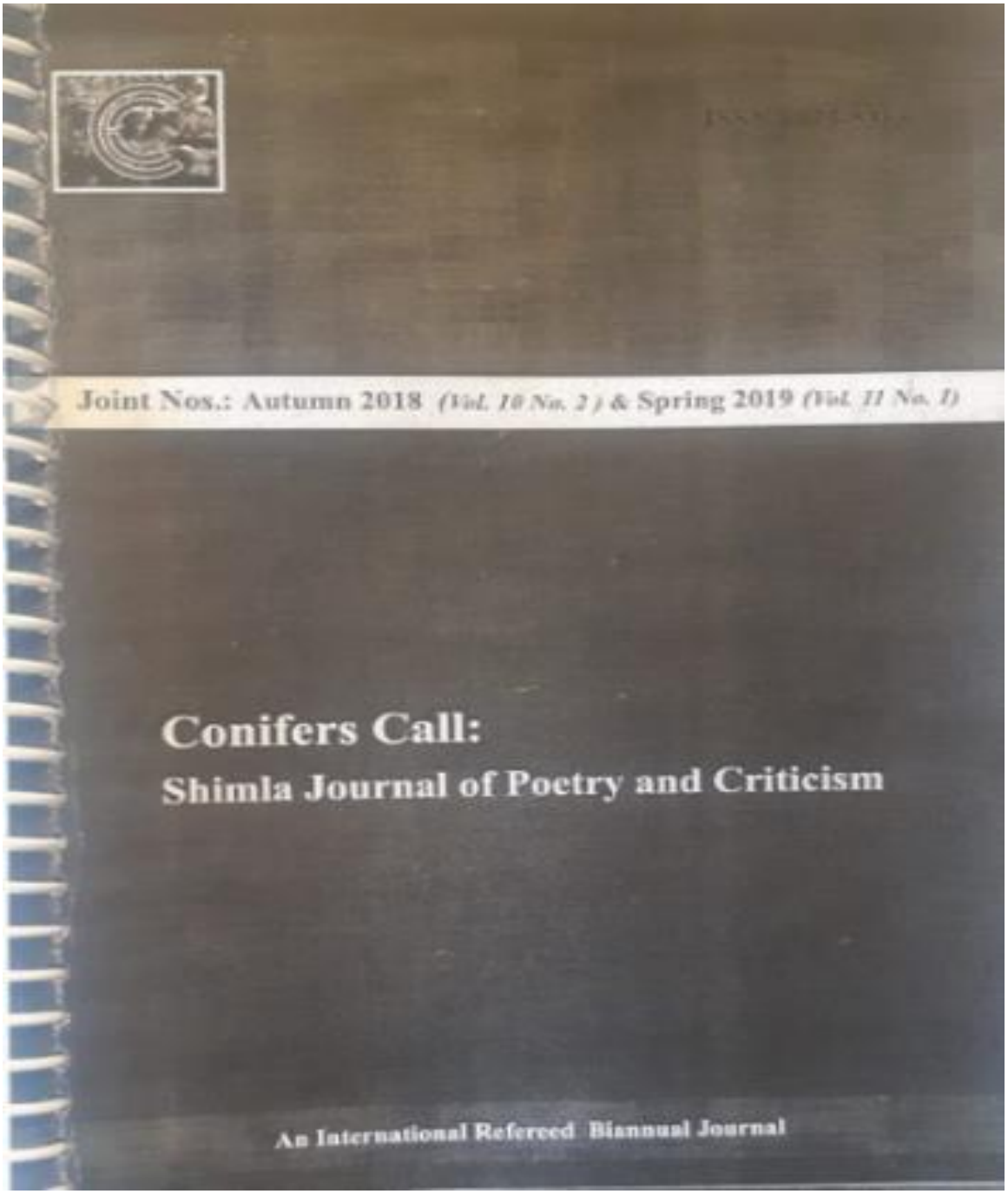

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Contents

Postmodernism: The Limits of Questioning 1
Raghuvanshmani

Modernity in Post-Independence Indian Punjabi Literature (Fiction): Response and Growth of Punjabi Literature 9
Ravinder Singh

The Impossibility of Insular Cultures 16
Kamayani Bisht

Draupadi Speaks... 20
Anju Jagpal

Nighat Gandhi's Rakhi Sawant of Sind: An Insight into the Tribulations and Social Exclusion of Transgenders 31
Ruchi Raj Thakur

POETRY 39
Kamayani Bisht
Harishankar Rarhi
Anjali Dawan
Jasmine Kaur
Ishika Bansal
Ayush Sharma

SHORT STORIES 50
A Horse Gone Astray
Anuradha Bhattacharyya
A Three Line Parable
Harish K. Thakur

Harmonising and Solidifying Class Alliance: A Study of Ngugi wa Thiong'O's *Petals of Blood.* 51
Sanjeev Kumar

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Pawan Kumar

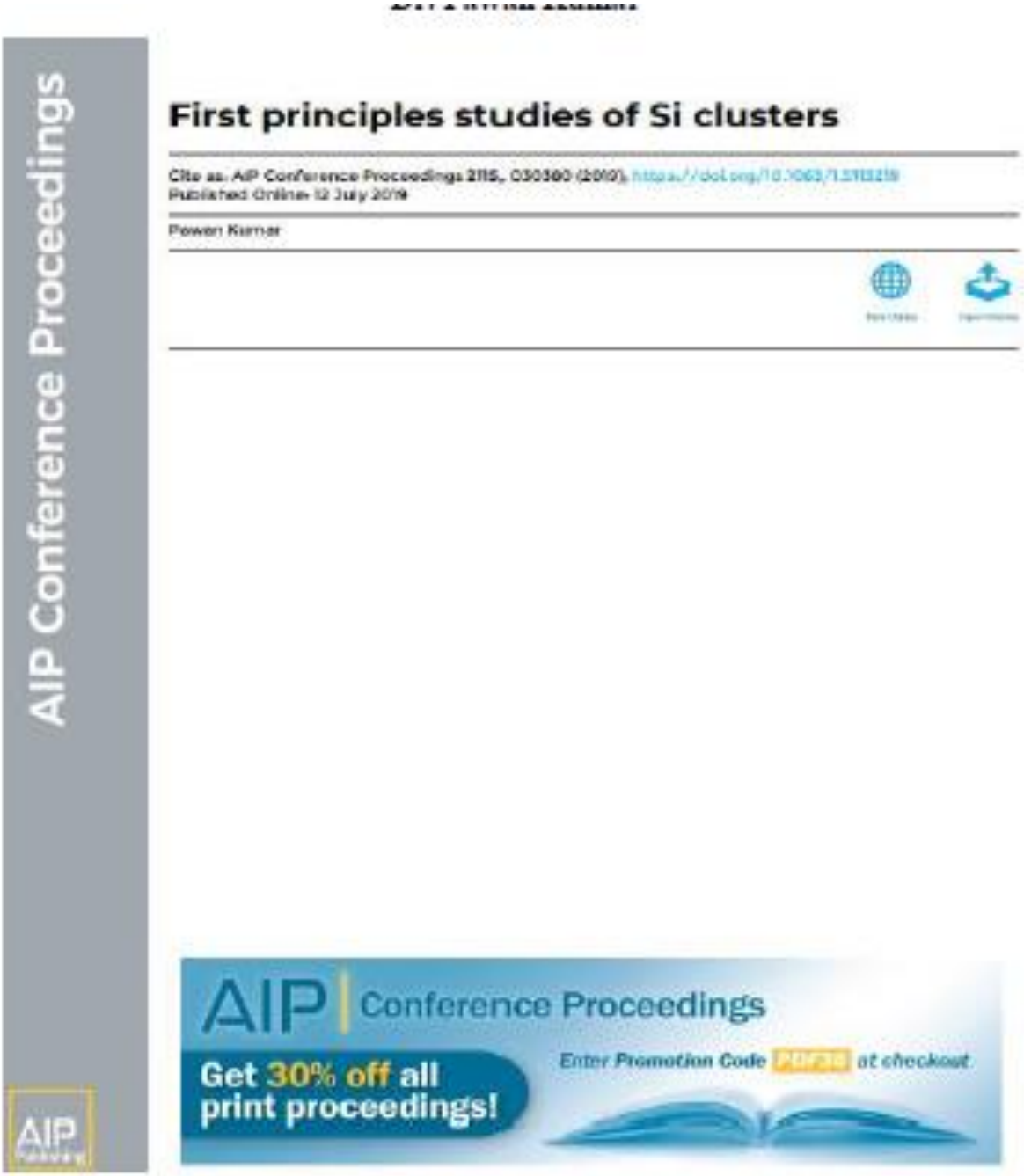

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

First Principles Studies of Si Clusters

Pawan Kumar

Centre of Excellence, Govt. Degree College Sanjauli, Shimla

pawankumarcelan@gmail.com

Abstract. Clusters are in between atoms and bulk matter. Using Quantum Espresso ab- initio package we found most stable structures for Si_5, Si_7, Si_{10}, Si_{13}, $Si_{13}H_{12}$, $Si_{13}H_{11}$ and $Si_{13}H_{18}$ and visualized the resulting structures using XCRYSDEN. We also analyzed these structures using symmetry, density of states, valence band width and band gap values. In case of hydrogenated Si clusters broader valence band and narrower band gap has been found well to correlates with stability.

INTRODUCTION

Clusters are the aggregate of atoms or molecules with a well-defined number of constituents ranging from few to several thousands of atoms. They form the intermediate between atoms (or molecules) and the bulk matter and the study of clusters actually study of the evolution of the physical matter from atoms towards bulk solids.

Study of clusters can help us in the potential use them in the technological applications[1-2] Study of cluster means how the clusters are different from atoms and bulk. their behavior changes with size, their geometry and structure. Further, how variations in their size are related to the electronic, magnetic, optical and chemical properties. These studies can lead us to tailor their properties to get desired properties.

The bulk crystalline matter is arranged in a periodic form while clusters are much smaller and are usually just non-periodic aggregates of atoms. Due to these variations in the properties of clusters and bulk matter the entire theoretical framework used to describe the bulk matter is simply not applicable to clusters.

METHODS

The tool which we have used in our study is Quantum-Espresso package. It is a full *ab initio* package implementing electronic structure and energy calculations. Inside this package, PWSCF is the code which is used to perform total energy calculations. We have used generalized gradient approximation (GGA) of density functional theory using QE. Self-consistent calculations are done after supplying atomic positions and atoms are moved to decrease system energy. This is repeated till energy convergence is not achieved. XCRYSDEN has been used to visualize the resulting structures.

RESULT AND DISCUSSIONS

We have studied properties of Si clusters up to n=13. The properties discussed are structure, energy, density of states and energy level diagrams. We have also hydrogenated the resulting cluster of n=13 with hydrogen atoms.

DAE Solid State Physics Symposium 2018
AIP Conf. Proc. 2115, 030300-1–030300-4; https://doi.org/10.1063/1.5113225
Published by AIP Publishing. 978-0-7354-1851-6/$30.00

030300-1

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Sandeep Chauhan

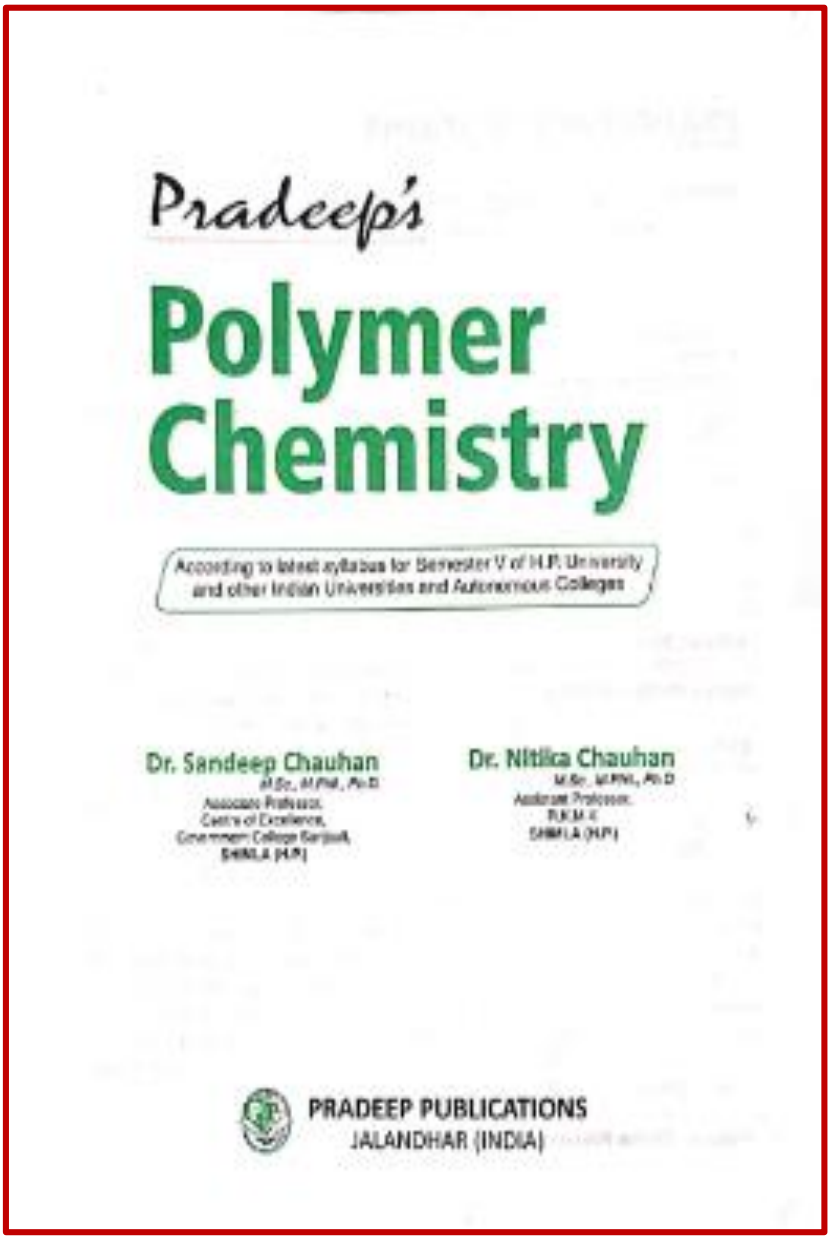

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

PRADEEP PUBLICATIONS

All rights reserved
© Publisher

Edition : 2019

ISBN : 978-93-88875-27-1

PRICE : ₹ 175.00

Printed at : Choice Printers, Jalandhar.

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. R. L Sharma

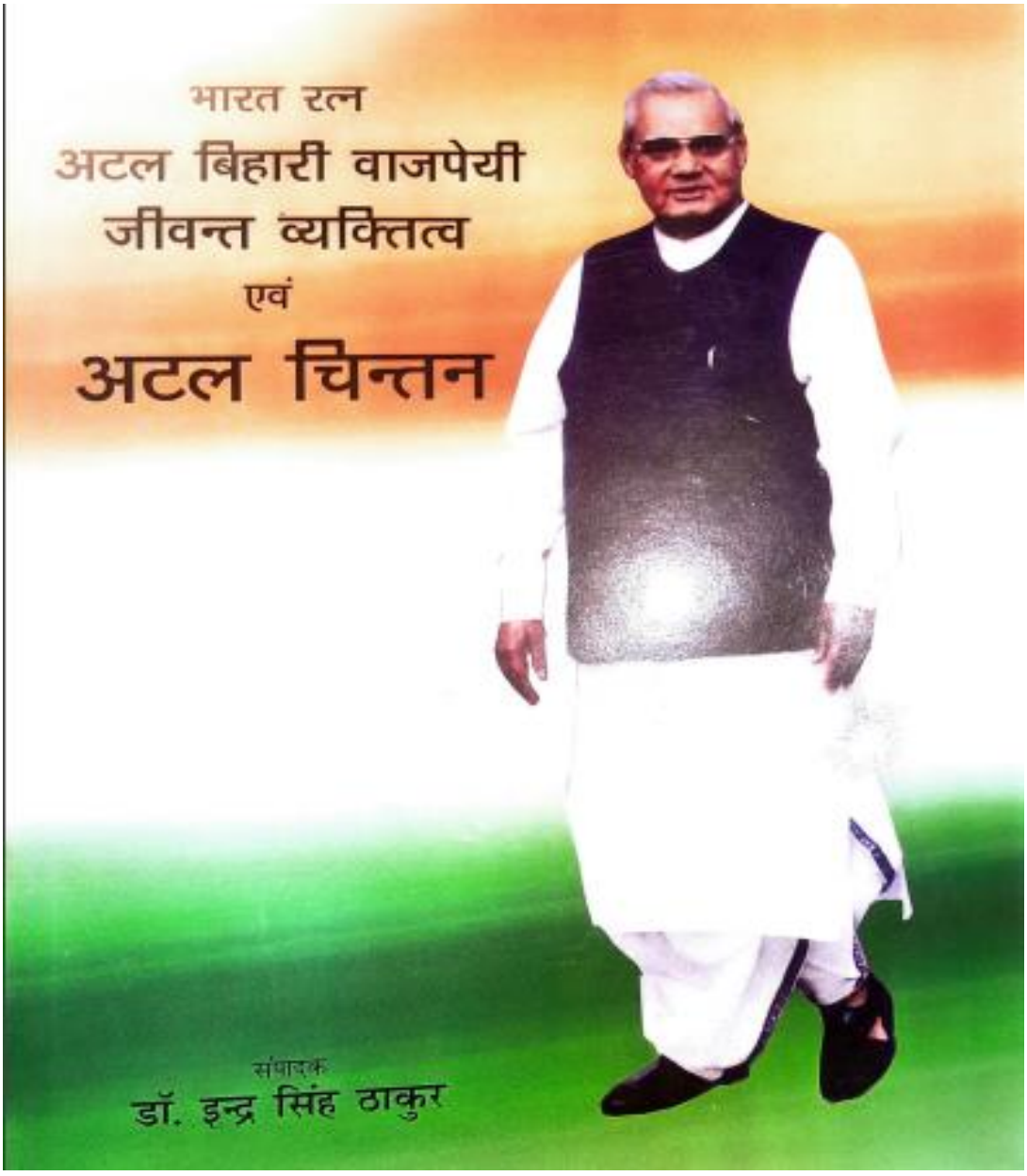

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

अटल बिहारी वाजपेयी : विचार बिन्दु

डॉ. [illegible]

विदेशी नीति राष्ट्रीय हित में

[illegible]

अस्पृश्यता राष्ट्रीय जीवन का कलंक

[illegible]

सफल जीवन के लिए उपाय

[illegible]

भारतीय अर्थ व्यवस्था

[illegible]

आतंकवाद जनजीवन का अभिशाप

[illegible]

सेक्युलरवाद : जीवन शैली का एक अंग

[illegible]

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. R. L Sharma

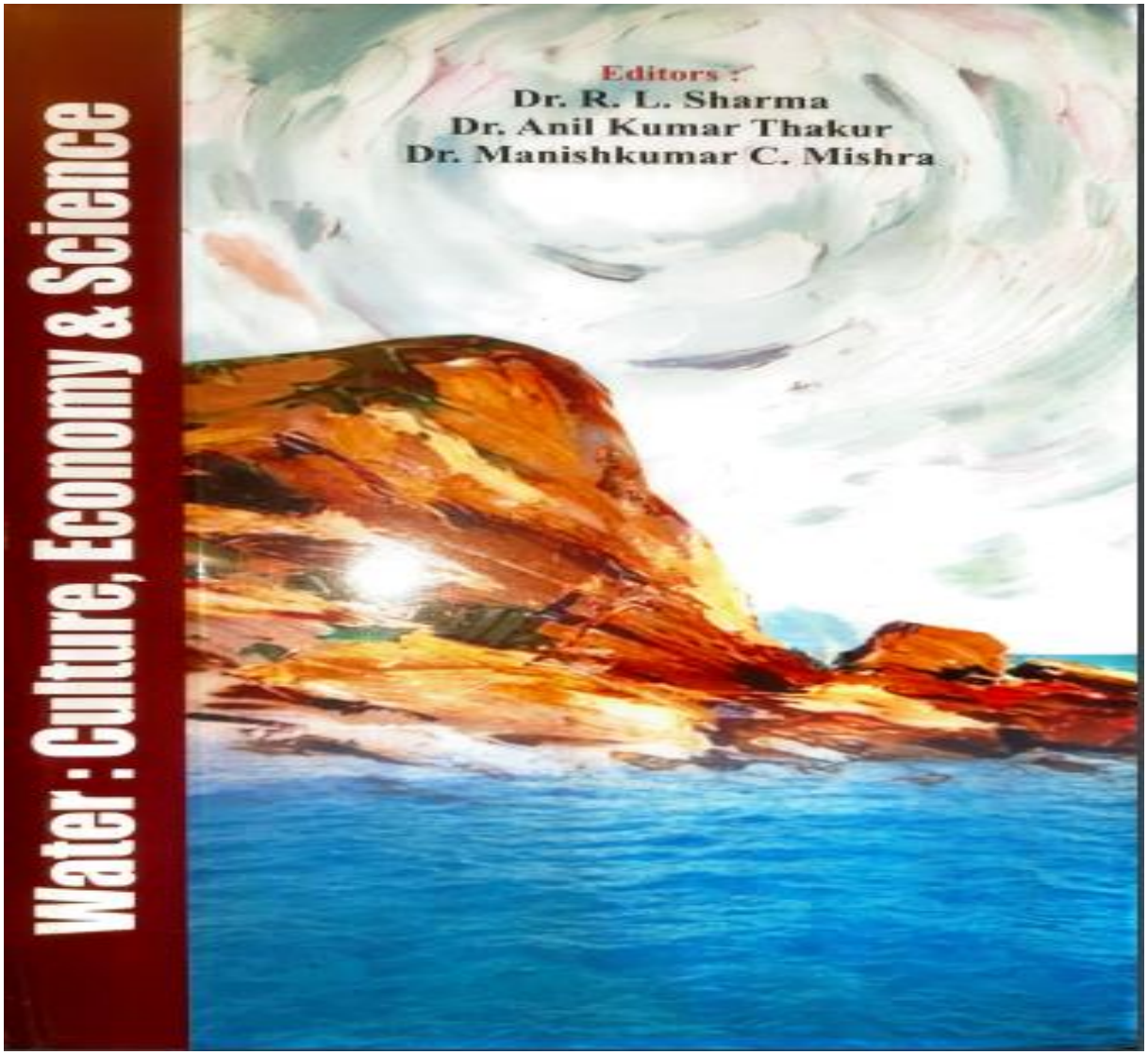

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. R.L. Sharma, Associate Professor (Economics), Centre of Excellence, Government College, Sanjauli, Shimla-6, has a teaching experience of 23 years in different colleges of Himachal Pradesh. His area of specialization is resource economics. He is life member of many academic bodies in India. Presently, he is an elected General Secretary of the Himachal Government College Teachers' Association. He has presented papers in many national and international conferences and seminars. He has extensively published on natural resources, farming systems, common property resources, impact of globalization and climatic change on horticulture, issues and challenges of food security and economic reforms. He has authored a text book on Indian Financial Systems. He was awarded the Associateship of the UGC-Inter-University Centre at Indian Institute of Advanced Studies, Shimla.

Dr. Anil Kumar Thakur, Associate Professor (Botany), Centre of Excellence, Government College, Sanjauli, Shimla-6, has a teaching experience of 21 years in different colleges of Himachal Pradesh. His areas of interest are environmental biology of crop plants, biodiversity, medicinal plants and traditional knowledge. He has authored more than ten textbooks (with co-authors) for the Under Graduate students of Botany and also published equal number of research papers and book chapters. He has also presented his papers in many national and international conferences and seminars. He has completed one UGC funded research project in 2013. He was awarded the Associateship of UGC-Inter-University Centre at Indian Institute of Advanced Studies, Shimla. He is life member of Science Congress, Indian Botanical Society and executive member of Association for Biology Education.

Dr. Manishkumar C. Mishra is working as an Assistant Professor in the Department of Hindi at K.M. Agrawal College of Arts, Commerce & Science, Kalyan (West), Maharashtra since September 2010. He worked at Banaras Hindu University, Varanasi, Uttar Pradesh for two years as UGC Research Awardee and completed his Research Project. He has authored three books on various aspects of Hindi literature and also edited more than twelve books on topics of academic importance. He is associated with many interdisciplinary research projects funded by various academic agencies. He was awarded the Associateship of UGC-Inter-University Centre at Indian Institute of Advanced Studies, Shimla. Presently, he is working on Cinema and Folk Culture of Maharashtra.

R. K. Publication
Mumbai

ISBN 978-93-86579-44-7
9 789386 579447
Rs. 650/-

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Anil Thakur

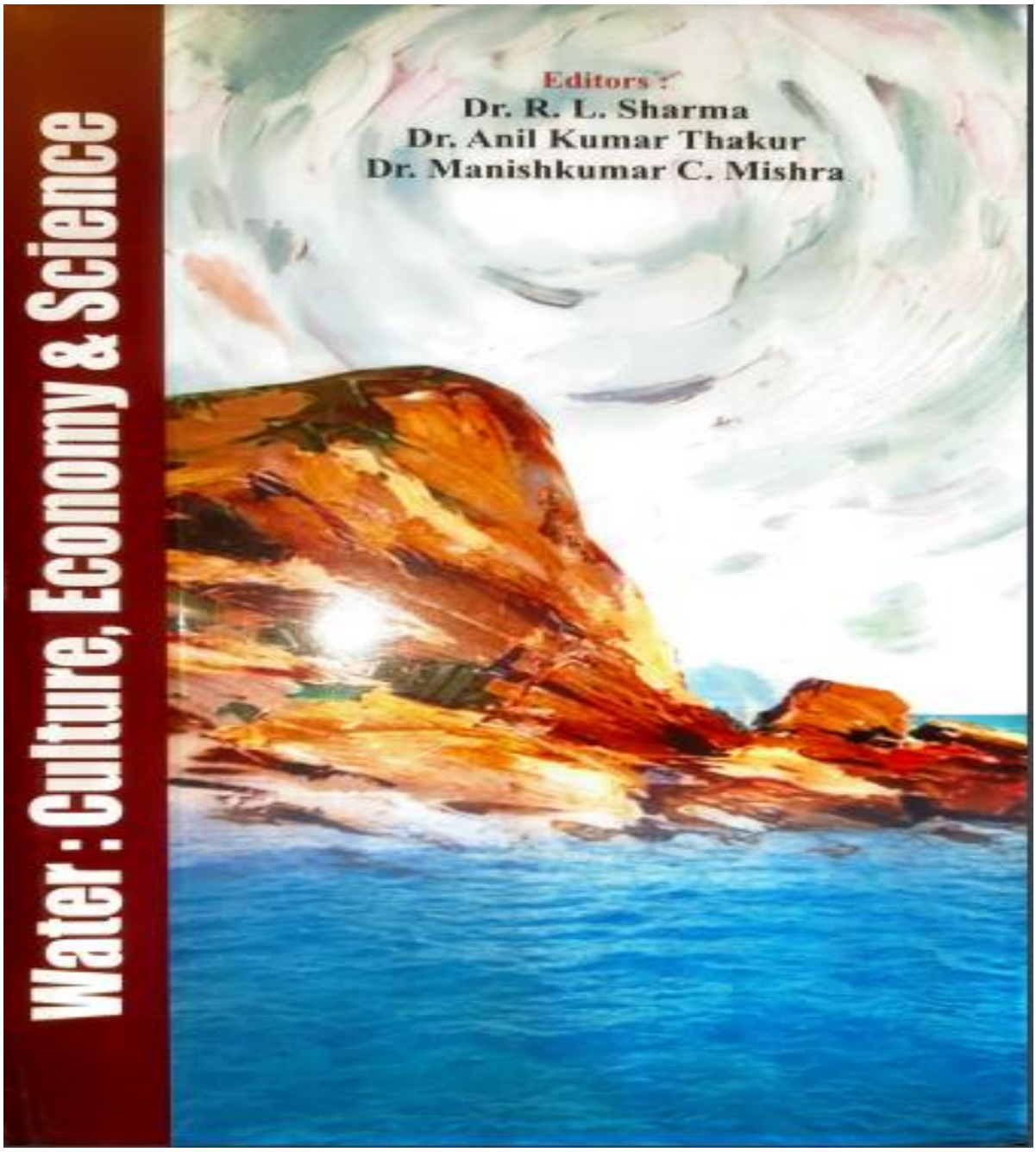

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. R.L. Sharma, Associate Professor (Economics), Centre of Excellence, Government College, Sanjauli, Shimla-6, has a teaching experience of 23 years in different colleges of Himachal Pradesh. His area of specialization is resource economics. He is life member of many academic bodies in India. Presently, he is an elected General Secretary of the Himachal Government College Teachers' Association. He has presented papers in many national and international conferences and seminars. He has extensively published on natural resources, farming systems, common property resources, impact of globalization and climatic change on horticulture, issues and challenges of food security and economic reforms. He has authored a text book on Indian Financial Systems. He was awarded the Associateship of the UGC-Inter-University Centre at Indian Institute of Advanced Studies, Shimla.

Dr. Anil Kumar Thakur, Associate Professor (Botany), Centre of Excellence, Government College, Sanjauli, Shimla-6, has a teaching experience of 21 years in different colleges of Himachal Pradesh. His areas of interest are environmental biology of crop plants, biodiversity, medicinal plants and traditional knowledge. He has authored more than ten textbooks (with co-authors) for the Under Graduate students of Botany and also published equal number of research papers and book chapters. He has also presented his papers in many national and international conferences and seminars. He has completed one UGC funded research project in 2013. He was awarded the Associateship of UGC-Inter-University Centre [illegible] Indian Institute of Advanced Studies, Shimla. He is life member [illegible] Science Congress, Indian Botanical Society and executive memb[illegible]an Association for Biology Education.

Dr. Manishkumar C. Mishra is working as an Assistant Professor in the Department of Hindi at K.M. Agrawal College of Arts, Commerce & Science, Kalyan (West), Maharashtra since September 2010. He worked at Banaras Hindu University, Varanasi, Uttar Pradesh for two years as UGC Research Awardee and completed his Research Project. He has authored three books on various aspects of Hindi literature and also edited more than twelve books on topics of academic importance. He is associated with many interdisciplinary research projects funded by various academic agencies. He was awarded the Associateship of UGC-Inter-University Centre at Indian Institute of Advanced Studies, Shimla. Presently, he is working on Cinema and Folk Culture of Maharashtra.

R. K. Publication
Mumbai

ISBN 978-93-86579-44-7
9 789386 579447
Rs. 650/-

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr C B Mehta

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

ISBN : 978-93-86579-45-4

प्रथम संस्करण : 2018
© संपादक
अक्षर संयोजन एवं आवरण
क्रिएटिव इमेज, मुंबई
E-mail : creativeimage24@gmail.com

प्रकाशकः
आर. के. पब्लिकेशन
1/12, पारस दूबे सोसायटी, ओवरी पाढा,
एस.वी. रोड, दहिसर (पूर्व),
मुम्बई - 400 068.
फोन : 9022 521190 / 9821 251190
E-mail : publicationrk@gmail.com

मूल्य : ₹ 350/-

Jal Sansadhan Aur Prabandhan By Editors

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Inder Thakur

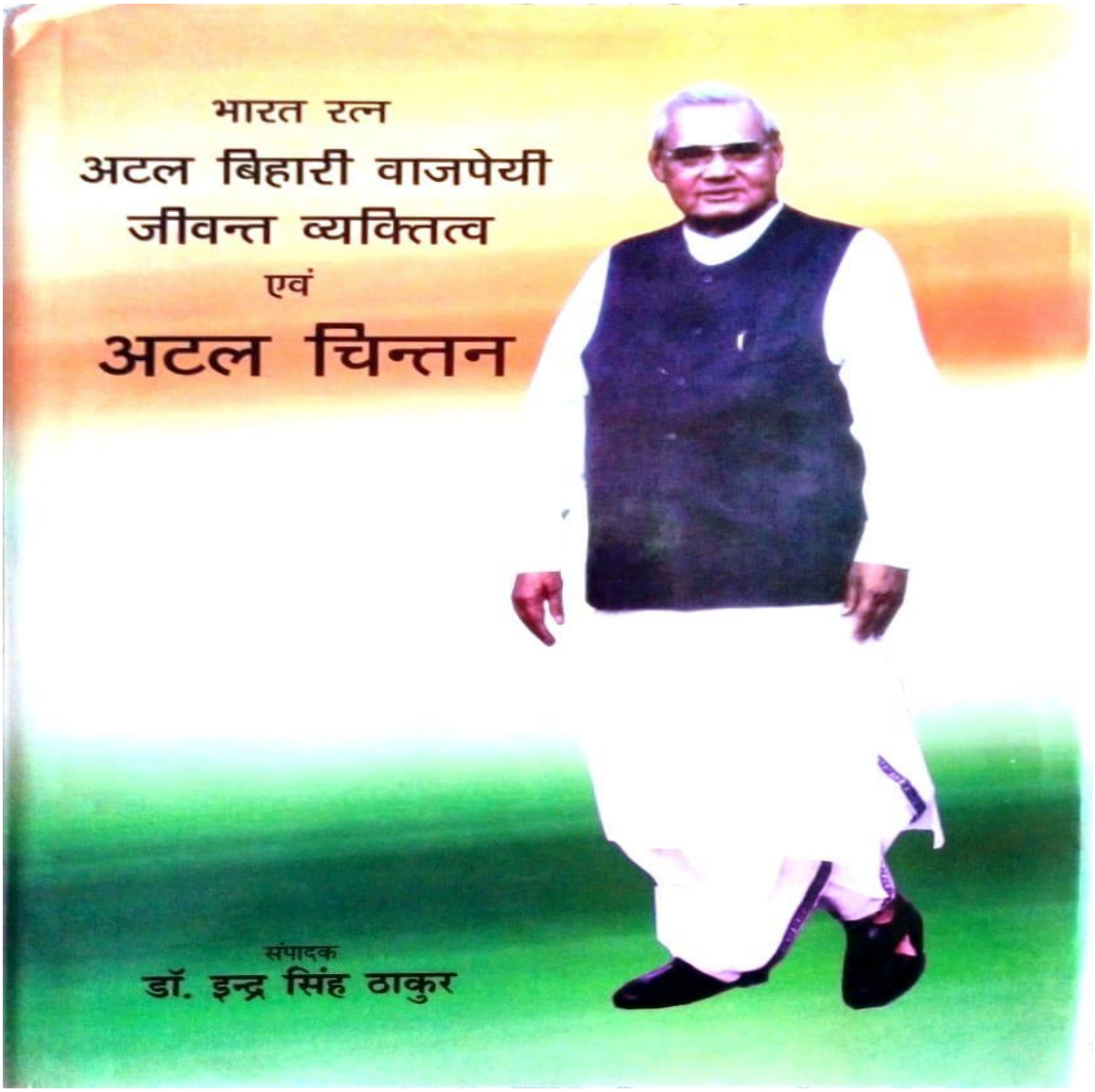

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

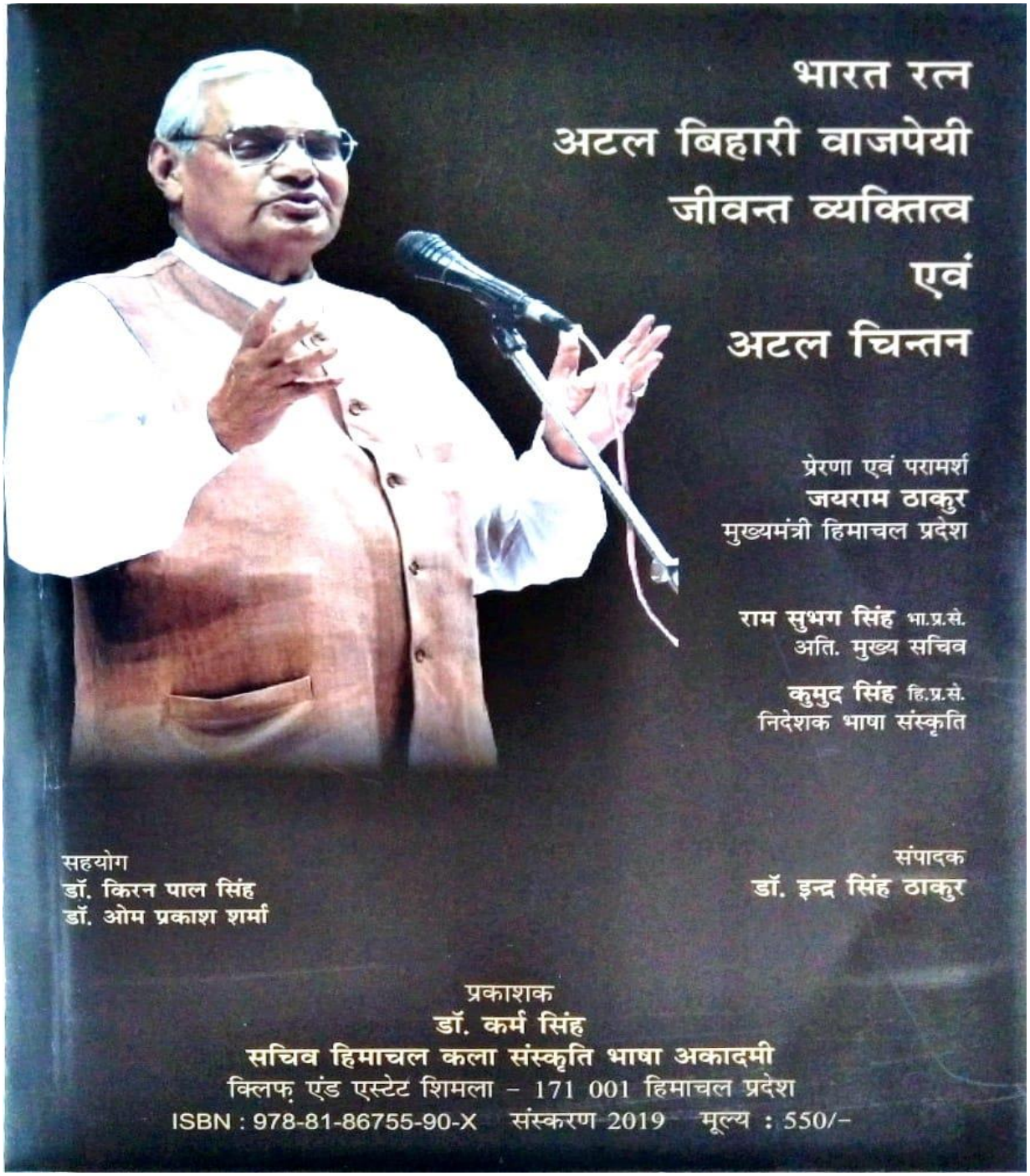

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr Pooja Dulta

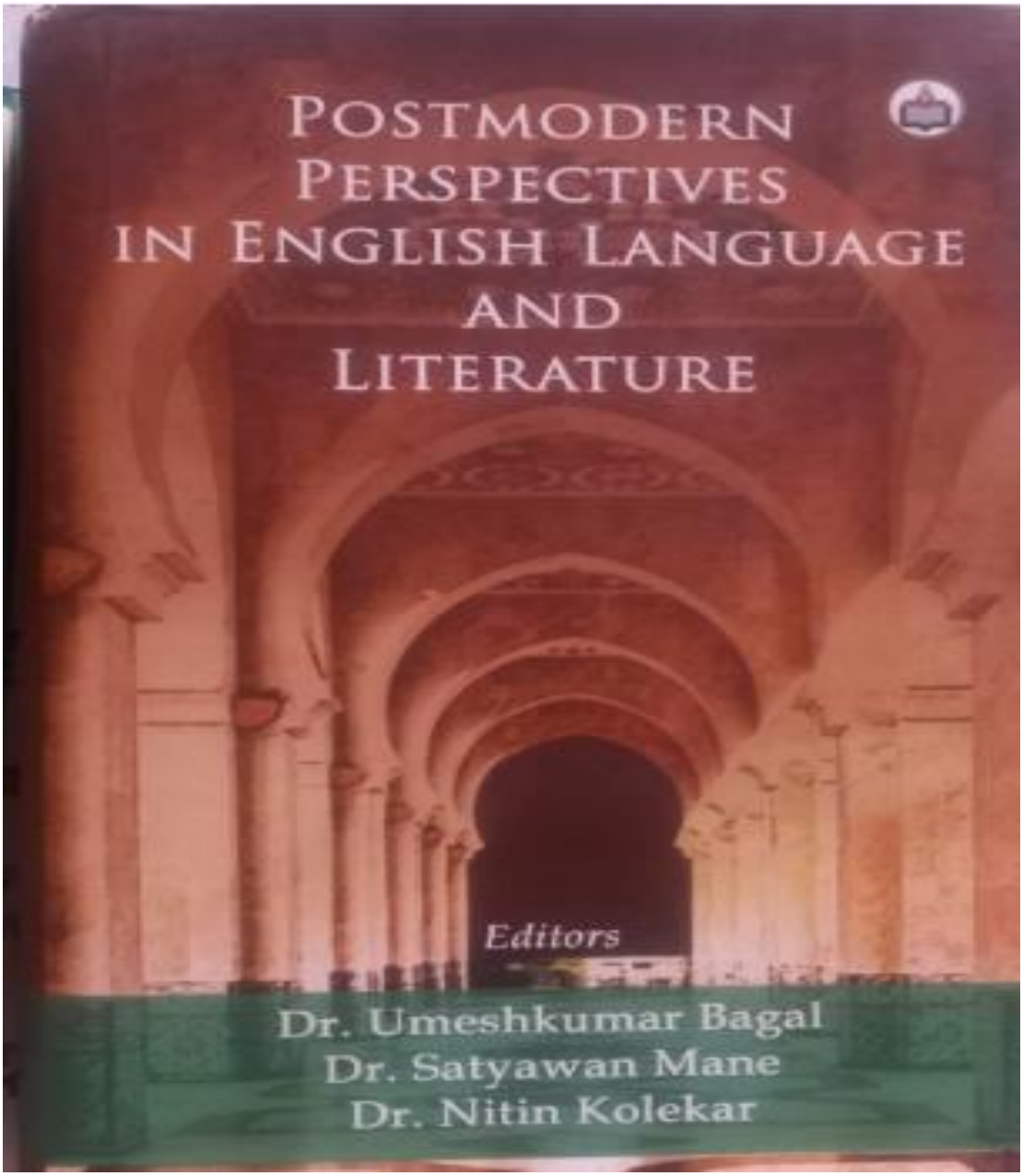

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

2

Existential Preoccupation of Ramaswamy and His Rootlessness from Indian Cultural Tradition in Raja Rao's *The Serpent and The Rope*

Dr. Pooja Dulta

Abstract

The existential preoccupation of Rao's protagonist, Ramaswamy can be seen in his feeling of rootlessness from his native Indian tradition, his identity crises and sense of vacuum that he experiences in his relationships. He suffers from the existential void that is created because of his orphanhood. He accepts the loss of his mother as an irretrievable loss which has left its mark on his mind. But he could not get over the emotional vacuum that has been created by the loss of his mother. The orphanhood which haunts Rama forces him to journey in different directions and finally he ends up with his realization of a genuine Indian identity.

Through rootlessness of his protagonist, Raja Rao is trying to portray the inner conflicts Ramaswamy experiences while intermingling with people of other cultures and climes. Though he fulfills his responsibilities sincerely, a sense of alienation prevails. It is Savithri who brings him face to face with his spiritual aspirations and hence a need for a mentor/Guru who could dissolve his illusions with the knowledge of light.

Ramaswamy, the narrator-protagonist of *The Serpent and the Rope* belongs to a rich Brahmin family of Mysore. He is a Brahmin in

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Contents

Foreword 5

Preface 7

PART I. POSTMODERN THEORY AND PRACTICE

1. Literature in the Age of Virtual (Re)production 15
Sudipta Mandal

PART II. CULTURE, ETHNICITY, DIASPORA AND HYBRIDITY

2. Existential Preoccupation of Ramaswamy and His Rootlessness from Indian Cultural Tradition in Raja Rao's *The Serpent and The Rope* 27
Dr. Pooja Dulta

3. Subaltern Envy? Cultural Hybridity in Kiran Desai's *The Inheritance of Loss* 39
Ruchika Rathore

4. The 'Emigrant-Dream' and the Question of a Postmodern History in Kundera's *Ignorance* 50
Nisarga Bhattacharjee & Ananya Chatterjee

5. Traces of Modernity in Post-Colonial Moroccan Theatre 64
Dr. Abdeladim Hinda

PART III. POSTMODERN FEMINISM AND GENDER STUDIES (LGBTQ)

6. Your Sex is a Terrible Wound – Pinter's *Ruth* and Mahasweta Devi's *Dopdi* as the Woman qua Woman Breaking Biologically Determined Phallic Myths 103
Soham Mukherjee

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Worldwide Circulation through Authorspress Global Network
First Published in 2019
by
Authorspress
Q-2A Hauz Khas Enclave, New Delhi-110 016 (India)
Phone: (0) 9818049852
E-mail: authorspressgroup@gmail.com
Website: www.authorspressbooks.com

Postmodern Perspectives in English Language and Literature
ISBN 978-93-88332-08-8

Copyright © 2019 Editors

Disclaimer

Concerned authors are solely responsible for their views, opinions, policies, copyright infringement, legal action, penalty or loss of any kind regarding their articles. Neither the publisher nor the editors will be responsible for any penalty or loss of any kind if claimed in future. Contributing authors have no right to demand any royalty amount for their articles.

Printed in india By Thomson Press (India) Ltd

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Ajay Kaith

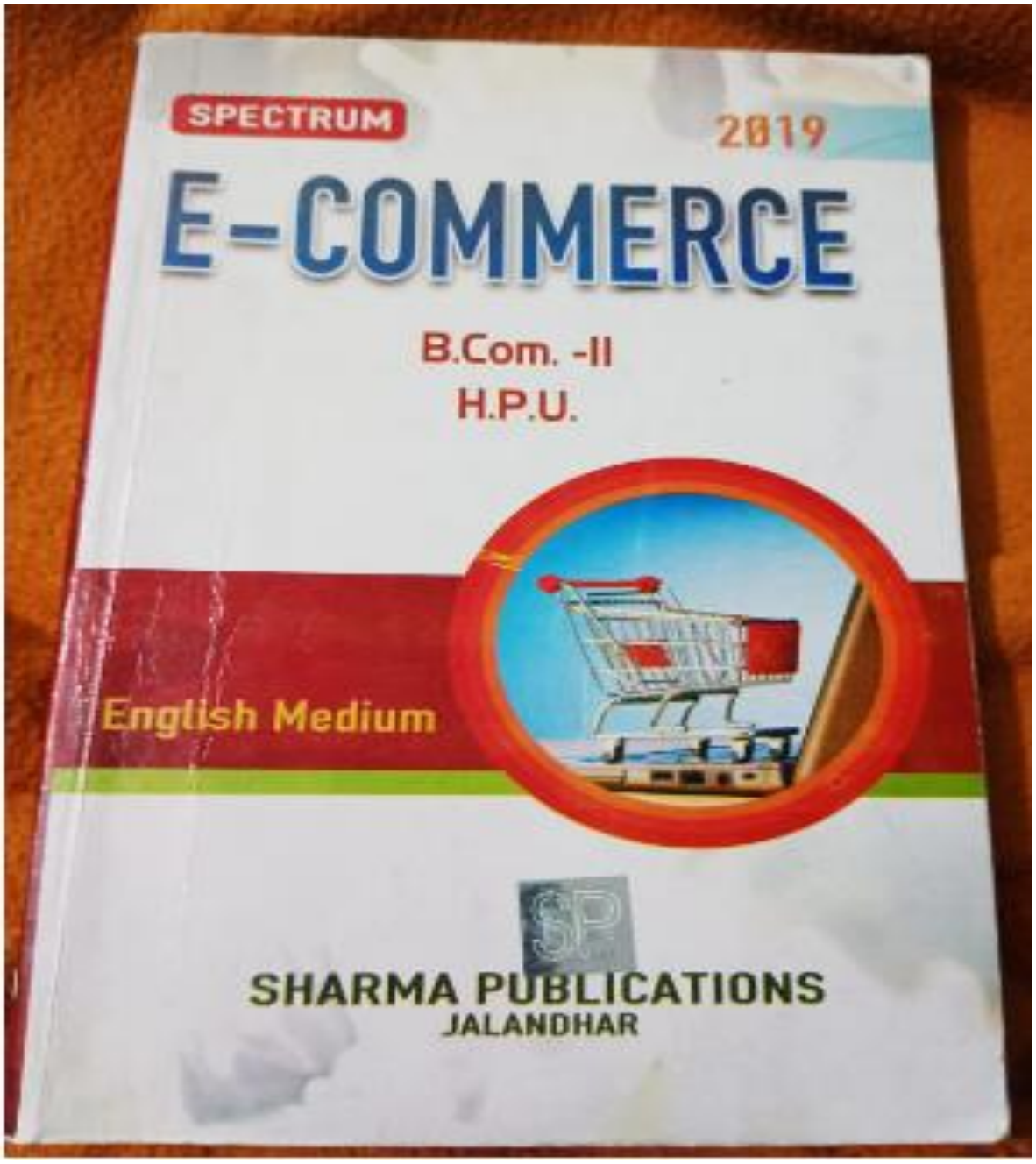

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

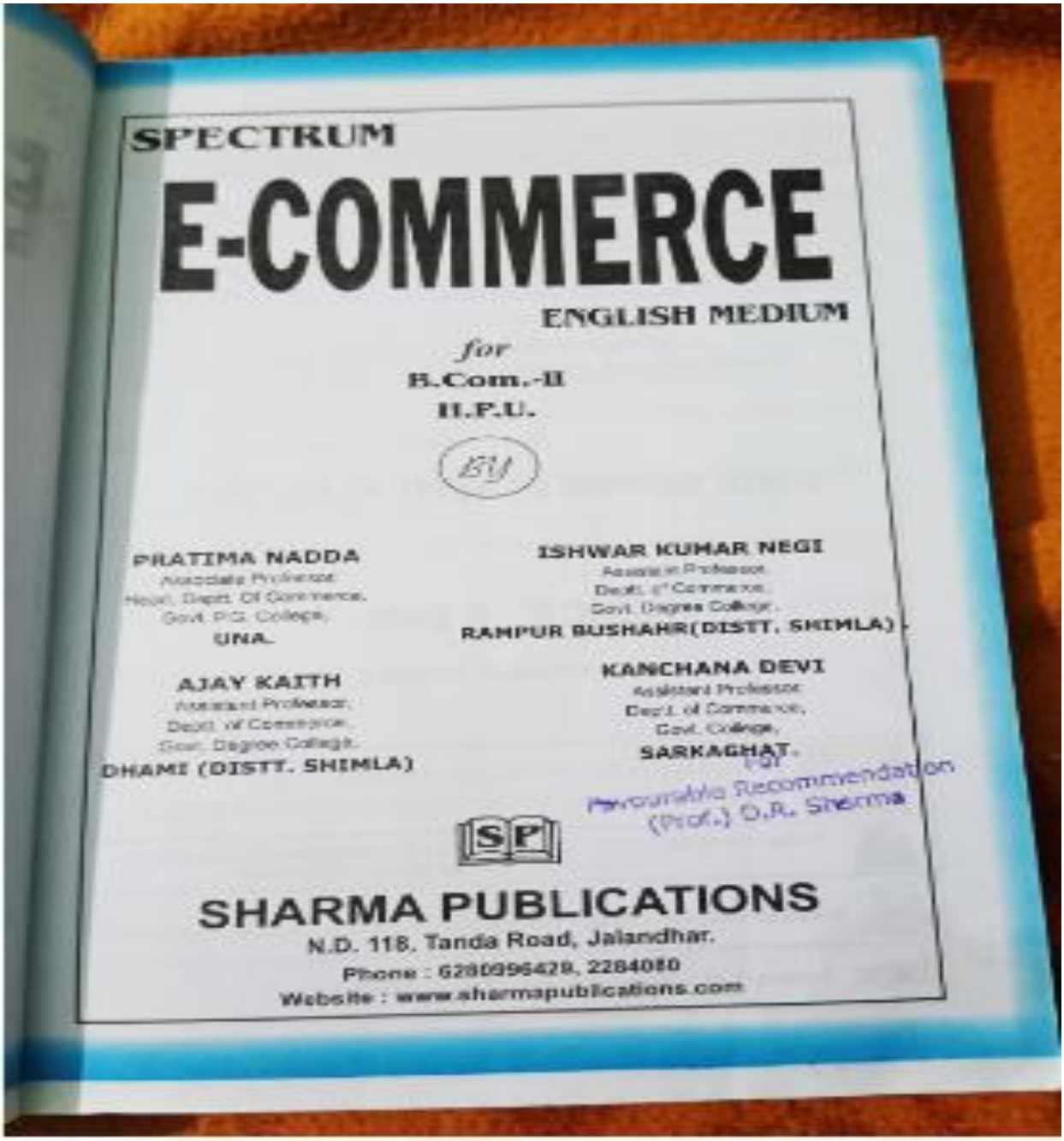

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

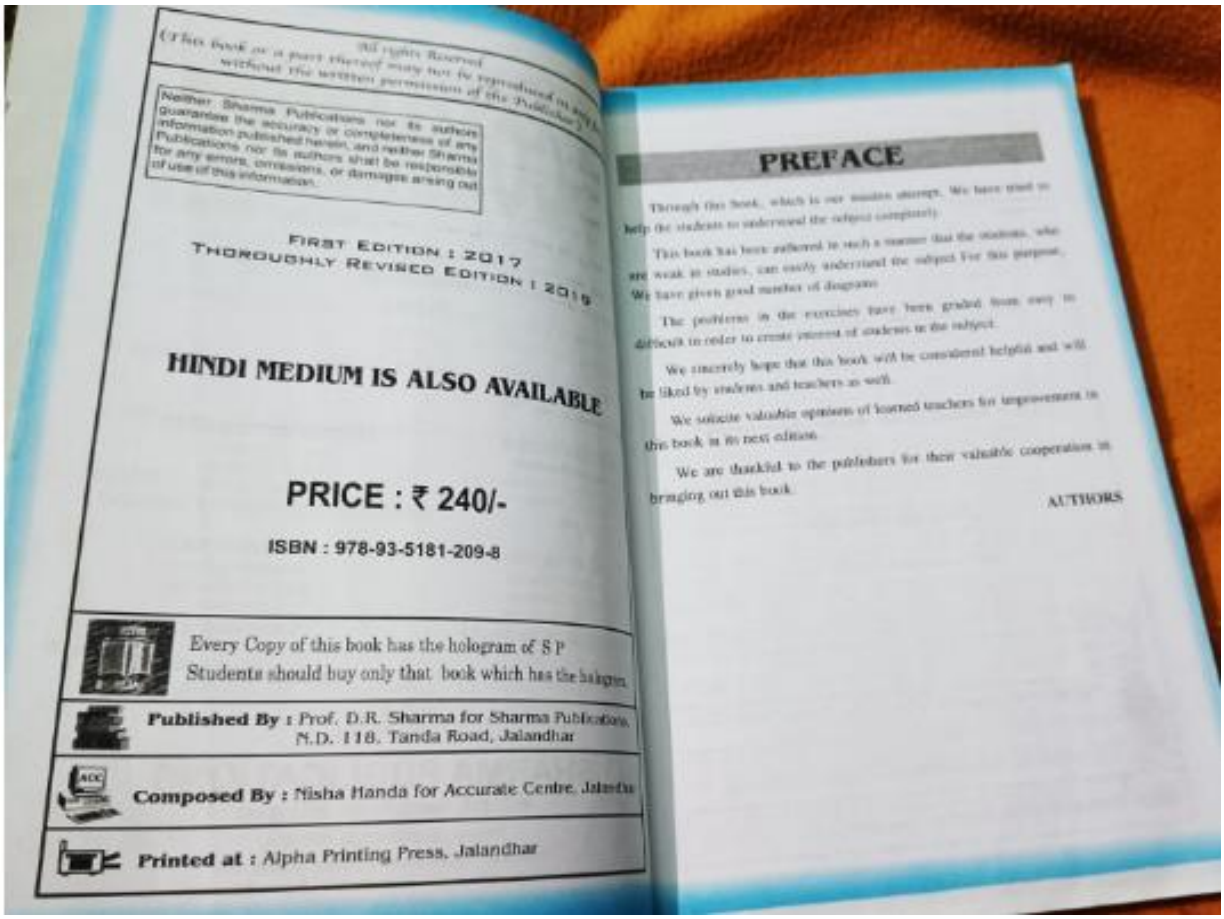

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Gian Chand

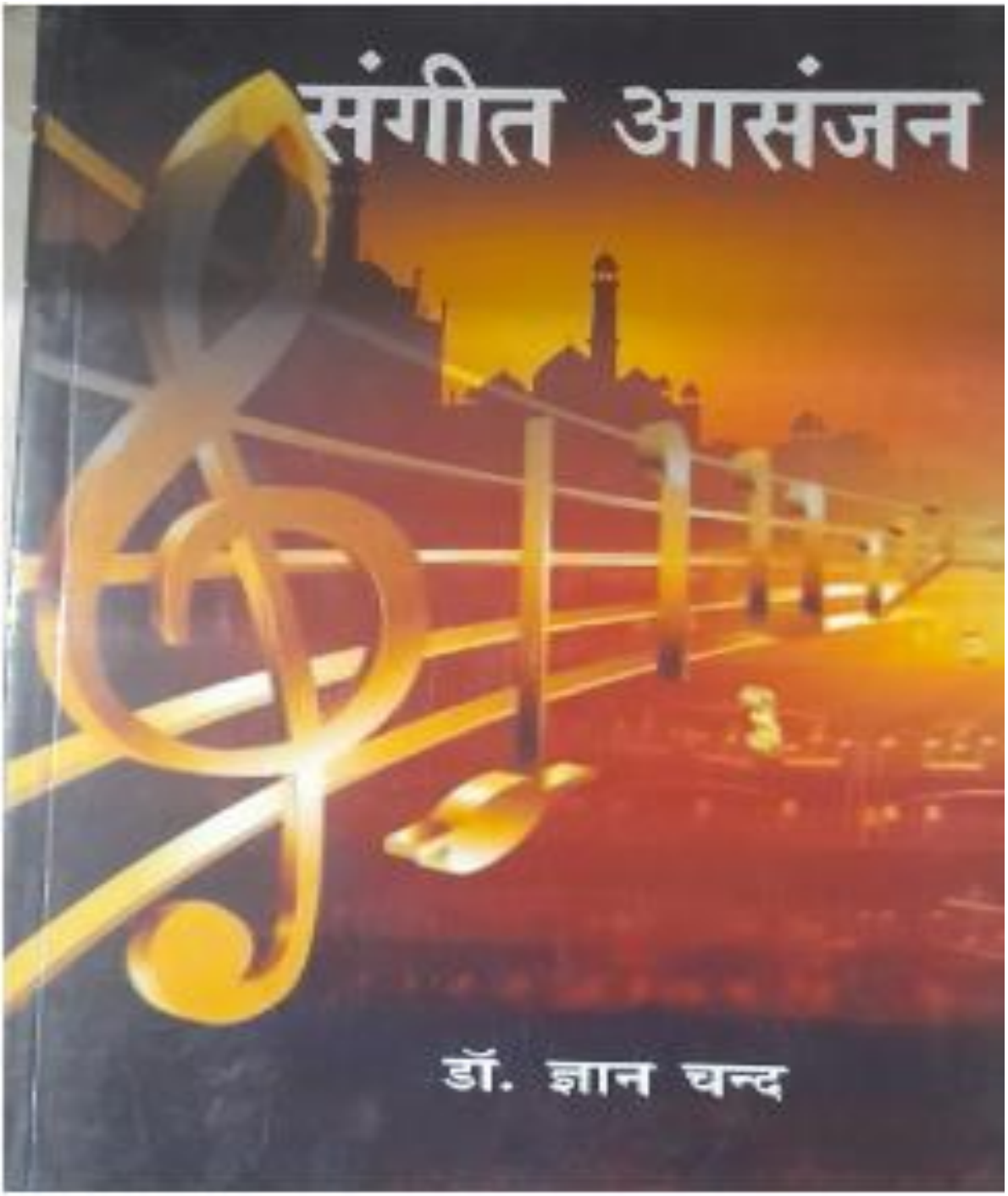

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

सत्र 2016-17 से हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला ने स्नातक स्तर के सभी विषयों के पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित रूपरेखा के अनुरूप लागू किया। प्रस्तुत पुस्तक संगीत विषयक है। पुस्तक में स्नातक तृतीय एवं चतुर्थ सत्र के पाठ्यक्रम का समावेश किया गया है। इस पुस्तक में संगीत के शास्त्र और क्रियात्मक दोनों पक्षों के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समाहित किया है। शास्त्रपक्ष के अतिरिक्त क्रियात्मक सम्बन्धी बहुमूल्य जानकारी से विद्यार्थी अवश्य लाभान्वित होंगे ऐसा विश्वास किया जाता है। पुस्तक की भाषा सरल एवं सारगर्भित रखने की कोशिश की गयी है जिससे विद्यार्थियों को सामग्री ग्रहण करने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

नाम : डॉ. ज्ञान चन्द

जन्म : 1972, जगोड़ा, तहसील-टियोग, जिला-शिमला (हि.प्र.)

शिक्षा : एम.ए. संगीत (स्वर्ण पदक प्राप्त), पी.एच.डी. नैट, स्लैट, यू.जी.सी, जे.आर.एफ.।

विशेष : सितार वादन की अनेकों प्रस्तुतियां, अनेकों गीत एवं संगीत रचनाएं, अनेकों लोक चित्राधारों में गीत रचनाएं व संगीत निर्देशन।

प्रकाशन : शोध-पत्रों एवं लेखों का विभिन्न पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशन।

प्रमुख पुस्तकें : स्वर भारती, संगीत सहर, ज्ञानांजली, हिन्दुस्तानी संगीत में कैशिक, संगीत कलादर्श, संगीत विवरण, संगीत प्रवाह, कला वाहिनी, रागसंचयिता, संगीत प्रबोधिका, संगीत निधि, नाद कंधन, संगीत सागरिका।

अध्यापन : गत 20 वर्षों से हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग में प्रवक्ता कॉलेज कॉडर, के पद पर कार्यरत विषय की सेवा कर रहे हैं।

सम्प्रति : राजकीय महाविद्यालय, संजौली, जिला-शिमला (हि.प्र.) में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत।

978-93-81129-29-6

प्रासंगिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स

4663/21, अंसारी रोड, दरियागंज

नई दिल्ली-110 002

दूरभाष : +91 9868380244

ई-मेल : prasangik@gmail.com

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना 9

1. **सांगीतिक शब्दावली** 13
   ख्याल, मसीतखानी गत, रज़ाखनी गत, ध्रुपद, तराना, मींड, सूत, मुर्की, खटका, कृंतन, मेलोडी, हारमोनी
2. **स्वरलिपि पद्धति** 20
   स्वरलिपि की आवश्यक्ता व महत्व, ध्वनि संरक्षण, हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति में स्वरांकन का विकासक्रम, उन्नीस का दशक स्वरलिपि का स्वर्णिम, मौलाबख्श, पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति, पं0 विष्णुदिगम्बर पलुसकर की स्वरलिपि,पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति और पं0 विष्णुदिगम्बर पलुसकर की स्वरलिपि पद्धति का तुल्नात्मक अध्ययन 31
3. **राग-ताल चर्चा** 36
   राग बिहाग परिचय, राग मालकौंस परिचय, राग वृंदावनी सारंग परिचय, चारताल,धमार, रूपक, झपताल
4. **शास्त्रीय और सुगम संगीत** 39
   शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, शास्त्रीय संगीत और सुगम संगीत का विश्लेषण, लोकप्रियता, प्रदर्शन, समन्वय
5. **वैदिक संगीत** 42
   उचैरूद्घात, निचैरूद्घात, समाहार, वैदिक कालीन वाद्य यंत्र, तंत्री वाद्य, अवनद्ध वाद्य,घन वाद्य
6. **प्राचीन संगीत ग्रंथ**
   नाट्यशास्त्र, संगीत रत्नाकर

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Gian Chand

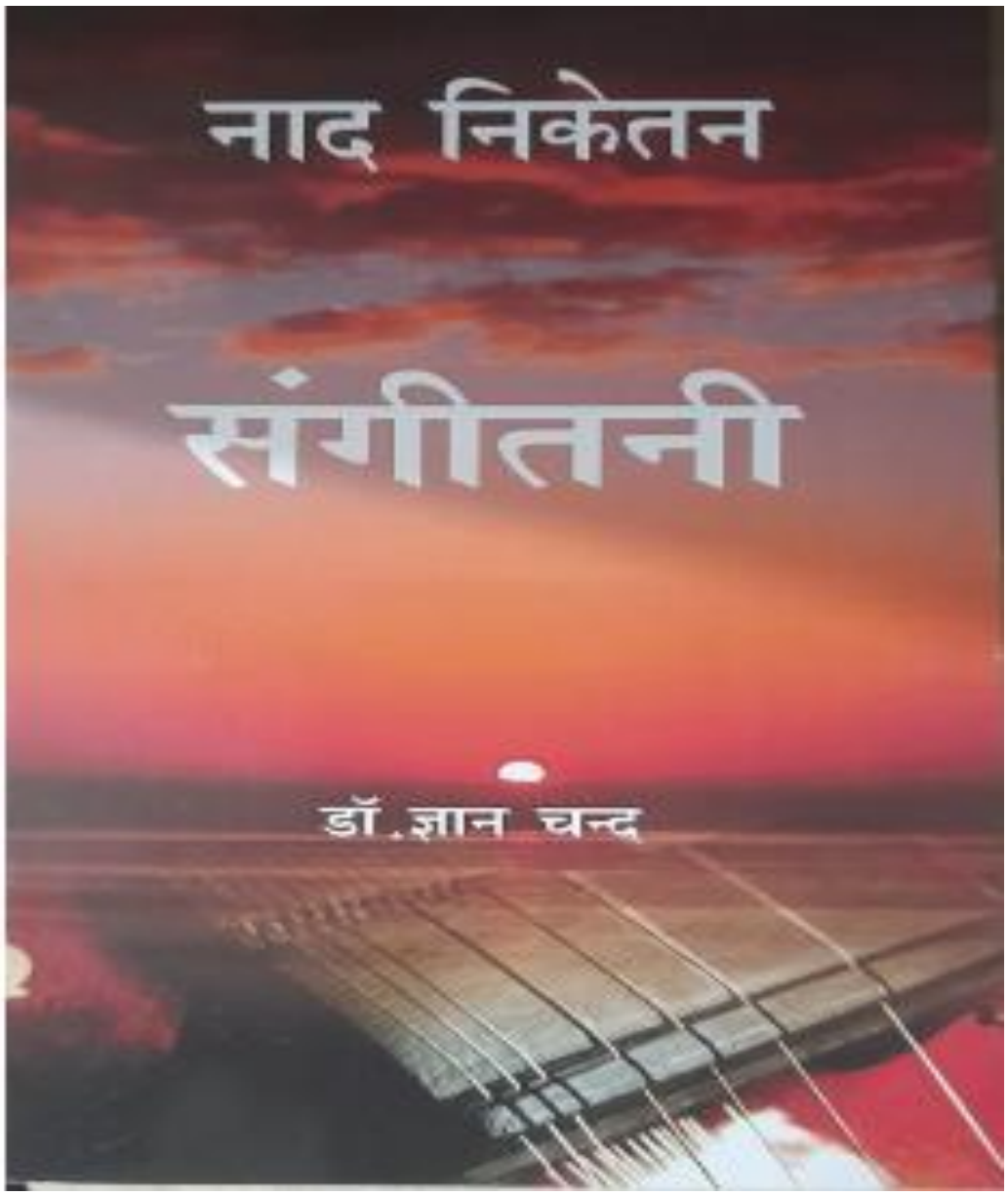

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

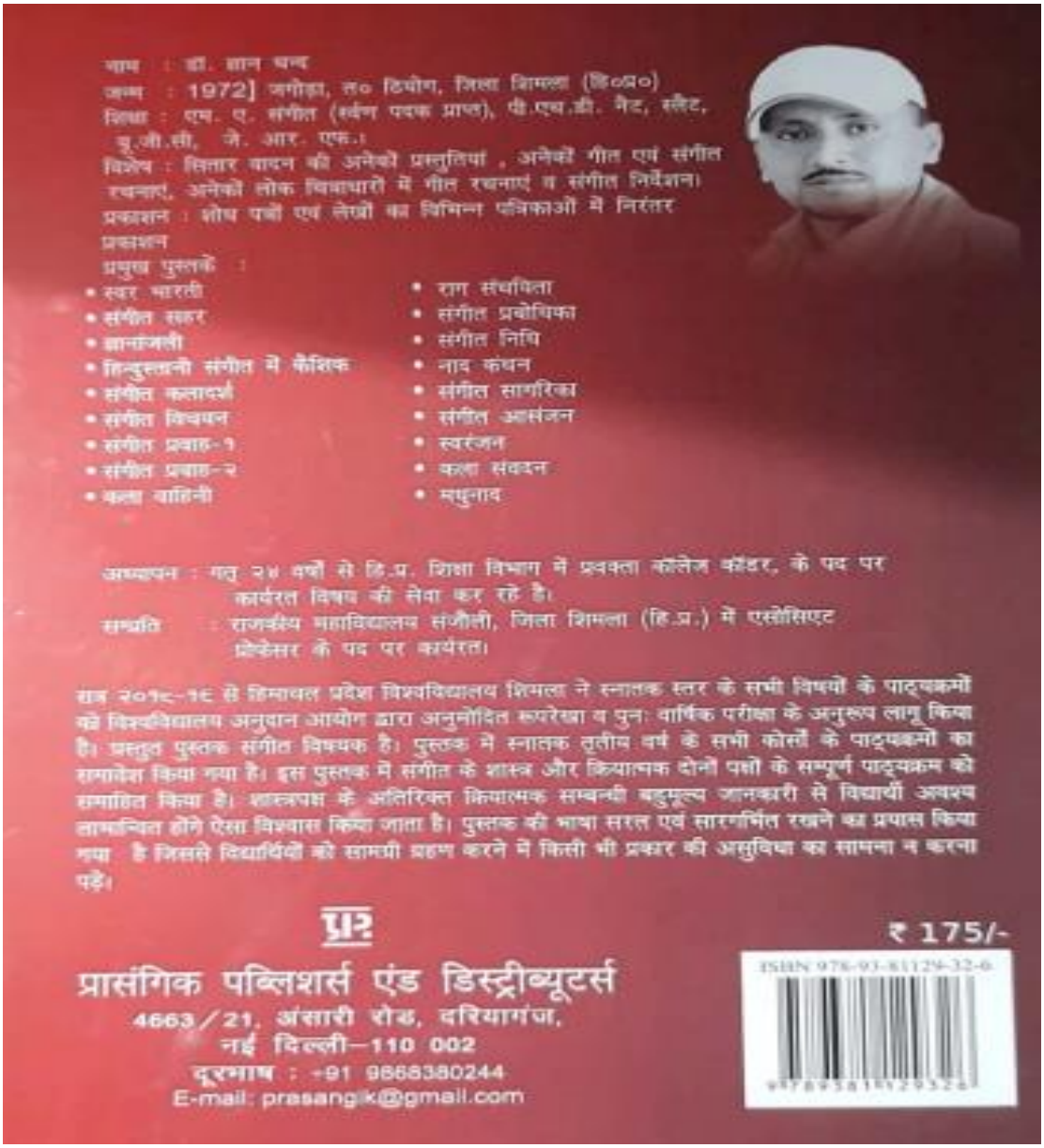

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

अनुक्रमणिका

पूर्व कथन	*9*
आशीर्वचन	*11*
1. निबन्ध लेखन हिमाचल प्रदेश का लोक संगीत, संगीत की आधुनिक वृत्तियां।	13-20
2. रागों के समय सिद्धान्त	21-26
3. व्यक्तित्व प0 भीमसेन जोशी, मुश्री लता मंगेशकर	27-32
4. ग्राम-मूर्च्छना-जाति ग्राम, षड्ज ग्राम, मध्यग्राम, मूर्च्छना, षड्ज ग्राम की मूर्च्छनाएं, मध्यम ग्राम की मूर्च्छनाएं जाति, शुद्ध जातियां, विकृत जातियां, जाति लक्षण, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जातियों का महत्व।	33-42
5. सामान्य सांगीतिक चर्चा आविर्भाव-तिरोभाव गायक वादक के गुण दोष, मार्गी संगीत, मार्गी संगीत और देसी संगीत में अन्तर, ताल व इसके दस प्राण, तीन ताल।	43-54
6. हिन्दुस्तानी संगीत के तंत्र वाद्य दिलरुबा, इसराज, सारंगी, वायलिन, सितार, सुरबहार, तानपूरा, सुरसिंगार, रबाब, सरोद, स्वरमण्डल।	55-70
7. सितार व तानपूरा तानपूरा और सितार का सचित्र वर्णन	71-78
8. राग चर्चा राग दरबारी कान्हडा, राग तोड़ी, राग भैरवी।	79-92
9. ताल वर्णन दादरा, कहरवा, तीनताल, एकताल, धमार, रूपक	93-96

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Meenakshi Sharma

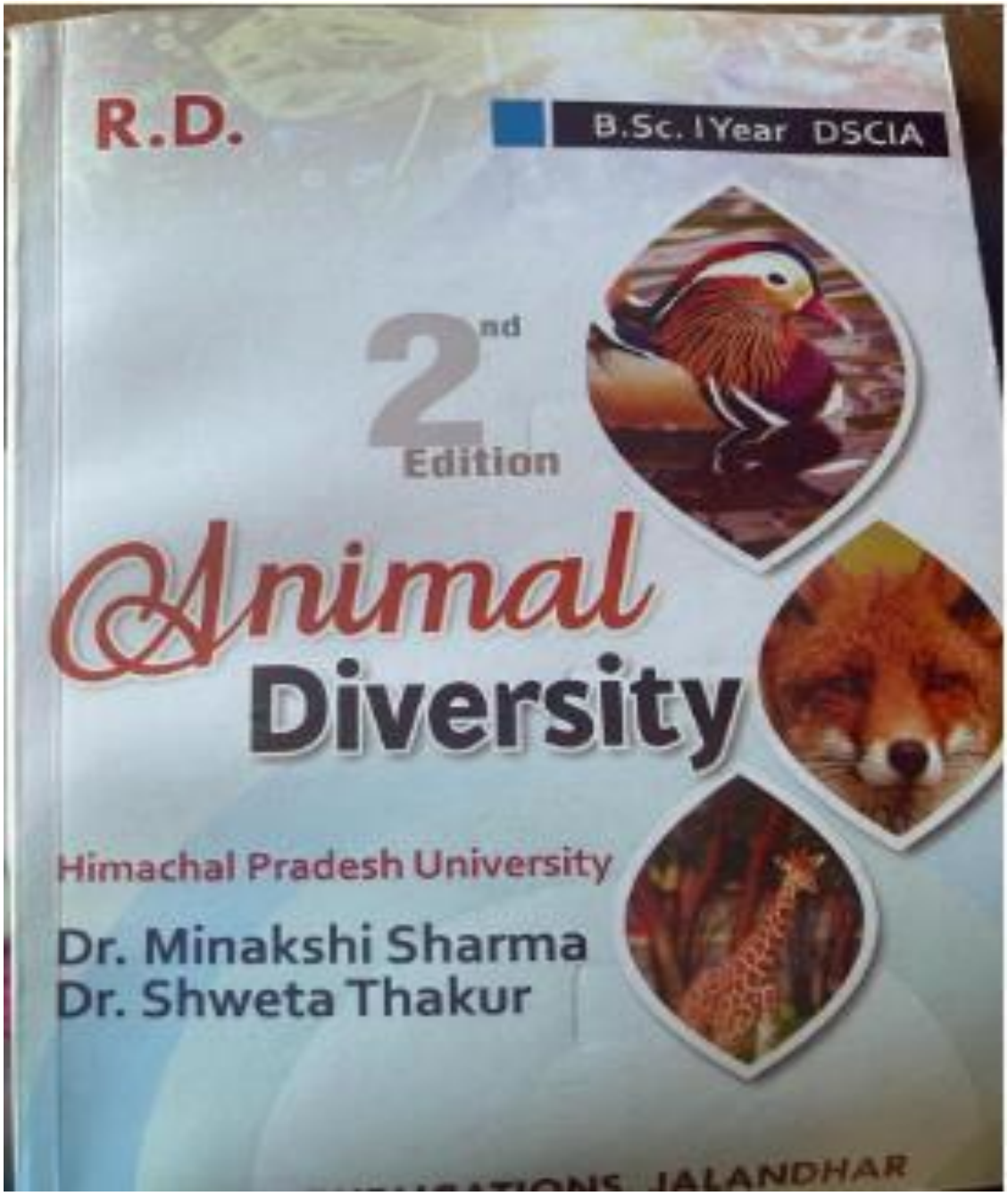

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

CONTENTS

1.	Kingdom Protista	1 – 22
2.	Phylum Porifera	23 – 35
3.	Phylum Cnidaria	36 – 54
4.	Phylum Platyhelminthes	55 – 72
5.	Phylum Aschelminthes	73 – 88
6.	Phylum Annelida	89 – 97
7.	Phylum Arthropoda	98 – 113
8.	Phylum Mollusca	114 – 128
9.	Phylum Echinodermata	129 – 140
10.	Protochordata	141 – 150
11.	Agnatha	151 – 15
12.	Pisces	156 – 16
13.	Amphibia	167 – 18
14.	Reptilia	185 – 20
15.	Aves	203 – 2
16.	Mammalia	

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Meenakshi Sharma

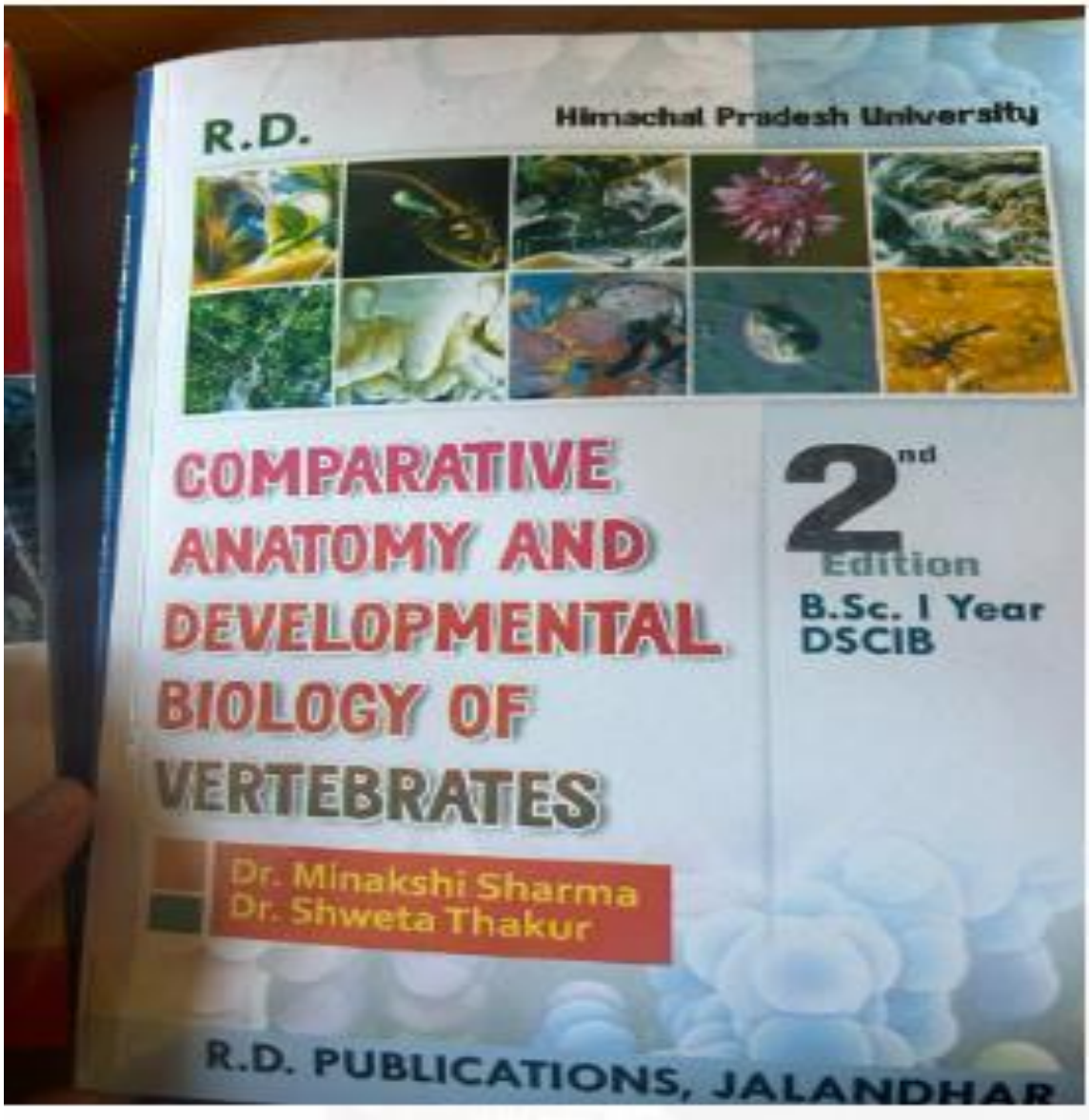

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GOE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

CONTENTS

COMPARATIVE ANATOMY OF VERTEBRATES

1. Integumentary System 1 – 27
2. Skeletal System 28 – 36
3. Digestive System 37 – 71
4. Respiratory System 72 – 98
5. Circulatory System 99 – 110
6. Urinogenital System 111 – 137
7. Nervous System 138 – 159
8. Sense Organs 160 – 187

EARLY EMBRYONIC DEVELOPMENT

9. Gametogenesis 188 – 201
10. Fertilization 202 – 212
11. Early Development of Frog and Human 213 – 220
12. Morphogenetic Movements 221 – 227

LATE EMBRYONIC DEVELOPMENT

13. Implantation and Placentation 228 – 239
14. Frog Metamorphosis 240 – 244

CONTROL OF DEVELOPMENT

15. Intercellular Communication and Cell Signalling 245 – 250
16. Apoptosis/ Programmed Cell Death 251 – 256

Paper 257 – 260

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Inder Thakur

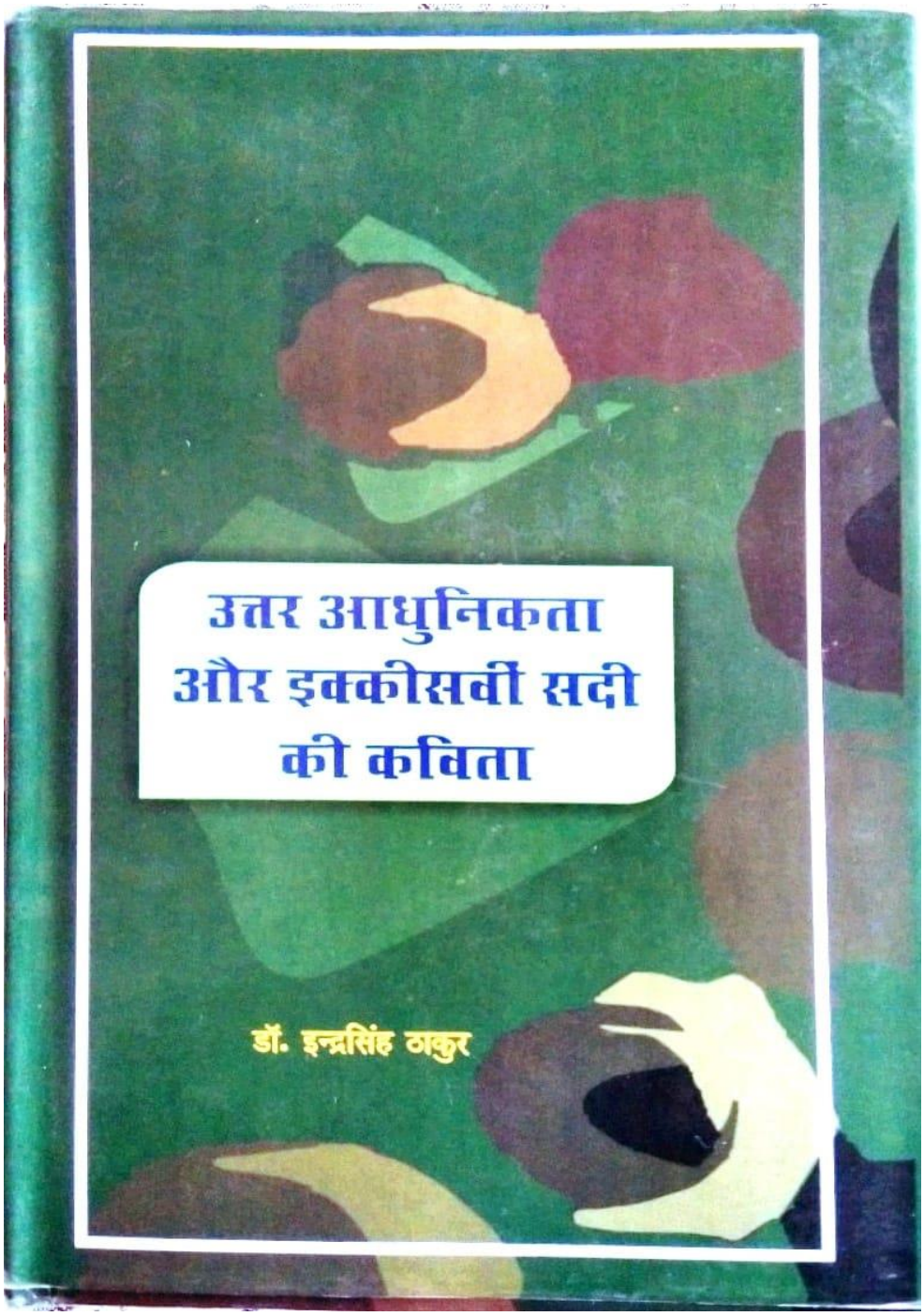

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

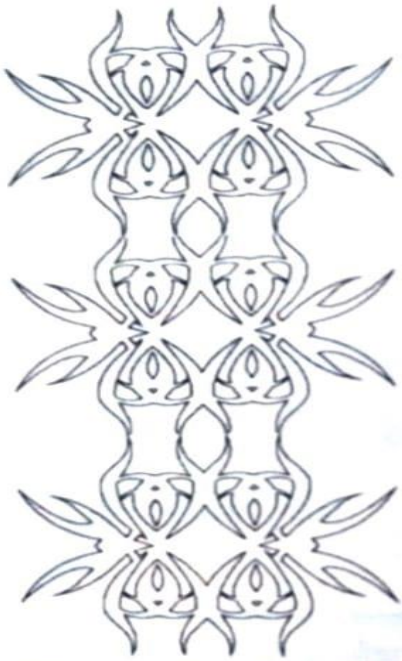

© कॉपी राइट : सुरक्षित–डॉ. इन्दसिंह ठाकुर

ISBN–978–81–89562–61–8
संस्करण : प्रथम, 2017
मूल्य : 350.00

नेशनल काउंसिल ऑफ हिन्दी लिट्रेचर
33/1, भूलभुल्लैयाँ रोड़, महरौली, नई दिल्ली–110030
फोन : 26641981, 26641880 के लिए प्रकाशित एवं
वर्ल्ड लिट्रेचर इण्डिया द्वारा जैमिनी प्रिंटिंग सर्विस, दिल्ली में मुद्रित ।

Uttar Aadhunikta Aur Ekkisvin Sadi Ki Kavita
by Dr. Indra Singh Thakur

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
COE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Inder Thakur

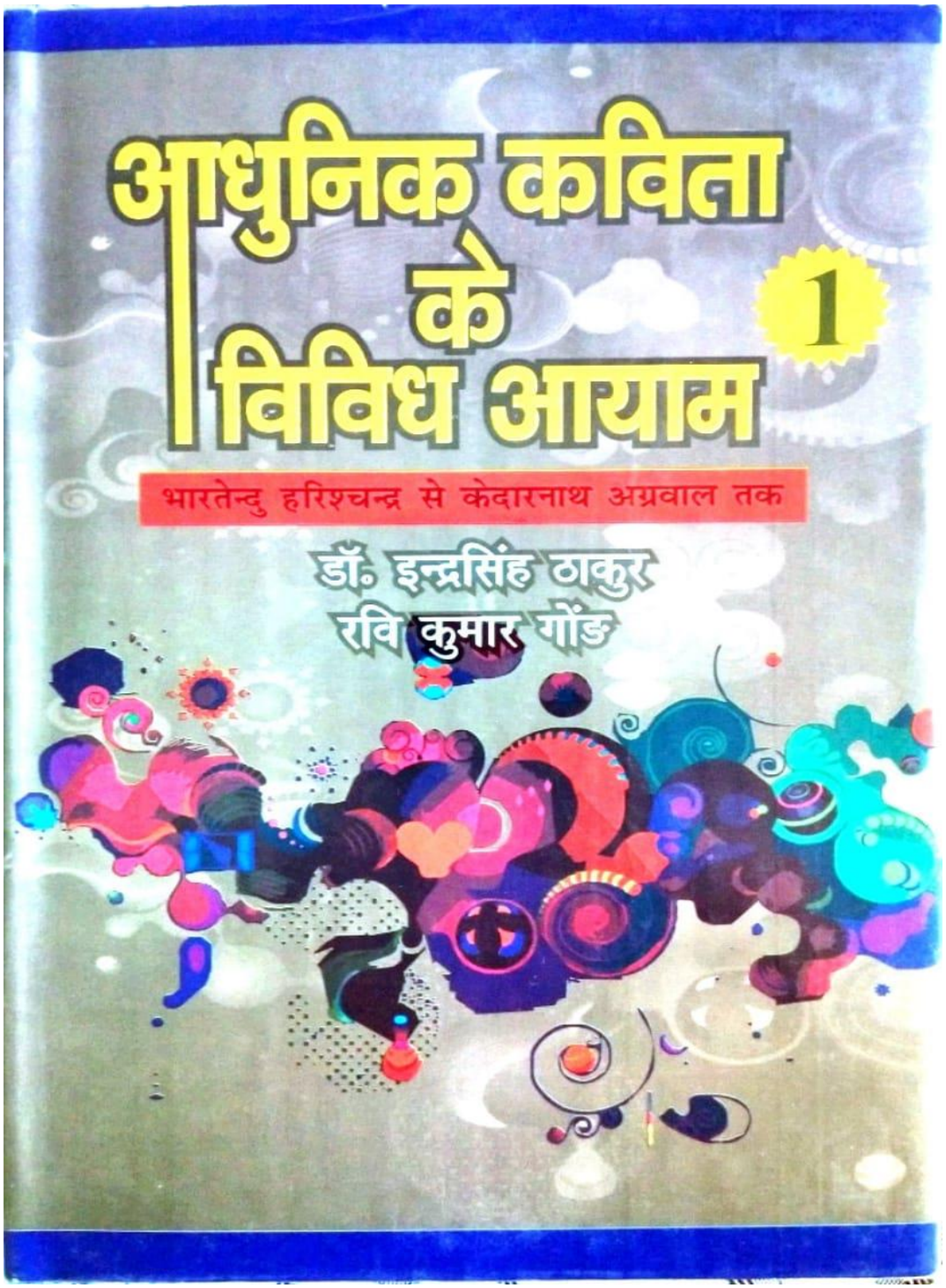

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

प्रकाशक

विजयदेव झारी

राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य परिषद

33/1, भूलभुलैयाँ रोड़, महरौली, नई दिल्ली-110030

फोन: 011-26641981, 26641880, 09811367907

मुद्रक

वर्ल्ड लिट्रेचर इण्डिया द्वारा

जैमिनी प्रिंटिंग सर्विस, दिल्ली में मुद्रित ।

ISBN

978-93-85224-00-3

मूल्य

450.00

संस्करण

प्रथम, 2018

Aadhunik Kavita Ke Vividh Aayam

by Dr. Indrasingh Thakur, Ravi Kumar Goan

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Anjana Sharma

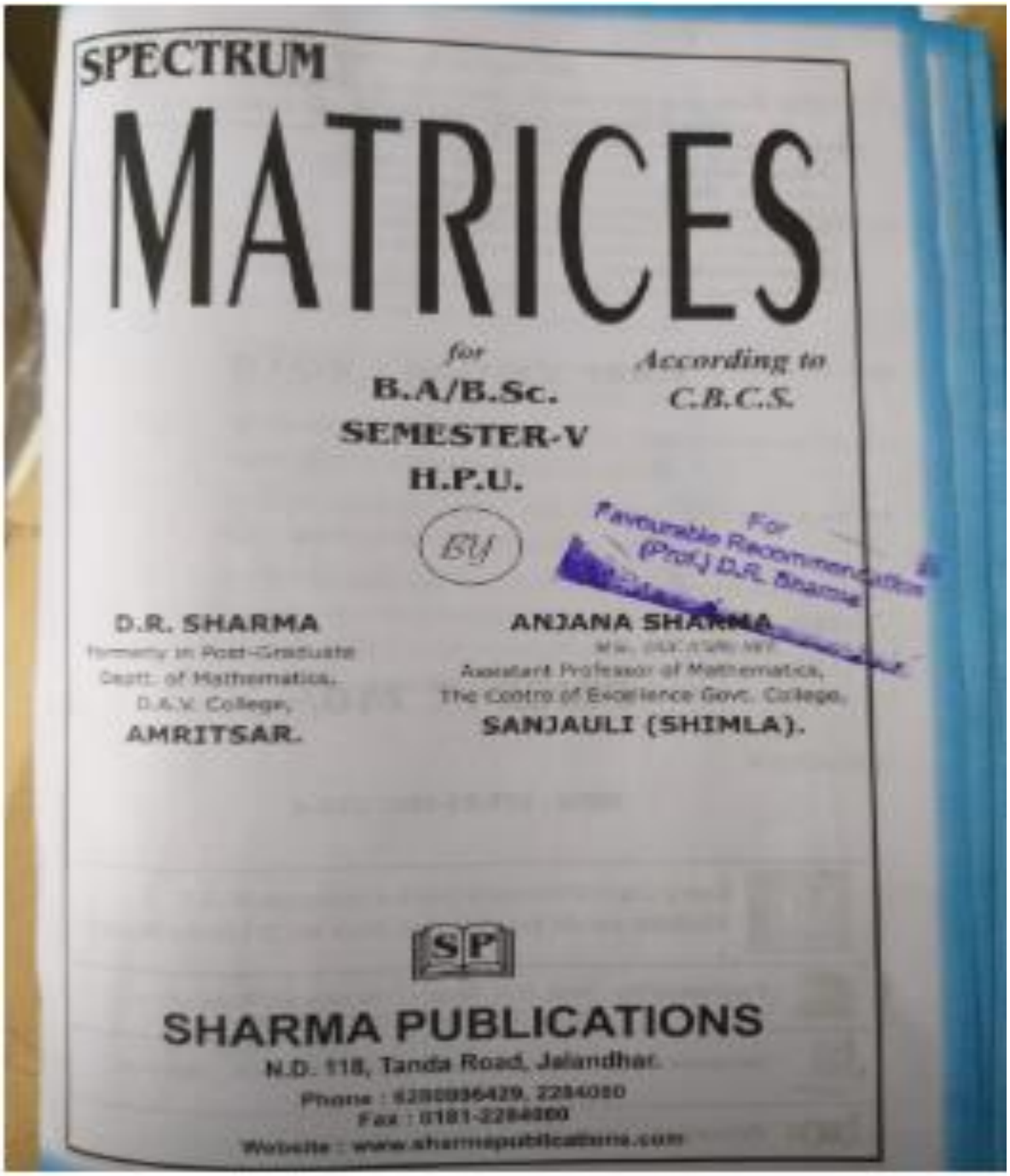

SPECTRUM

MATRICES

for

B.A/B.Sc.

SEMESTER-V

H.P.U.

According to C.B.C.S.

BY

D.R. SHARMA
Formerly in Post-Graduate
Deptt. of Mathematics,
D.A.V. College,
AMRITSAR.

ANJANA SHARMA
Assistant Professor of Mathematics,
The Centre of Excellence Govt. College,
SANJAULI (SHIMLA).

SHARMA PUBLICATIONS
N.D. 118, Tanda Road, Jalandhar.

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Dr. Anil Thakur

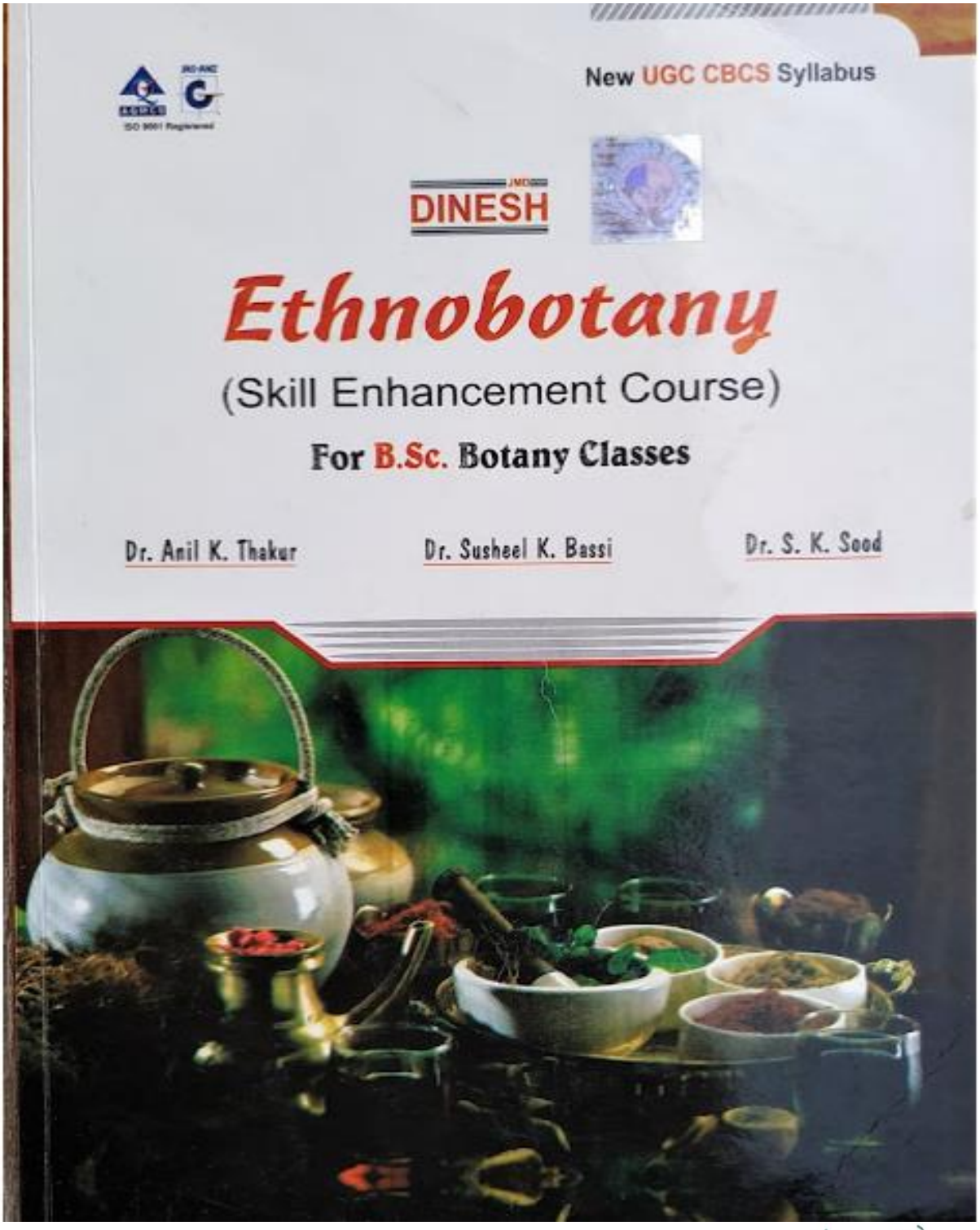

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Anil Thakur

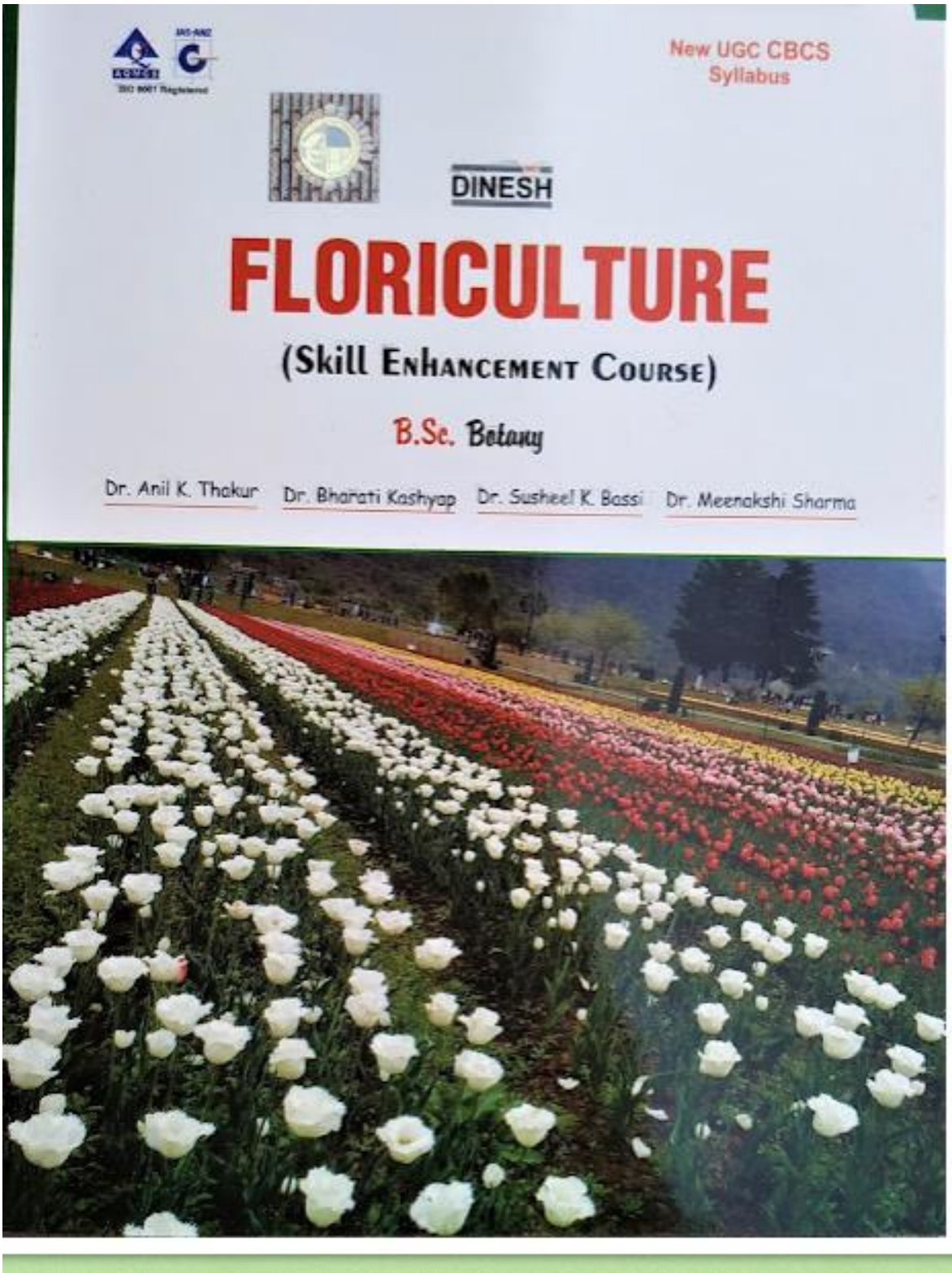

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Anil Thakur

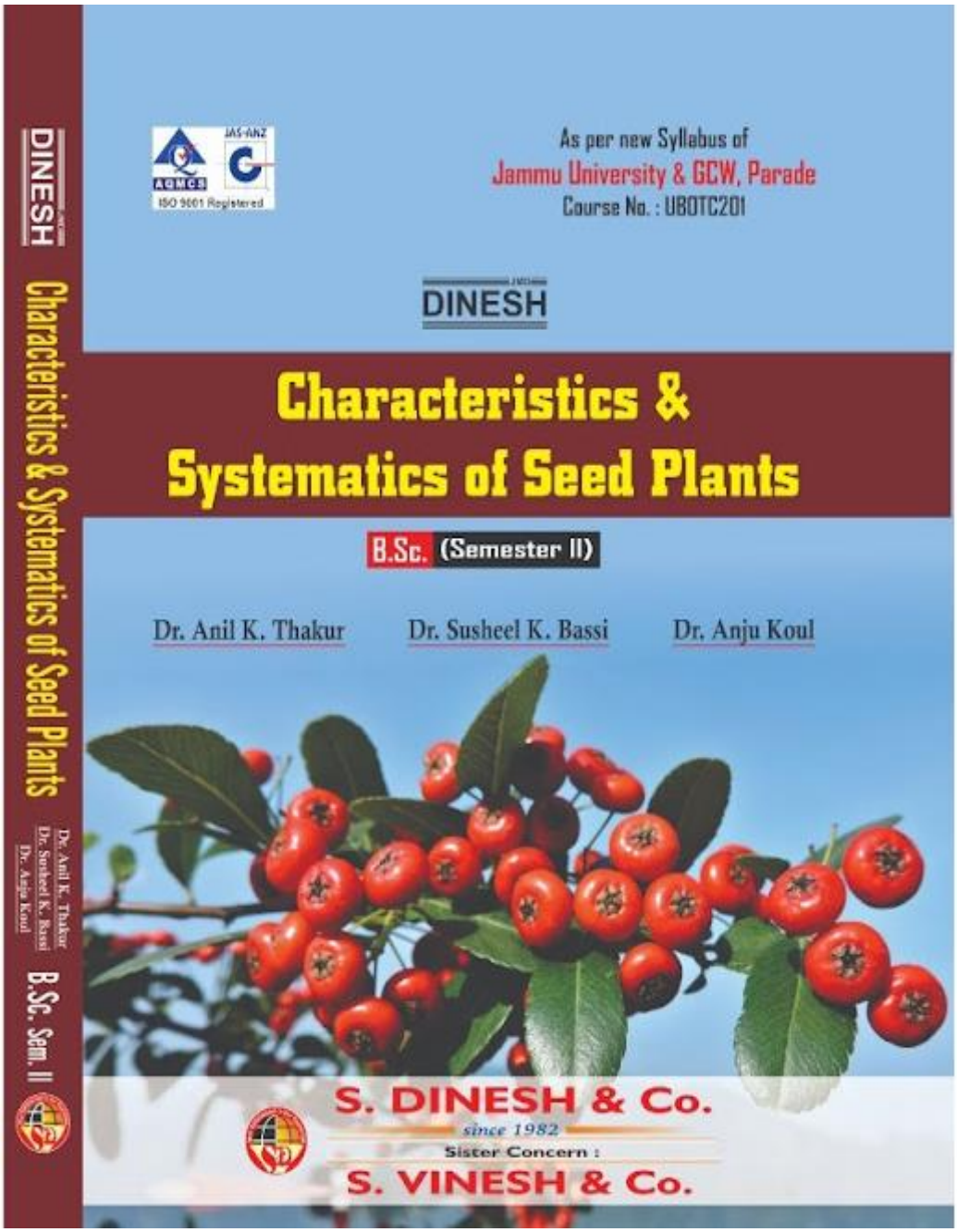

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Anil Thakur

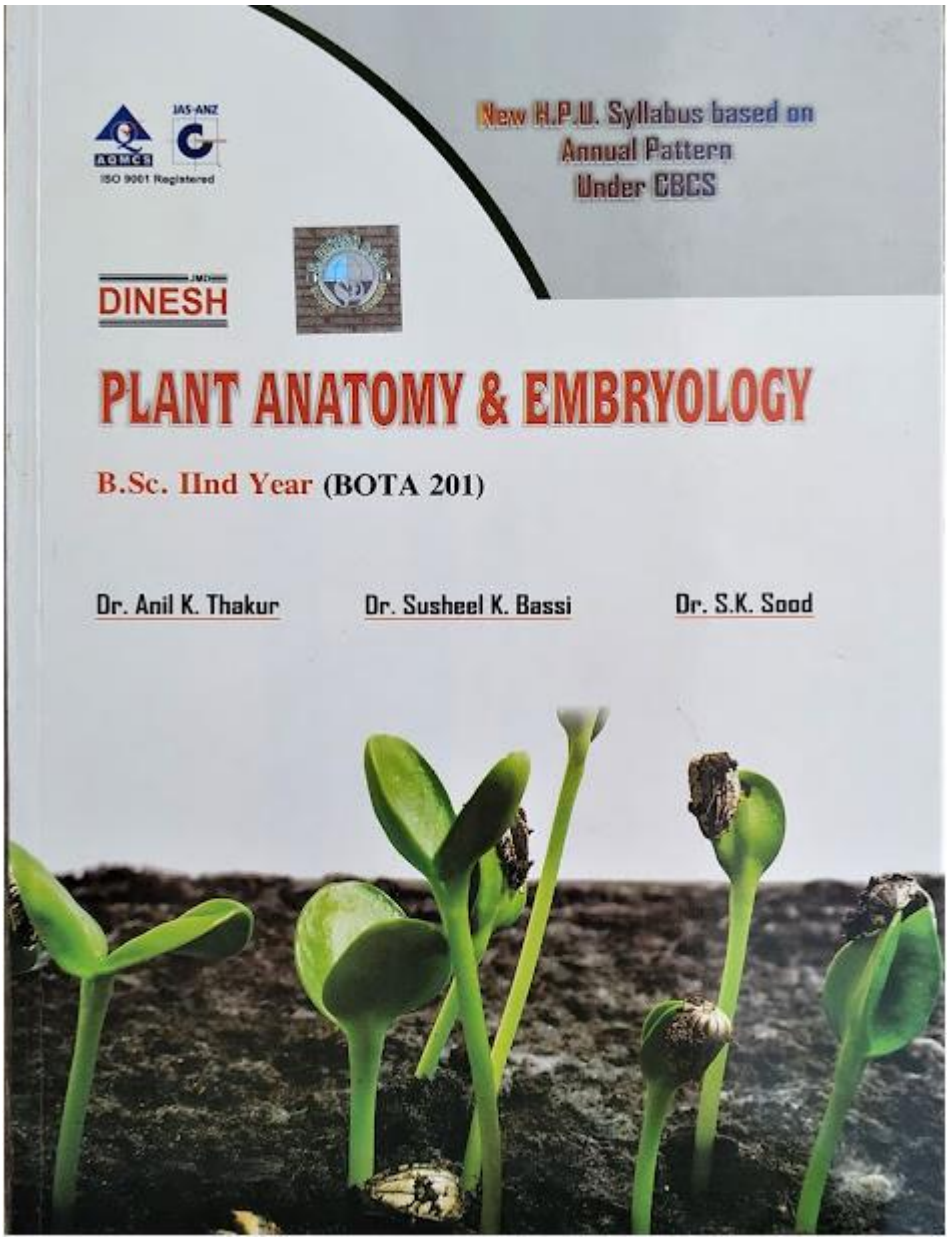

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Anil Thakur

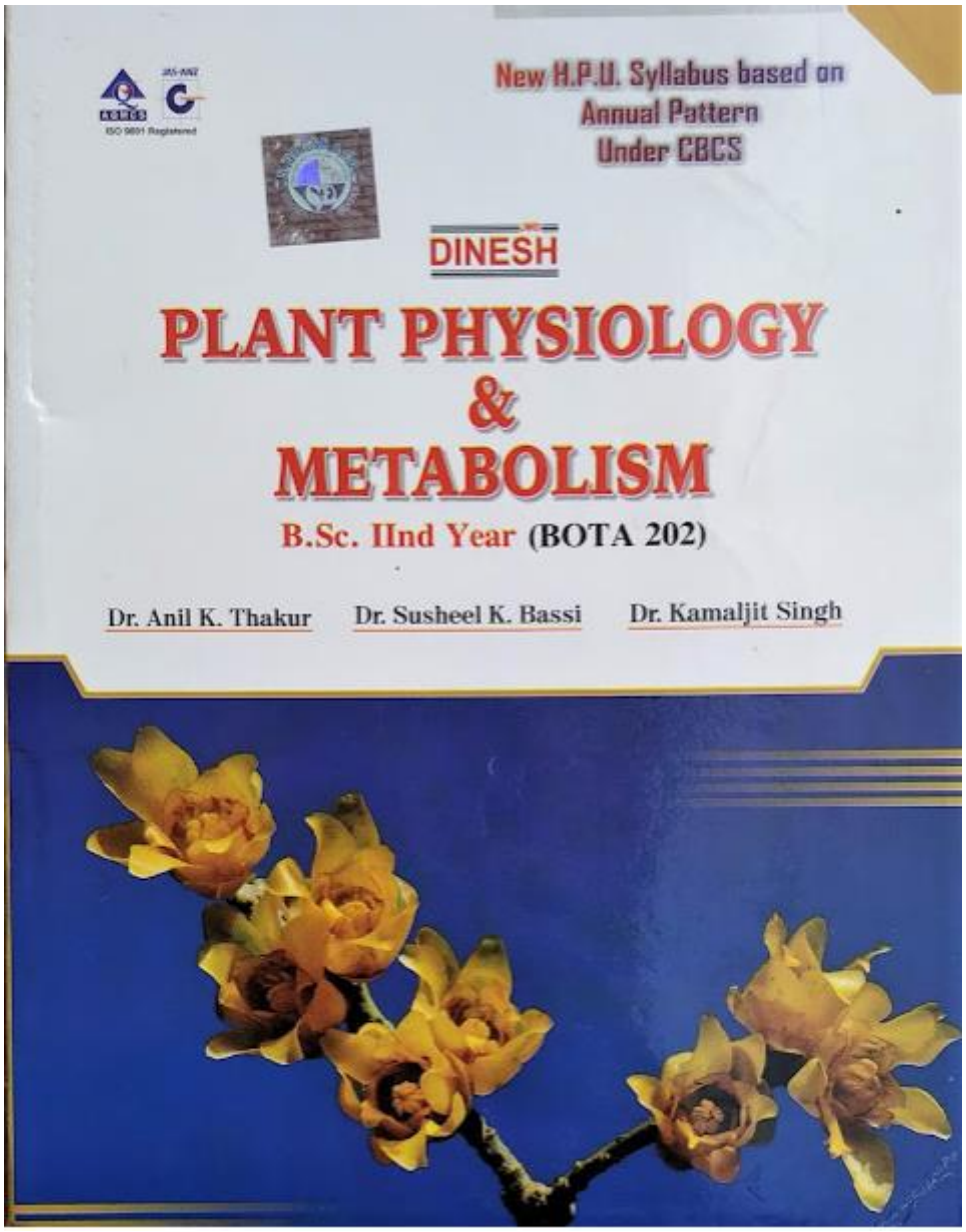

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr. Anil Thakur

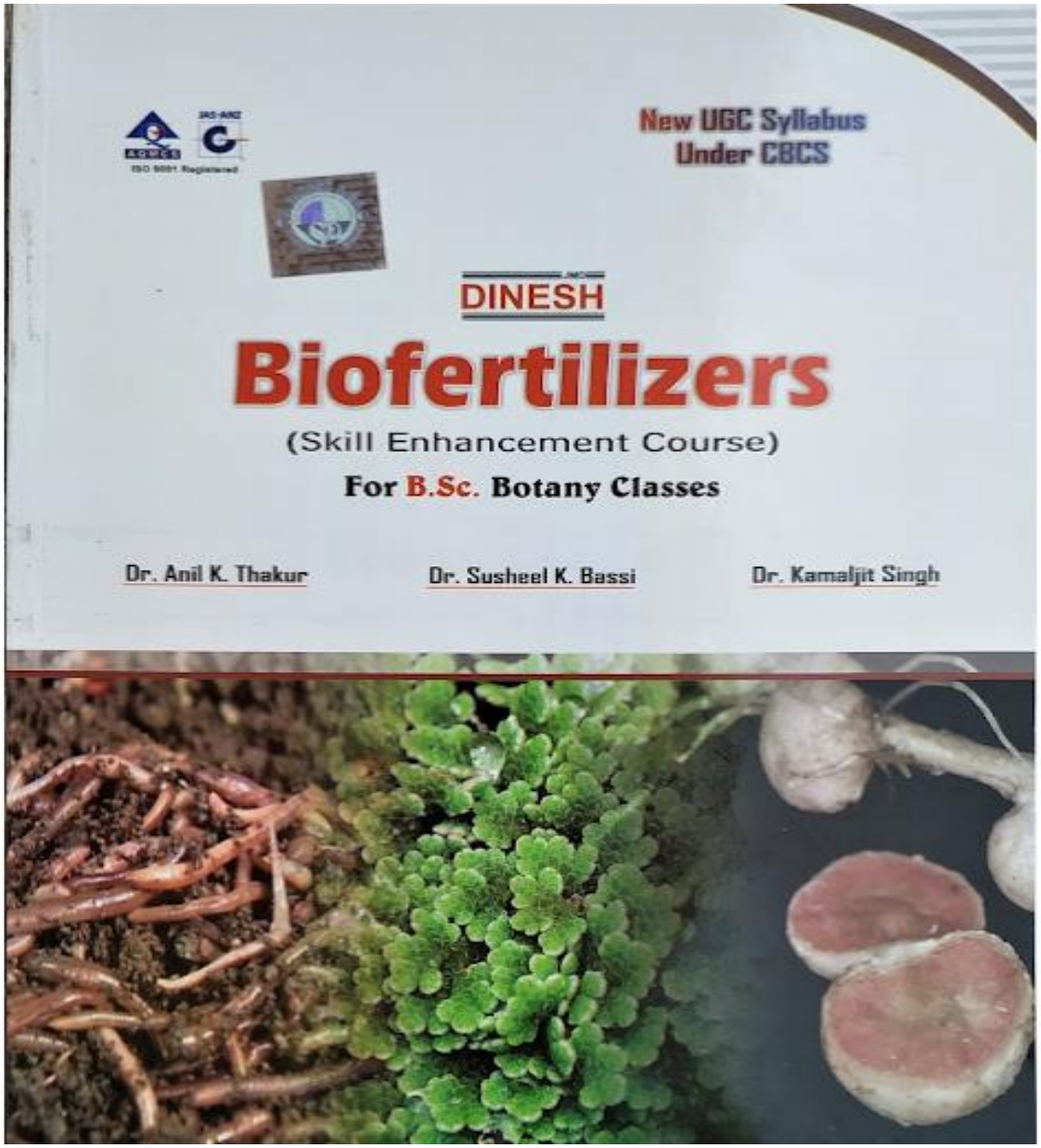

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal,
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6

Dr Pawan Kumar Sharma

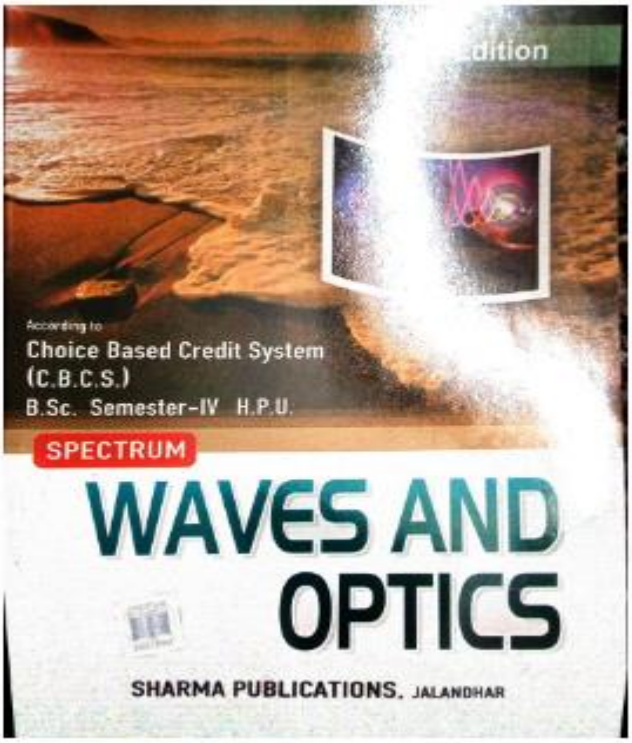

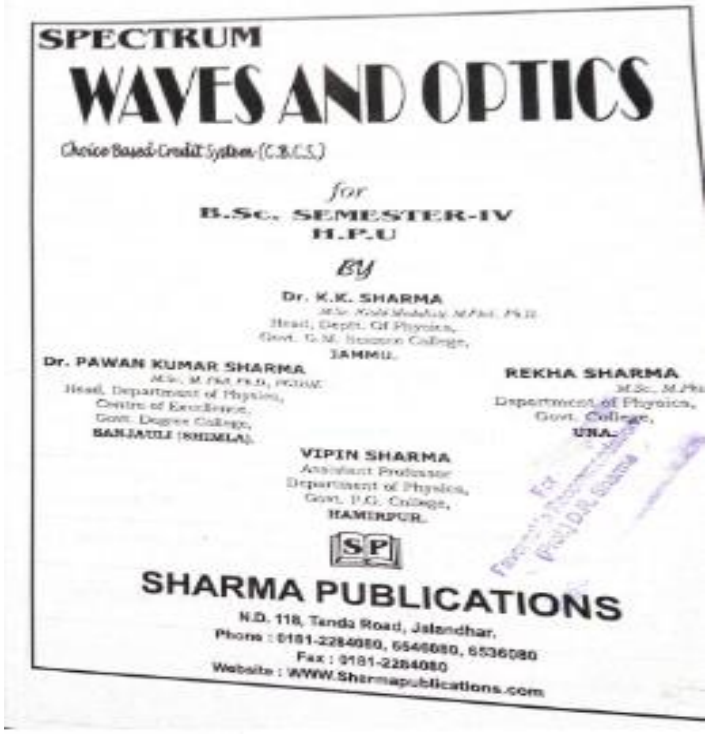

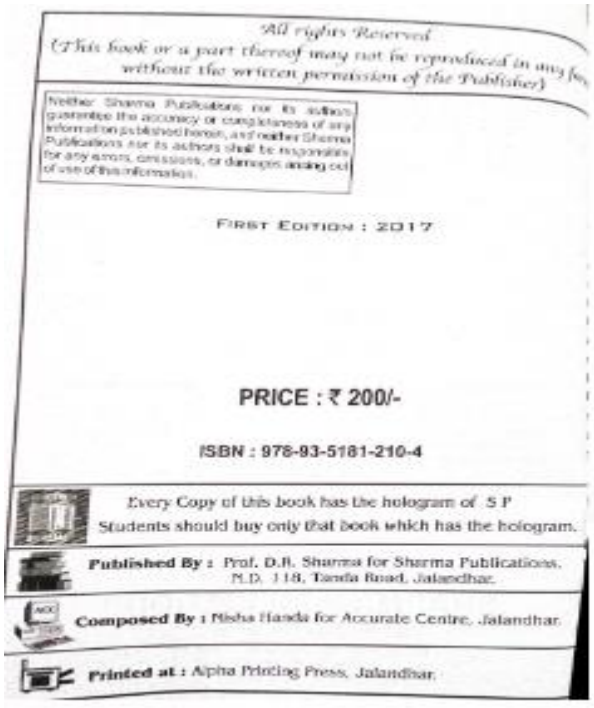

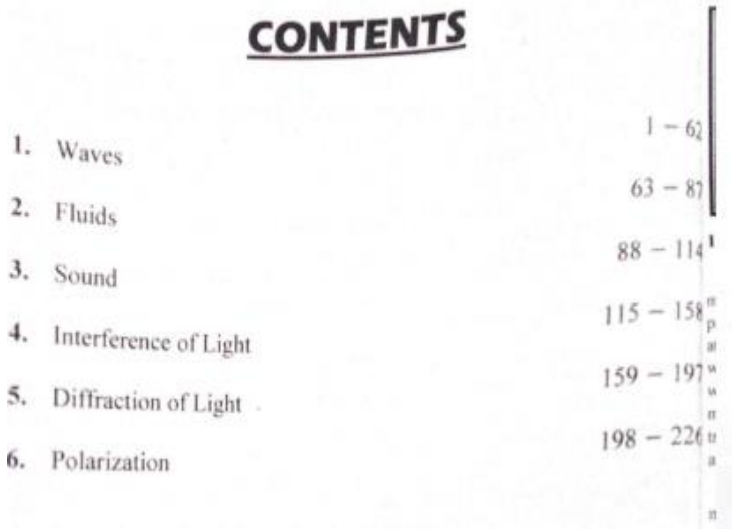

Principal
Govt. College Sanjauli
Shimla-06

Principal
GCE, Govt. College
Sanjauli, Shimla-6